







न्गानःकग

<u> </u>	1
हे <u>:</u> त्र-ग्रंथर: र्चुर:।	
র্বিমন্ত্র-বৃদ্ধির বিশ্ব	
२.र्वाशक्र्यात्र्यम्	
<u>₹</u> 5.	
थु.शर्त्रवे <u>य.चील</u> ील.चीला ल	
र्वेन्-वु:ळ:नुद्रा	
दर्रेन-लूब-क्ब.की	
ক্রন্থের্ব্র্র্	

श्रेन् प्रदे प्रदे में विष्	16
বশ্ৰ-পূৰ্বাৰ-বন্ধ্ৰ-বা	22
বশ্ৰপ্ৰ হ্ৰ ব্ৰদ্ৰ	
कुष:न्र-प्रबेष:न्र-वृत्।	26
र्वेन्'सुकर्ने:र्बेुन्।	
नडंद-र्स-र्स्य-र्मुद-ग्री-सळंद-ग्र-।	
न्ययः तुः त्ये हूवे :यहः शुनः नजुः नन्त्र।	
বর্ষ্ট'শ্র'মর্ক্টব্'শ।	
শ্বানু বা	40
विद्याभूरानुषाळेता	44
यु ननम र् म केता	
ั รสามารุญานิธัสมารุราสสราชี สลูานิธัสมา	
र्केश प्रविद् रहुश केत्।	59
दह्वान्त्रेटार्बे नगटा	63
र्वेद्रःश्चेःवेर्गम्भम्।	

有气割气	70
बेर्चेन्	71
हते स्त्र मारम सङ्ग्री र त्ये दिता	73
ब्रेट-नदे-द्रबेल-नभृत्र	74
ग्रुट्रं मी गुरुष केंद्र में र्श्वेत्र	75
বি:বদ্বাশ:গ্রী:র্থ:ক্রুশা	76
र्जे.स्.में.सर.में.सकूर्यंत्र्र्यं	79
नरः र्भूरः ग्रें 'दरः केवा	
र्श्रेंबार्क्केंब्र-न्यानिये सर्वेहेंब्र न्त्रेंबा	83
ञ्च त्र व र र र र र र र र र र र र र र र र र र	85
ह.क्वी.सर्व.तस्त्री	88
र्ने ५ अदे से ६ वर्षे ग्रम् स्वा	
युःर्वेदेःप्रव-र्ह्नेत्।	93
ब्रि-५८:क्रुनःऍव्य-५वा-वर्क्चन	96
त्तु ⁻ सदे : पद : श्रेन्	98

ग्रव्याग्वियानह्रम्। प्रवया	99
र्शेन्।सं स्वाप्त्रिन्।	103
ही यस नहना चनश	
व्यन् र्भून्	108
প্রে:ব্রুণবর দ্বন্ধা	109
<u> स्य :र्इः </u>	110
र्वे ५ ५ ५ मुश्र ५ हे वर्षे गाया	112
र्ने ५ ५ ५ ५ ६ व ६ व १ व १ व १ व १ व १ व १ व १ व १ व	114
र्वे ५ ५ ५ मुन्य अ हे द वें वा या	116
नदे निवेग्यायर्कें द हेव नक्ता	118
র্ম্বীনানা	124
४ :५ग्1र:बुग्1र्थ:पदे:सर्ळेंद:र्नेदा	128
ग्र-प्रक्रम्	130
রুনা'নক্রন'শ্বুদ্রমা	133
समुत्र मः भ्रुत नित्र	139

विटार्से सूर्या	142
गहेन् श्चेग	147
ধ্রম'রন	
র্মে বৃর্মীবাশ বা	154
दुन:ळवस:दुन:र्हें।	157
यतःहै	
चबि.सर् द्वैस.बी	
यहिःधिःनीः इनाःनीः दिः श्चित्	
वळ्या ग्री अर्कें व र्हे व	
शङ्कं सेट म्बिन कं का	
কুপ'ন্র্-্রিনা-ফ্রা	172
মধ্য নৰ্ম ন্ ব্ৰাক্তা	
सुर-र्च-श्चेत्य-भूरम्।	
養田養田	
कुं कंत्र त्यं वृत्रायः सूर्या	

बूजि:क्रैव:क्रुव:कश:दवीद।	189
र्नेन् सेदे नुष र्सेव।	194
বন্ধ নেবন্ শ্বন্ধ না	
हॱडेेि	199
র্বি-মিট-নশ্বমার্শ্বীন্।	
রীব.প্রধর- <u>র</u> ীম-ঞ্জ্ব।	
र्केंब्र-चति:चेंब्र-सुंर्केण्य।	
बुं गुदे श्रु श्रेर 5 वना में बुना य में बा	
विराष्ट्रिय वर्षे वर्षे ।	
<u>55.241</u>	225
कें-देर-इब-इन	231
अर्के र हे व मी वर मालुमा त्रम्य ख्या	235
र्वे ५ ५ ५ १ मर स्थित र्वे वा स्था	
बुर-वर्ने	
दहेश'ग्राज्ञुग्रा	

श्चुं गुं नर्बे सूरमा	.254
क्रुव नहेव वर्ष रेग्या	.257
र्वेद-५-सर-ळेंब-बुद-ढ़्या	262
श्चिमानी	268
দি.পপ্ত.মীনা.প্লন্মা	269
र्भुं 'दत्र-'नर्डे 'वनश	.275



क्रमात्व के मार्गावरक्ष

ব্স:শ্রুঁগ

ર્વે ૬ : ત્રું ૧ : ત્રેં ૧ : ત્રેં ૧ : ત્રું ૧ : ત્રુ र्श्वेर नवर नवे नग्ने अनवे है हैं हैं विगा हु नहें र्श्वेय ऍन्:म:बेग:धेर्ता अनगःनेर:र्नेन:श्रेवे:र्गेन:हीस:स्ट য়য়ৼৼৼৼয়ৢঀৼৼয়ৢঀ৾৻ঀৼৠৣ৾ৼয়য়৻য়য়ৼয়৻য়ৠড়৻ ब्रेन्यःन्राञ्चन्यःन्राञ्चेनाःह्रेत्यः इस्यायनः स्रोज्यसः नःनहें धिः धॅन्। नरः ब्रेंना ते नरः ब्रे नरा नः ने ना ने महिसादर्ने मसासदी:धुया:धुर:साम्यर:पानस्यायसा चुनःमःविनाःधेव। भ्रुरःनासरःग्रीःभ्रुनाः बदःभ्रेरः ५ रहेंसः निविःर्श्वेदःस्। नगरःसं। नयरःसं। धूरःस्। सेरःसं য়ঽয়৽<u>ঀ</u>ঢ়ৢ৾য়য়৽ড়ৢৼ৽ড়ৢৼ৽য়৽ৼয়৽য়ৢ৾৾ঽয়৽ড়৽ড়য়৽য় *त्यः वीं दः वीः क्रिंशः वाविः ख्रेशः वादिः वादेवाः*



ড়৾৾য়৽য়য়৽ৼয়৽য়ৢ৽য়৾ঀ৽য়য়য়৽য়য়ৣয়৽ঢ়ঢ়৽ড়য়৽য়৽ঀ৾য়৽য়৾৽ मा देवे स्ट्रेट कुषानवे नगवाद्य स्ट्रानहन सवे नाद्य व्यः ग्रुटः क्रेन्ट्र स्थ्रिंग बेरा न्र खे न्दर व न्व के के माबे : शॅ : शॅर : शर्कें द : द्यु : रे : पॅर : य श : बे न : य र : बु श : द्यु <u> ५२. ख्रेते के खें के अपिते कें ये अपित अधित अधित अ</u> य:५८। ने:देवा:५ग्रन:वेंश:ब्रेंब:य:अर्केंब:या ने:देवा: न्सर-रॉबरसे सर्वेदाया दे देवा खूट हिम कुरसर्केंदरया ने देवा से र से सामा सर्वे दाया वह साथे दा हे हवा की की देश्चानाद्याप्यायायी हुन। दूरा स्ट्रेटे विपयाना द्वा धेतःविरः। नःनतःग्रीःक्षेशःगविःतेःग्रियःनेतेःननगःर्येरः *ॻॗॖ*ॸॱय़ढ़॓ॱऄॱॾॣढ़॓ॱढ़ॻॗॖॸॱऻॺॳॴॴॸॱॵढ़ॱय़ॱॸ॓ढ़ढ़ॱ वशःगहवःयवियानाधेव। ने:वे:वेंन्:ग्रे:यग्रुम:हेशःन्मः सम्रुत्-पर-पञ्चेश-प-पः श्रेंग्शन्ति-श-८-एय्न-पते-र्ह्ने ज्ञानाव के नामा वाद्या

हे सःगधुरः इर।

ર્વેન્'શ્રેલે'વિદાવલે' છે. સુંલે ફ્રેન્'નુ ફે. ક્રુ. નાબુન કુન નો 'સે' र्बे त्री र्बे व व्याप्ति ने ने में दे में र नु यहे व किन नु ब्रेकामाङ्कायाधीदायम् पूर्वीकामानेकाङदार्धिम्। वाषामा ङ्मुनःपश्च कें पे हैं सक्षेत्र जुनःस्न हुः नश्चा वर्शे ह वस्रशः त्राप्य स्टिश्चः स्ट्रायेषा देवार्थः कुर्धः त्युर-ग्ध्र-इन्द्रिर-वह्रदाम् वग्न-विकानेकाग्र-देर वर्दर वरे खेना अर्थेन । डेश नाशुरश में र ने नाशुर *ૡૢૼ*ઌ੶ૡઽ૾ૺૠઌૺૡ૾ઌ૱૱૾ૣ૽ૼૡ૽ૺૠૢ૾ૺૺૺઽઌ૽૽ૺ૾૽૱ૢૻૢ૽૱ઌૢૡઽ૱ૢ૽૱ઌ૽૽ૺ रेर्सेशकेरेरानर्रा नर्सेर्त्वस्थायवेषान् रेग्स <u>क़ॣ</u>ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॣॖॖॖॖॖॖक़ॖॣॖॖॖॖॖॖॖॗॖॗॣॖॖॖॖॖॗॣॖॖॖॖॖॗॣॖॗज़ॣॶॗॣॗॗॣॖॗॗॣॖॗॣॗ



ग्री:प्रॅन्'स'म्बर्थस्रॅन: विश्वानुन:र्ने॥॥

र्देर-तु-द्रमदःद्रिया

र्चन् स्वासी मान्य से न्यायन मान्य से न्यायन स्वासी मान्य से न्यायन स्वासी मान्य से न्यायन स्वासी से न्यायन स्वासी से न्यायन स्वासी से न्यायन स्वासी से न्यायन से न्य

रे.र्वाशक्ष्याद्विर

८.क्ट.च्र्रीयशाम्ब्रम्भायक्ट्रीत्याच्यात्रीत्रम्भायमा मृत्यास्त्रप्रमृत्यात्राक्ट्रम्भायम् मृत्यास्त्रप्रमृत्यास्त्रम्भायम् मृत्यास्त्रप्रमृत्यास्त्रम् क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

<u> पड़िया ता हे या हे या हु या हु</u> नह्रुवःधेन:नुःदेन:न्वेनाःसर्वेनःकुःधेन:नःनेम। धनः श्वेदः हे विषा अर्कें दायाधीद द्वया वे जा हिपया अपन्तुद वें नर्भेर न सर्वें द्वा देवे नायस नायें द रे द्वास दें र्क्षे.चाहेशदी.चम्राचित्रहो चित्रक्ष्यासेसस्य निर्मः शेयशः क्रुन् नविदे न्यश्नि रात्रे रहते सेयशः स्रुन् ग्रीशः है श કે વાઉવા તુઃ કું કું કારા અર્જે કું વાળી કું વાળા કું વાળા કું વાળા કું વાળા કું કું વાળા કું કું વાળા કું કું <u> বল্লু দ্' ভূব' ন্ট্ৰ)' দেৰি ম' নিশ্ব ম' বাশ্ব ম' নী খুম' নী '</u> दरःदशाह्यंयाविस्रयाग्रीनस्रुनायासर्हेदायाद्या नराग्री ৡঀঌ৽য়৽ঀড়ৢঢ়৽য়৾৽ঀ৾ঌ৽ৼয়৽ৠ৽ঀৠৢয়৽য়৽ঢ়ৼ৽য়য়ঀঌ৽ यसंप्यत्यानमुन्यळेत्। सन्ते सुन्ति ग्रीमानेन वहेंत् मुै नश्चन मार्थें के त्रा भी वार्य मुका मुका मिर ऍर्-र्रे-र्हेना-नश्चन-मानाशुक्ष-द्रमा वसनामान्यकाप्यतः



कुरःहा

 क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

<u>૱</u>ૢૢ૽ૺૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽૽ૡ૽ૺ૾ૹ૽ૼ૾ૹૣ૽ૹ૽ૺૡૹઌ૽૽ૼ૱૽ૣ૽૱૱ઌ૽૽ૹ૽૽ઌ૽ૺ૱ ग्रमा स्वासेमहिमत्त्रुवाहासकेवान्मत्रक्रासे कुरःहदेःरे से संपदे र्या या रुषः ग्रुरः द्धयः स्यापाया र्भे अर्बेट र्वे अ क्षु अ क्षुत्र वित्र क्षुत्र है । देव वित्र क्षेत्र क्षुत्र क्षुत्र क्षुत्र क्षुत्र क्षुत्र <u> च</u>ुरःदेर:५र:पदे:दे:र्से:र्चन:सदे:ग्रूरःभेना:पेत्रा [मःचेयाःवीअःशेःमबेदेःमञ्जूषशःमर्गेदःदेशःअःदहेम्।अः मार्श्वे द्वयानमा कुषाना सर्केंद्रामा धेदा देव सर्वे नार्शेया व्यन्तित्र विद्यान्ति । विद्यन्ति । विद्यन व लेगायाहै। स्मावनायाळेलानु नावयायया वर्तुराया निरावी।विस्रयास्त्रसम्बद्धानिस्ययासर्वेदासन्दर्भासेरा गे.र्रर.योष्ट्रश्रास्त्रास्त्रपुरा *५६*। दत्रुवा क्रुः अर्ळे र जात्र अराध र र विश्व विश्व अर्ळे त या क्रुट ते गुत्र याष्ट्रिय समात्र समावे पिरासमा सर्हे त



मःमरुषः ग्रीषः प्रश्नुदः मः नृदः नृते ग्रीनः प्रशः ग्रीः सर्कें दः नृति न्ययानरान्यस्त्र ने सुरत्ये होतायमाने हेता सकेंगा मी'माञ्जम्भ'श्चार्मेद्र'स'देवर'हेश्य'स'द्रश्चायाश्चर नर्जें द्रा व्ह्रभारत्याय अभानग्रा भी भागरानर्जे द्राया र्शेग्रथा अर्कें वासे प्राप्त हो से अपने विष्ति हो से प्राप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स र्भूर-मःभेर-मलेद-ग्री-देर-सु-सेद-क्रेद-र्रा यह-मशः हःसर्केनाने[.]ध्यनःर्वेनःतुतेःकुनःध्वनःनुःदर्गेनःर्शेषःतुनः नःते क्रुरः हवे में दिंदा अरः द्वारा विवा अवस्थ्रम दुर्भः <u> ब्रेअःशुःद्वरःहःवेयःद्वरःयीःवर्वेदःयःक्षःत्वरेःयींर्देदःदरः</u> श्चिरःवयायद्वीः श्रॅवाचुरः वर्षाना वी ह्यूरः हानरा श्वरः रु नर्भे निर्देशकात्रामा विद्यानी होनायकाया महेन निर्देश यर:श्रॅद:वर्त्रे:श्रॅव:त्यूद:वर:श्रेसश्। ।।

कुन्। १ व के न्या १ व १ कि ।

श्र-सर्वेय-चित्राक्तिया

क्षे[.]सबुद्य-वाधुत्य-कुत्य-वेश-य-दे। न्वा-व-वेन-नु-वृत्य-यदे-र्श्चेनाःकनाशःरेनाशःनाहेशःरेःनात्तुनाशःपर्देशःसरःग्रुशः नास्री देवे सर्वें ने देव दे से समुद्रामा मामा उर् समुद्रा यर हो र हरा। यर द से समुद सदे हैं ग्राय यस हम तर.मिज.चत्रमा भ्रा.सरीय.चिला.जभायमासम्।मिज नवे दें त भेता देवे दे से से र ने दर मुहूर पर् अप षश्चातुरःवदेःवादशःग्रेःशेरःवो।ह्युदःवो।श्चर्वो।दरःवार्वेवा। म हिर.मे.बूर.थे.पचर.चम्यम्थिय.स.वर्षे की.मुच ठवःवय। कुःश्रेवःतुरःवःगवयःयदेःकुषःषःयःसह्याःसः म.स.दविषानमासहेमाम। ४,८८.म्रमादर्भामाममः শ্বমানাঝনদের মের্নী তর আবা শ্বানানার মামাই মানা नठरान्श्रमाद्री स्याद्यन के बिटा यायमादेवे र्हेना



ॱॾॖॺॱॸॎड़ॷॖॺॱढ़ॸॖॖॖॖॖॖॣॺॱॾॹॖॱॾॖॺऻॱॿॱक़ॕॱॺऻॾ॓ॺॱढ़ड़ ॸॱख़ॱढ़ॼॖॺऻॱॺॺॕऻॱॖॖॖढ़ॹॾॏॖॳॱॸॖ॓ॱॾॕॖॹॴॸढ़ॏॸॱख़ॺॕॸॱॾॕॖख़ॱ ऄऀॸॖॱय़ढ़ॸॱॾॗॸॱॸॕॱॗऻॗॗॗॗऻ

र्देर:मु:ळ:मनुद्रा

जुनापाव के नापाव १६० (५

त्रेश मिर्नेषाश्चरळेषाशः हुनः नदे सळे वर्ने वर्षः वर्श्वरः

वर्रेर-धेंब-इस-छ्।

वर्देन्-चवे-व्यंब-५व-व-व्यःक्षेत्र महमान्य-न्ना श्रा ही र्देत रेवा'तु'नठमार्थे। सर्केन्'धुय'म्बरमात्तुमातुर'सेसमः ग्रे-ब्रूट-वह्नद्रश्चर-ब्रे-ब्रेट-इटा वे-बटा वर्गः र्श्वेश स्थानर्वेश ५२.५७२.वडशः श्रेशः धेर् ५.५१६८ नवे अर्केन् इस नम्बर्भामाने सन्देश नम्बर्भाषीन् য়ৄয়৽য়ৢ৽ঽৼ৾৾ৢৼয়৾ঽ৽ড়৾য়ৢ৽ঢ়য়৽য়ৢৼ৻ৼঢ়ৢয়৽য়য়৾য়ৼয়য়৾ৼ৽য়ঢ়৽ <u> त्रे</u> :ब्रुगः ॲंट्र र स्वाया अर्कें के स्वाये के स्वाये स्वाये स्वाये स्वाये स्वाये स्वाये स्वाये स्वाये स्वाये यहेगा हेव श्री पर्दे दासवे स्पेव एव खारी सर्वे वारा सवर र्गेर्यस्ट्रिंद्र अस्त्र स्ट्रिय के से अर्कें वर्र्स्य दी से विंद्र में अपन्त त्र मार्च विंद्र में से दिन में अपने में प्रत्या



चि.यक्ष.अष्ट्र्य.सूरी ।। श्रृषाज्ञिषाड्री सं.यक्ष्य.ज्ञिषाड्री रेट.रे.येट.ज्ञेषाड्रयी.

कुषःश्चेरःश्चःनरुद्या

कुलाश्चेनाने कार्या के श्वामनुका दी। विषय के में के ५८। वेंर.स.रेव.सं.के। यहंब.सं.रेव.सं.के। क्वेंब.सं. देव में के। मुरामें देव में के। हा सर्के गादिव में के। *ਜ਼*ৢঀ৽য়ৢ৽য়ৢ৽য়ৢ৻ৢঀ৽য়ৢ৾য়৽ঀঢ়৾য়ৼ৽য়য়৽য়য়ৣয়৽য়৾৽ न्नानीयाश्चेन्र्यीपार्वे नश्चुरानदे सूनयायी मुन्सेन् न्वो सळ्त भेत पर नहें न ग्रे भेन सळें त ने त भर लियाविश्वश्चर्यर्थे स्वीत्री श्री पर्यूर्यं योषा ळॅमशर्सेयानायाङ्कासेनानमयानुःगुनामदेःश्लेर्वेन्सा मदेः धॅव : हवः धेवा

जुनागव केन गावितक (म

१ वर्षिर सें देव सें के दी

शुं तर्चे र वेर र वेर के जावन म्हार के प्राप्त के प्रा

१ वें र तु रेव रें के वे।

January Canign

३ । नडुंब सें मेव में के बी

मञ्जामान्यस्यात्रः विद्वत्र्यः मृत्यः मृत्य

<) र्ह्में वर्गि देव में के दी।</p>

याश्रम् म्योशान्तरभाने वाल्यान्य स्थान्य स्था

जुनागाव के नागा। वाद्या

हु नश्चुन तु अस्वैद निर्हेद सेंद के न नर्सेद त्रस्थ द्दर हैं स्नेत्र स्वरूप सेंद्र

५ मूर रें देव रें के दी

ब्रिट्मी सुंभ्र सुर्या। ब्रिट्मी सुंभ्र स्वर्या श्रुप्त स्वर्या सुंध्य स्वर्या स्वर्या स्वर्या सुंध्य सुंध्य स्वर्या सुंध्य सुंध्य

७ इ सर्केग देव में के दी

श्ची-त्यःक्षेत्रः व्याचित्रः स्वाचित्रः स्व



यो न्यमान्येवःसेवःसे छेवी

तस्त्रम् अभ्यः स्त्राची स्त्रम् स्त्राची स्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम् स्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्

श्चेन्द्र स्वे स्विन्द्र स्व

श्चेत्रप्रदेश्वित्राक्ष्यः विश्वास्य स्त्रीत्त्र स्वित्र स्वत्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित

क्रुन्तावन नेन्त्रा वाक्ष

न्दा नेवे कुन्दानडर्याम ब्रेन्सि से ब्रें से से ब्रें से *ৡ৾ঀ*৾য়য়৸য়ৼ৾য়ৣ৽য়৸ৼ৾য়ৣ৽য়ৢয়৽য়৾৻য়ৢয়ৼয়য়৽ शरशः मेशः भृषः मुतः सदेः नगदः नदित्। सुः र्से गः गे मुतः र्वे खु.र.ल.प्रमःश्चेश यदार् वेश यम वाग्या *२*ॱऄ॔ढ़ॆॱॸॖॖॺॱॶॱॻॖॱॺॗॣॺॱय़ॺऻॱॺऻॶय़ॱॻॖॆॱॺऻॖॿॖॺऻॺॱॸॾॢॺॱ बूट न दी वर्शे हुन वर्षिर नर वर्षिर हो न ही नहीं नहीं र्हेद[,]र्सेट्य:नुग्गम्बुस:सर्केद:पःधेद:हे। ५८:में। 5:दे: वर्देन्डम्यार्थे यर्केन्द्रिन्द्रा महिराम स्रुवादेवे ब्दःनी अर्कें त्रेत्। माशुक्षःम। चना मन्ते मित्रे सुना मी अर्क्केत्र^{न्}त्रेन् प्येत्रप्रान्दा नुःश्चर्याम्हेश्यस्याप्यदे।वात्रश्र র্ষ্টর'ঘান্ত্রম'ঘারী'দের্দি-'দেরী'দ্রম'দেরমান্তদ্ र्हेद[,]र्क्षेट्रय:पृत्राचार्युय:प्यय:पञ्जेट्र:केटः। क्रवाय:यूटः निवेशग्राम्यार्थन्यास्य क्षुमिर्देश्यान्य स्वाप्तर्म सर्क्षेत्रसाधेता जुन्दराङ्मुला समासामहरूगोः देखें ददे



वर्त्ते :क्ष्य :हर से वर्द :नवर :र्षे र स्नु । देवे :सनव :र वस <u> नगर तया पाहेश श्रेश साती वने पर्वे निराद्य पर्वे दे</u> *चर:श्चेन्'व्यः*न्वोःश्चेवाःवीःवयःन्यानःत्रवाःविहेयःशुःरेयः यर सर्कें द्या दे प्यर सेवा यदे हमा भ्रेद मी अन्दर सें र पु ब्रुटारेशनाबेगाधेवात्। नरारेंदेश्चेदानरासर्गेर्ने मुरा য়য়৽য়য়৽য়য়ৣয়৽য়য়৽ৼয়ৼ৽য়ৢৼ৽৻য়ৢয়ৼ৽ড়য়ৣ৾৽৻ঢ়ৢয়ৼ৽ *ৼ*ঀ৾৽ঀ৻৻৴ৠৼ৻ঀয়য়৽ঢ়ৢয়৽য়ৠৼ৻৸৻ৠ৽ৠৢয়৽৸৻ঀ৾ঀ धेवाव। सळवार्सेनाङ्गरेंद्राग्रेशाद्यनामयसाम्राह्मानेषा नवमा बद्गार वर्जे न सेन्स ही सूट न वळर न दूर অঝ'ঝদর্মর্থাঝ'শ্রী'৫ইবাঝ'য়ৄৼ'নী'য়ৄবা'নয়ৄঝ'ৼৼ' রুঅ'নর্ই[वर्षेत्रः विदेश्चित्रयः तत्र न्युन्तः सुः न्यः सी सुः सः सीतः क्रुन्तावन नेन्त्रा वाक्ष

वडशानदे वर्जे नश्चारादा | दश्चाराव | धीर्वाश | रूप दर्ते के त्र दर्ते वश्च वर्षा निष्य मही वर्ते न रेग्र नुग्री स्ग नस्य नस्त मारी षा अर्क्केन देन वे। सर ग्रुर पर्ने न गुन घर पास र्वेन नर-5. तर्जी न रेग्या दुग्र हे से से से सारी सारी सारी सारी <u> स्वा नस्य ग्रुट्य वेट श्र</u>ेंट न दे पेता वित्र सिदी अन्नव वित्र मुं इ से मान इ महि सिदी हेत दब्रेयाप्यतायवाप्यञ्जानेत्राश्चीयळेंत्रचेत्रने। त्रार्से न्सुअव्याद्मान्यम् क्रुवायायहेत्यान्यस्य स्वायाद्ये हेत् दर्जेषासर्हेदाबेदा गहेशासा इस्मित्र ग्रेशादर् होरा ग्री:हेदायबेयायळेंदा गशुयायाब्रेद्धितःहेरःहेदाया देशः इसम्वेशः ग्रेः हेदः यद्येषः सर्वेदा वितः यः ग्रुः महित्सः ग्रीअ सेट महिन्य अस्ति से मार्थ होता स्वर्धित है। मानम्बून्योभाक्षेयळेन्यी हेत्यव्येषायळें वा इया



दे 'ष्ठस्र सं उद्देश दे स्व ते स् स्ट 'क्षें के क्षें द्रस्य स्व दे प्रत्य ते स्व ते ज्ञानाव के नामा वाद्या

हे. श्रेन् प्विंस् प्वते स्वाया श्रम्याया ने श्रेन्तु। श्ले स व.तकुषु.र्रेच.चर्चत.र्जूचर.शूच्यावेटश.प्रे.शूट्र.क्य. यदर्भेर्नरम्गःहुःविर्मर्गःयळेंद्रा स्रवरद्याः वीसः द्वेदः पदेः वी: वः श्चदः यद्यः स्रयः यद्दः : नवि सः नग्रासास्य सः नर्डे सः नदे दस्य सिव नी नि त्यर अर्द्धेता दे ता अरश मुशानर्डे अ खूत प्रदेश में अ <u> स्वाप्तम्पर्याते प्रमुदायादी विष्तास्यरायर्यायरी स्</u>र तुःवेगासर्चेनाता वर्षेरानासूनानसूनानी कार्सेते য়ৢ৾৾*ॱ*য়ৄ৾ৼ৾৻ঀ৵৻ৼ৾৶৻৽৻ঢ়ৄ৾ৼ৻য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻ शेसशास्त्र गुराग्रीशादी नास्त्र प्रत्याग्री में प्रसर मेंना मदेः वनसः तः नर्हेन् केना केसः नम् वनसः ग्रीसः वर्देससः धरः सहदः धः सर्वेदः देशा

Januarianian

বশ্ৰপীৰ দ্বাৰ বস্তুন্

न्याक्ष्याम्यदे स्वाम्याः स्वाम्यः स्वाम्याः स्वाम्यः स्वामः स्वामः स्वाम्यः स्वामः स्वामः

१ न् न्न्या

ढ़क़ॕॖॱॸढ़॓ॱढ़ॖॕढ़ॱॹॕॸ॔ॺॱॸॖॖॻॱॻऻॷॺॱॻॖऀॱख़ॱॻऻॸॖॸॱऄख़ॱॸॸॱ ढ़क़ॕ॒ॱॸढ़ॱढ़ॕढ़

१ व्यास्त्र

३ रे युसाया

ऍत्राप्त्र पञ्चन भी भाषान वित्त इसान्यान पर्वे न वस्य

ज्ञान व के ना गाव तक (म

ग्री हेत ग्रेन मास्टिं

च्रे यह्या

श्चेत्रस्य मात्रस्य ग्राम् श्चेत्रस्य स्वास्य स्वसः हित्रः श्चीः द्वेत्रस्य स्वास्य स्वसः स्वसः हित्रः

५) रूटान्याराम्यस्य दिल्या

न्यायदे के या ग्री सु र्से वा यदे कर्यायदे वा शुरान्त्र स्थायदे । सकेंद्रा

७ । इसवानेद्वामात्

ऍव् ॸॖॺॱॿॺॺॱॿॸ॒ॱॸॻॱॸॖॱॾॕ॒ॻऻॺॱऄॸऻॱॵॱऄॺॱॿ॒ॱॵॱ ॸय़ख़ॱॸॸॱॿॖॺॱय़ॱॺऄॕॺऻ

ग्रे मुलासळंत्।

January 1

र्रेवर्ष्ट्रःख्री

यहूर्यः कुर्यः वाश्वरं चर्यः वेर्यः व्यक्ष्यः विष्यः विषयः विषय

নশ্ৰীশাহ্শান্ত্ৰুব্য

नग्रभ्वेशस्त्रः ह्रश्रः स्क्रॅग्नान्त्रुन्त्री वे व्याप्त्रेशस्त्रः ह्रश्रः स्वा द्वात्त्र्यः क्षित्रः त्यानः वरुश्यः वित्रः नग्रस्त्रा वी क्ष्यः । द्वाया वित्रा वित्रः वित्राचित्रः क्षा वित्रः नग्रिक्ष

 जुनागाव की नागावाद्धा

য়৾৾ঀ৴য়য়৽ঀ৾য়৾৽য়৾ঀ*৽ৼয়৽য়ৢ৽য়ৢড়৽য়য়ৼয়ৢঢ়*য়৽য়য়ৢঢ়য়৽ निरा ने पतिवर्त्या है अप्त बुद मी द्वर में वस ब्राह्म सके व याश्रुदावीयावी सदासुवावया हिंदार्से द्वान हुदे दूर न्दःस्वानस्यान्वासदेःश्चन्यर्केवाःकेशिक्षः रनः हुः हैन अयर दी वृज्ञी अय क्षत्र व विराय दे तुः वि वेग्रमञ्जूरायसर्दे सासुवानसर्तुराग्रुसक्ति होर भ्रेट⁻र्से _इस्र-ट्वाप्ये के स्रास्ट्रें वा सुर्हे न्यू स्राप्त हो है । नक्ष्मम्भ। षटःङ्गपर्केटःनग्रन्भेभःग्रेभःङ्गनुकःसुवानम। ફેંત-સેંદ્રના સું વિદે ક્કૃત કરાયદે દેં દ્રે એચ અપ્દ્રયદે છે. *ૹૢ૽*ૢૡૹ૾૽૽ૹ૽ૺૢૻૹ૽ૺ૽૽ૼ૱ઌ૱૽૽ૢૺ૱ૹ૽૾ૢ૾૱૱ૣૢ૽૱૱ૣ૽૽ઌ૾ૺઽ *वी*ॱॿॢॱख़ॕॳॱऄॄॸॱॸॕॖॺऻॱवेख़ॱॻॱख़ॖख़ॱॻॺॱढ़ॾॆॺऻॱॾॖ॓ढ़ॱख़ॺॱ वर्षायवे नुराकेत र्श्वेर्पये कु.मेन्त्रस्य परार्वायवे वर्षभार्येर भरभाक्षभाग्नी में विसर अरूप श्रीरेष 'गुब'दबुव'स'दे'द्दा ख़्दे'द्वद'र्से'चक्कु'व्वेब'क्वेश'र्दुद



त्वारावालकारहिकारुद्दास्याच्यान्यस्य विशासिक्षः स्वारावालकार्यः स्वारावालकारः स्वारावालकार्यः स्वारावालकार्यः स्वरावालकार्यः स्वरावालकारः स्वरावालकार्यः स्वरावालकारः स्वरावालकारः स्वरावालकार्यः स्वरावालकार्यः स्वरावालकार्यः स्वर

मुल-५२-वर्गेल-नन्।

युक्ष सुत्र सुत्र मुक्ष प्रमानमा केत्र सेंदे खुका की मिर्य से स्वा केत्र सेंदे खुका की मिर्य से स्वा केत्र सेंदे खुका की मिर्य से सेंद्र खुका की सेंद्र सेंद्र सेंद्र खुका की सेंद्र सेंद्र खुका की सेंद्र सेंद्र खुका की सेंद्र सेंद्र सेंद्र खुका की सेंद्र खुका की सेंद्र सेंद्र सेंद्र खुका की सेंद्र सेंद्र खुका की सेंद्र सेंद्र सेंद्र खुका की सेंद्र सेंद

जुनागवन्त्रीनागावाक्ष्र

মর্ক্টব্য

श्रुवःश्वादेः द्दं श्रुवः श्रुवः श्रुवः व्यवः विष्यः विषयः विष्यः विषय

सक्त्री प्रमा स्ट्रा क्षेत्र स्ट्रा क्र क्षेत्र स्ट्रा क्र क्र क्र क्षेत्र स्ट्रा क्र क्र क्र क्षेत्र स्ट्रा क्षेत्र स्ट्रा क्षेत्र स्ट्रा क्षेत्र स्ट्रा क्र क्र क्र क्र



য়ৢয়৽য়য়য়য়ৢ৾ঀৢ৽য়৾য়ৢয়৽য়য়৽য়ৢয়৽য়য়ৼয়য়য় য়ৢয়৽য়য়য়য়৾ঀৢ৽য়ৣ৽য়য়ৢয়৽য়য়৽য়য়ৼয়য়ৢয়৽

र्वेट.य.ब्रेंट.ये.च.ट्रेया.याश्चय.क्ष्य.व्रंट्र.य्यट.य.याहे.य. यथ। वेंद्रः शे:ऍदशः ग्रेथः ह्वाः तुः श्चनशः वादयः दर्गेदः <u>अर्ळेना देत दें के इस नाशुस्र नाईना तृ नगुर न सर्ळें ता</u> શ્રે ક્વે:વાફેશ છે. ત્યવા ફ ર્લે ૨ ક્વાડ વાદ વહેલા વર્કેવા महिराध्वरविषानवुरावर्षा धुःर्केशन्षोनावरुन्ता बे:र्केशःग्_रदःस्रान्युः दुग् श्वेदःसॅरः ग्रुरःसदेः खुग्रसः बुर-बुर-र्देर-कु:रर-विश्वशःग्रेश-शुर-त्रेन्-सःश्रित् सन्नदः भूवायः वितः देवाः सेनः स्थानम्बदः सम्या वासेनः स्थूनः *বর্ষ:*য়৽য়ৢ৽রৢঽ৾৽য়ৼয়৽য়ৣয়৽য়ৣ৽য়য়ৢৢৢৢৢৢয়ৼয়ৢৼয়৽য়ৣ৽য়য়ৢ৽ *बेद*ॱतुःदरःबेदःक्तुशःयःबर्ळेंद्रःयःचडशःश्रॅ। बेशःयः वदी रदा मृत्रामी अभागहत विशेष मात्र राय विशेषा ही। क्षर नर्गेर मर्दे।

ज्ञानाव के नामा वास्तान

र्नेन्'खुवःर्नेः श्रुन्।

*ૠઽ૽*ૠ૽૽ૡઌૢૡૠૼૼઽૡૣૻૼઽ૱૱ૢૺ૾ૹૄૢ૾૱ૡ**ૼ**૱ઌૢ૽ૡ૽ૺૹ૽ૢૺઽ *वी.ल*ट्ह्र्य ।लटःश्चॅशःम्रःबट्टाययःलेखःम्रेःघटः। ष्पराञ्चराग्नी:पदा स्वेट:उट:दट:क्रेंट:श्रॅग:वी:क्र्री मी:वया: वी'तुन'र्सुवाय'शु'र्षेद्। समद'र्भूर'र्'वारय'र्रे'शे'र्'। निरमारी हिं से सिराया। हिंदान इंतामान दिना राही। नार्यार्यात्रास्य वाष्ट्राच्यात्रास्य वाष्ट्रास्त्रीत्रा য়ৢঀ৸৽ঽ৻য়৽ড়৾৽ড়ৄ৾ৼ৽য়ঀ৽য়ৼ৽ড়৾ৼ৽য়৻ঀৢ৽য়৽য়ৣৼ৽য়৾৾ঀ৽ ग्राम्याने पुरायो अर्केन हेत्र मञ्जीयाया स्थानुदे न्तुया श्री श्रातासिवीयासितः स्वारी सहस्यतिराधीनः र्तिर *વવુઃશુઃ*ફૂચા.ૹ૿ૼૣૹૣ૱ૹૢ૱.ઌૢ૱૱ૡૢ૱ૢૼૼ૱૿૽ૡ૽૽ૼ૱૱૱૱૱ <u> ५८। वालदः दे। दवारा देशेवारा सर्वे त्या वाद्या की वा</u> नःष्ट्रःतुःनग्रद्याःग्रीयःसेःयदयःमःर्पेत्। য়ౙ৾৽ৼ৾৾৽য়ড়৾ৼ৽ৠৢ৾৾ঀ৽য়ৢঀ৸৽ঽ৾৾৾ঀ৽৸ৼ৽য়ৼ৽য়৾৽ৠ৾৾ঀ৽য়৽য়৽



बद् यादमाने मेदी हे त्यायायायायायायाया सक्ती <u>र्केट.कि.बट.लट.ब्रुबिश.टटा</u> श.वे.वि.उचच.श्रै.ड्रेट. वश्रामु ग्रामः पुरसे देश्या राष्ट्रा सार स्टेर । सार स्टेर । सार स्टेर । सार स्टेर । विटाक्कुन्यवाह्वान्दान्देवायाच्यार्धेवायान्दा। येद्ग्रीवा বনন অ ব্ৰাশ ক্ৰুব্ না দী ঠা ছব স্ত্ৰী বাঝ নতম শ্ৰ, ক্ৰু बेटा। *ट.रेट.ट्रेश.*श्र.क्ट.र्सूट.र्सू.चे.याथ.यथ.^{क्}र.सू.र. यान्दा कवायद्विः क्रुन्ह् कुन्दः देवाकुः वर्देवाक्षे गौ सि ते.ल.रेटा उड़े.के.अर्ट्.क्रॅ्रेटिकेटे.के.येच.रेटा श.के.ल. बर्देदेः श्रुवित्रात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्रात्र्वात्र्वात्र्वात्रे न्नाम्बस्याउन् ग्रीप्यवृत्तातृत्यार्येन् स्थ्याधेम् सर्नेन दारी सर्वे तार वा विष्टा विष्ट म कुःवियायात्रयाशीःर्रे नड्रम्के न रुगासूर मर्मा ञ्चूत्र। नाउत्रनावत् सँनाशः ग्रीः नार्ते ५ ५ ५ ५ ५ । ५ ६ सः क्रुन्याव केन्या। वाद्धा

ब्चेट वी खुर्य नाव्र यस हिट्ट दुः तस्मास सः स्ट्रिट् *खुवाची:रराचुराईवाक्षेत्रावाकेरा ५५वा बर*मा वियाया व है। हैं स्वा हैं हिं। है साम है। केया है। या है। यक्ट्रह्मी हिनाना ह्रियायहिया ह्यान्डेयार्थ्यनयानेत *ষ*<ॱळे*ढ़`ऄ॔ढ़ॆ*ॱॸॣॕॕॕॕ॔॔॔ॸ॓ॱॸॣऀॻऻॴड़ॹॱॼऻ॔ॴड़ॿ॔ऒ ন'দ্দা র্ক্র'শ্রব্যবাধ্যম'দ্দা র্ক্র'না র্ক্র'ন'র্ক্রবাধা <u>त्रजु:रेगाश्रःश्वर्रेगाशःळवारेगाश्वः</u>स्यासरः। से:र्हेगाःश्वः क्षेयामा हर्भिमा पत्रमातु उदानमाय्यमातु उदास धोत्र-पदिन्वीदः देवाशः श्रू-अदः। चन्वाः कुः चत्रु-द्वदः रेत्रेः क्र्युः द्युनाय दर्जे नायन यह से से से इ. हेया र खन्य र से नाय न। त्युःनःश्रेनाश्रःने:नुनाश्रःन्म। नाठवःनाववःश्रःळेनाश्रा <u>देप्ष्रस्यह्याञ्चेरावराञ्चेदार्वेयाद्दा स्टानवेदार्वेद</u>



न्त्रे त्र न्त्रभाग्रहरान्यायार्क्षभाग्रे कियामा सर्दे हेन बेशवरामश्रेशस्रस्य इत्। हर्षा मार्डे के नदे क्षे वर्ष दे·पाशुअःऍद्। क्रॅब्यावःदे·पाशुअःबःपादशःविदःक्तुःवदेः র্নি-ইনাঝ-র্ঝঝ-র-বেনাঝ-ন-গ্রুর-মঝ-নারিনাঝ-গ্রী-यरिताची अधियायाङ्गासदाःश्चरः श्ची त्र्राक्तिताययः ही ळनःवनदशःधुवःश्चैःनद्गाःसिंदिःसःदेःधेद्याः देनःनहेदः શ્चે.સં.રે.રનાનો.શું.રાહ્યાની શ્વે.ભ્રાંત્સાવસાનનરાની क्रूश.ल.रचाय:बुर:क्रुंचा:ल.यह्रेश्रशःस्। क्रीशःक्रुंर:इर: यान्वेशमानहत्रा सार्वशः र्ह्या देताया नर्हें तथा श्वेरहे ते न समान हर में साम हो न नर्हें तः विरागरा भरावें त्रापा क्ष्मिश केत् ग्री के रेग्र धेवा

ज्ञानाव के नामा वाद्या

प्रवासित कें निर्मा निर्माण निर्मा में निर्मा कें निर्म कें निर्मा कें निर्म कें निर्मा कें निर्म कें

नडंब-में देश-बुँब-बु-अळंब-बुट-।

শ্বম:গ্রী:গ্রি:ন5্রা

- গ শন্তব:শ্লি'নতব:শ্লি
- १ शुः विः नडवः र्ये।
- द दैराबि नडंदार्शे
- < र्शे बि नड्द में
- ५ बेर-ब्रि-वडंद-चें।
- ৫ বাদ্বাশান্ত্র নত্তর শ্রি
- এ শ্রীন'শ্রি'নর্জ্ব'র্ম্য

January 1

```
र्बेट्रा शेट्र पहिशा
```

র গ্রী'ন্যুম'নর্ডর'র্ম্য

६ राष्ट्रे गुरक्ता (ज्ञाह्मे नर्द्द र्से दरा)

নম্নী:শ্রনাশ:বুনা

१० छो:वें येग्रा

११ देखें लेग्या

११ वे:विं येग्रा

१३ गुर-रु:लेग्रा

१८ वर्जेट्स होरायाया

१५ क्षे:वें चेन्य

श्राणी खे.च मिरी

१६ ज्ञानसाचिताचे।

१० हे त्युषात्रमानुदानर्त्रा

१८ शे.श्रूचायुराये।

प्रमागवनी मार्गावाक (म

१६ शे.श्रूवार्सिः हो।

१० हे र्डेस स्था

२१ हे र्डूबर्स

११ हे.क्युय:र्स्

१३ हे ह्वेत नर्द्रा

বর্থ,র

१८ मुलाधे मे सुरामह्य

१५ वि'नर्ज् न्या

१८ ব্রি:শ্রু:শ্রুদমানর্বা

१२ वि:र्षेषाः हे:र्षेषाः नर्द्रा

११ अंबेंर्बेर्ने रेगाइन नर्दना

१८ वि:गहन्मनुम्मन्

३० दर्जे सःस्नुतः हेतुः दहे।

३१ क्ष्माः रे माइदः महिम्बा

January 1

ग्रवसः रे श्रॅटः नड्हा 33 र्श्वेट नड्न श्रुयारी 33 न्द्रिंद्र न्द्र न्द्र 30 য়ৼ৾য়ৢ৾ৼয়ৼয়৾৾য় 34 वर्षार्श्वरायरारीहै। 36 बि:ब्रे:मार्डमा:नह्रमा (सेर्य:अमा:क्रेंस:अम्।) 32 ब्रि:श्रॅंट:ब्रे:नड्रा 31 सु'वे'नडंब'र्ये। 30 श्रद्दायेग्रश्यद्दिदः ध्रित् ~0 ब्रि'र्य'य'रुद्या ~1

न्नर-५२-स। (दु:५्स-नडंद-दें-धरः।

e3

ज्ञानाव के नामा वाक्षा

न्ययः दूरवे हूदे यह ज्ञुन न हुर न नुद्रा

सर्ळेंब्रा English Name

끥'취기 Nagarjuna

दसम्भःपःसू। Aryadeva

মন্মানুমানসুন্মা Buddhapalita

बेग्रास्त्र प्रति Bhavaviveka

ক্ল'ব'শ্ৰ্বাশ্ব্ৰ' Candrakirti

र्वेग्रास्थित्। Asanga

र्रज्ञेग'गहेन्। Vasubhandu

র্ট্রন্ম-শ্রুদ্র্য Dignaga

र्षेत्र 'हत्र र्देन्। Gunaprabha

পুশুর্নিব্য Sakyaprabha

ৰ্ক্তিশ'নুস্থা Dharmakirti

बि'न'पर्कें। Santaraksita



श्रेर:मो'नबर:र्से। Simhabhadra or

Haribhadra

बे'न'ब्रा Santideva

ह्रसःर्शेषः भू। Vimuktisena

मङ्गदेः दरः दुवा Kamalashila

ष्पर्नेभ्9 Atisha

Dipamkarasrijnana

नर्डे ख़ु सर्हे द म

र्वे न् त्वा १ क्रें क्षा १५ हे दान हैं व्या स्वाधित है न स्वे क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षेत्र

क्रुन्तावन नेन्त्रा वाक्ष

ग्रेश। सर.क्रेंत् ग्रें सर्केंद्र सर्दे सक्दर उत्रेंचा पहेनाशः नाशुक्र खूना सें तरम श्रेना नार्ने करना कुर लु नी सें र केरा સરઃર્સ્ટિં_વ:ग्रे:સર્કેન્:મલે:ર્દેશ:શુ:શુવ:ન્વન:વૉર્કે:વૉર્વેર: र्रा क्वि:र्वासकेवा:पहिशा द्रि:क्वि:क्वि:र्वे बेद'ग्रे:ब्रॅब्यमहिंद्र'य'र्ये। देवाश्वामशुब्रासमेंद्रासे। बेश्वा *ॸ्*ऄ॔ढ़ॱढ़ॺॱॻऻॶॺॱऄ॔ॻऻॺॱॻॖॆॱॼॣॸॱॸढ़ढ़ज़ऒॕढ़ॱढ़ॺॺॱ ॱ<u>ध्</u>रतः वः क्रेंतः अन्दर्भः नगः नगः निष्यः विदर्भः विदर्भः विदर्भः विदर्भः विदर्भः विदर्भः विदर्भः विदर्भः विदर्भ नक्रुवादे दिया यी सम्बद्ध न स्तु हो व दिया है हो व हिंदा निरा ग्रामुखा दे र पुनामा यन वास्ता सर्के र पर र में र प्राम् <u> अ</u>ॱळॅग्रअ:र्येग्रथ:प्रवेटश:र्येन्:प्रथ:पीन्:न्वट:सेन्:नु: दर्भेगामी भेना नर्डे ख़ासर्हेन मार्ने मिर्ड में सर्हेन मुःसर्केन्पाधितःस्रमस्। र्वेन्धितःम्मृत्रःनुःसर्वेःसः अर्क्केन्'यार्क्केट्राये'ॲन्'त्रा हे'र्येवे'न्गुर'वार्नेव'र्वेवा'र्डेश' डेर-ब्रॅब-लॅर्न रर्ने नर्नेर-हें-अ-ब्रेन-ग्री-अळ्यस



हेश व्याद्यासके वाद्या नगर हें दर्शे वार्य होश अर्केट्रन्मवेग्रयात्रदःगेः थेंट्र्यः दा देः <u>ह</u>ेशः व्याक्तः र्क्षेन्यान्दर्यदः स्वित्रयान्यस्य स्वात्यान्दरः श्चीया सुर्यान्दरः वळंटामिनेमिनेमार्टा दशासळेंद्रायास्यानु वर्ते थी। ઌ૾ૼૢૣૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૹૢ૽૱ઌ૱૽૽ૢ૽ૺ૾ૢ૱ૡૢ૱૽૽૱ૣૺઌ૽ૣ૱ भूर-वर-अर-ग्वश-वनश-व्र-प्रवन-भ्रे-क्रेग्-व्यर-। न्भेग्रथान्यवाद्वेतावन्याः अविष्ठे विन्याः নৰের্অ:ক্র্রি:ঐব্য

শ্বান্ত্রানা

र्न् न्यून्याक्तानी र्क्रूब्ना न्यून्यास्त्र विद्या स्वाप्त स्

ज्ञानाव के नामा वाद्या

য়ৼ৻৸৻ৼৼ৻য়য়৸৻ঽৼ৻য়ঢ়ৢ৾য়৻৸৾য়৻য়ৗয়৸৻য়ৢ৻৸ঀৗ৾ৼ৾৻৾ড়৾ৼ *बह्*र-य-वर्हेर-यशन्दर्य-च-विश्व-पिर्-चित्र-दश्य भ्भु'नक्ष्रेयश्वपदे यहंदासद्दा रवातुः वृहानदे यहंदा य। यर्न्,यहुवायदे सह्दाय। सरस क्रुसायदे सह्न मा शुःस्व त्यसायन्यायवे सहन्यानक्यानुसाळेवा थः *व्हॅस*राग्री:ह्व:च:बेग:धेद:बा न्धेग्रशनशब:ळेंश: १५ हेद:भु:नष्ट्रययःचदे:यहंद:य:ददः। यदयःक्रुयः *ম*রি:মর্ল্ব:ম| ম্রু:মর-অম:এন্ম:মরি:মর্ল্ব:মরকম: য়ৢ৾৾ॱॸৢয়ॱळेतॱঀৠয়৽ঀৼয়য়৽য়ৣ৾৽ঢ়ৢঢ়৽ঀয়ঀয়৽ঽয়৾ঀৣ৽ *ৡ৾৾*ঀॱয়ॅॱ৾ঀ৾৾ঀঢ়৺৸৾ঀৼয়ৼয়ৼঢ়৸ৼৼঢ়৾ঀৼয়ৼয়ৼয় <u> च</u>्चेत्र:क्रूनश:८८:सद:र्थेत्र:भेत्रतु:क्रे:नदे:तुःशः श्रृंत:वेग: धेता दे·श॒र्वेदःस्टःचर्ड्दःधेदःभूनशःळेशःचर्रेःख़॒देः *ऀ*३ेद:देर:वेंद्:पाबुद:वी:वगद:र्ह्नेद:इस:सस:पार्डेस:वेंद् भूँ र :ऍटश ह्रेन्य शब्ध : श्रदे : नाइना : यना । वट : दट : र : सें : के।



ति<u>'मिं'भू'परा र्</u>वेराग्नेरानभूत्यान वरायें ज्ञरा हे यें ज्ञरा য়৾ঀৢয়৽য়ৢ৽য়ড়ৄ৾ঀ৾৽য়ৼ৾য়৽ঽৼৠৢ৾ৼ৽য়৽ঀৢয়য়৽ঢ়ৣ৽ঢ়ৄ৻ঀ *ঀৢঽ*৽ৢ৾৴৽ড়ৢ৽৵৻৽য়ৣ৾ৼ৽য়৽য়৵৽য়ৢ৵৽৻য়ৄ৾য়৽ य.र्टर.श्रेयोश्र.ह.कर.खेश.चश्र.छिर.धे.हूर.भीय.प्री.विर. र्'र्गे' गुर-ल्ग्राय द्यायळें भूर-र्टा शुम्वियाह्य वरःश्रेवाशः क्षरशः हे श्रेष्ट्रीतः वाहेदः श्रेषः व्याद्या निहेशन्ता निहर्भाषनानिहें सुर रेंत् से प्रिति हो विया ये हेत यहिं धें रक्ष ह्या का खारा ह्वे दे अर्के न श्वेत बेशाबयाम्बराश्चरायत्ते नात्रा अर्केनायत्यासूत ५२.श्रॅग्रथाक्याचाराक्षेयाद्यरायसार्थेरार्वेग ।५गो.५५व. **ॻॖऀॱ**ढ़ॸॖॺॱळॅ॔ॺऻॺॱख़ॱॸॿॢ॓ढ़ॱॸग़ॖॗॸॱख़ॸॱॺऻॿॸॱक़ॗॺॱढ़ॖॱ धैःधॅन्:सःसःबन्। स्टम्ब्न्:द्रशःन्अःधुदःनेदेःसेनः क्रुक्तात्व क्रीक्तारावाद्धात

र्श्वेनान्त्रें नःश्वेनः नृत्ते अः मदेश्वः विषयः मध्ययः ग्रीः व्येनः स्वर्याक्षियाम्बुरावमायान्यनिक्षयान्द्रवास्वराष्ट्रीरावः बेन्सक्षुतुः धेवा ने प्यतः केशः १५ हेव पने र ग्विन क्षेरःगहेशक्रा दवःक्षेरःवःक्षेत्रगहेरःदरा दगेः व्ह्रवायाच्य्रेवाचगुर्मा राखनाहरान्यायन । क्षाहराज्ञः <u> चुेद्धःयः श्रेन्यस्य क्षेत्रस्य मृहेन्यम्य</u> यस्। बुद्रस्य स्तुत्वन् वन् ची नर्डेत् मानि क्रिं न् नर्जेयः महिंदा शेस्रशास्त्र वायते वासी विदान वित्र के दान <u> ३४% द्व</u>ित्ता अक्षेत्रस्य स्टब्स्य विश्वास नगदर्वयुर्नानभूतर्वयुर्नार्मेग्नासः स्वाग्नारम् स न्नोः सूनायाय तुर्या गुः स्ना नेरा सूनया नहता हुँ या र्नेन्'नाबुर'द्रश्राग्रर'श्रृंश्चेत्य'नबर'र्ने'अहुन'र्स्नेन्। ૹ૽૾ૢ૾૱૽૽ૢ૽૱૱૽૽૱ૡ૱૽૽ૢ૽૱<u>૽</u>



न्तः श्रे स्वर्धः व्यक्तं स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्व

विद्याः भूरः नुषः केत्।

स्वानुद्रान्तवुः नुनामित्रः भीत्रः में स्विः क्षेत्रः भी क्षेत्रः भीत्रः भीत्र

क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

য়ेते.क्रॅंश-য়ेन्-पाहेश-ग्री-न्तु-पाहेन्। ४भ्रुनश-सर्ग्न १ क्रेन्-पाने-पाने-भ्रुते-पह्यन्य-भ्रून-नुश-क्रेश-हिन्-प्रमुख-प्रकेत्-पाने-भ्रुते-पह्यन्य-भ्रून-नुश-क्रेश-हिन्-प्रमुख-प्रकेत-विवाधित्।

हेशासु पर्वे शाद्यारा सारा दें विषा त्या या विषय है। ही हु न सद.क्र्म. ९ हेब.ज.वहिरम.भूर.र्भ.क्रुब.चान्व. वनेनमामह्माभीता हेनानेमा हे में ज्ञानामा केंग ૹ૽ૢ૽ૺઽ[ૢ]ૹૻૻઽૹૼૻૹૣૼ૱ૹ<u>ૢૻ</u>ૢૢૢૢૢઌ૽૱ૹ૽ૢ૽૱ૡ૿૽૽૽૾૱૱ૠ૾ૢૺ૱ र्भाक्रेत्रा के मार्थियाक कर्रा विश्व मार्थिय मार्थिय मार्थिय कर् कं. यशर. रेटा विधिरमा केंद्रा योजू वा मकूरी भेंद्रा विभग्न नी'र्धेन्। धन'नविशःश्लु'दर्विर'_{है}सश्यदशःश्चर्दे'नविश *ॡ*८.२.४८.४५.५४.५४.७.७.४६७.८४.४७। ३८. বৰ্ষ স্ক্ৰামা বাৰ্ষ্ত হেবৰ্ষ হেব্ৰ মাই বমা বসাহ



नियान्ता हे अर्जून प्यत्तिमा कुन क्रिया कर्णाय प्रमासी हेॱभॅॱइरागीॱग्वेबाकुराद्यायःध्वापराहेग्दरा। र्वेस ૹ૾ૄ૽ઽ૽ઽૢ૽૾૱ૡૢઌૻૹૻૹૣ૽૱ૹૹ૽ૼૼ૾૱૽ૢ૽ૡ૽ૡૢ૱૽૽ૢ૽ૢ૱૱ઌૡ ळ्यानु नने सूर्व र्चेन व्योदाया असुन्य सर्वेद छेर रें। नवुग्रभःदर्विद्रःग्रीःभ्रुदैःर्धेरसम्बद्धेत् इसमाहेशःदसः भुदे कें ह्रा दर्व या नदर या न्द्रा निवास ह्या । श्रुटःग्रवटः। अर्हेट् कुटः वशार्थेटशः दहेव द्वारागितेशः त्यासनुतान्तरा हे समाद्यादया हुः शुः सुनानक्या दनुषःग्वरः अह्र-ने न्वतुग्रभःगन्दरः यः दर्विन्। चगादः র্ক্লীর'ক্কম'নম'মর্ক্টির'বৃদ'ম'অর'শ্রী'ग[বৃদ'বিনম'ক্কমম' র্মাক্রুর ক্রমান লামন ইলার্মার্লি নর্মান্তী মহ্না सर्क्रेन्।व्यायहवानवरानासेरास्यानम्स्यसावासुन्। श्रीर.र्वत्रर.सू.र्टर.श्रु.सू.स्थयायास्याश्रुर.र्सूत्रस्य. क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

हे अर्ळे न्ये व से ज्ञराया विषया न क्री र न्र व हो व हे के न <u> বু:বিনমা নার্মিন:হ'নাইম:বেনমার বি, বুহ'নার্বমার্মিনা</u> . जन्मानेशः भ्रुप्तिमः इससात्राहिमः क्षेत्रः स् षिर-र्-पात्रयायोज्ञेग्याय-र-पञ्चर-पार्ये प्रस्य अदे प्रस्तेत् *ঽ*৾ৼয়৾৻৻ড়য়৻ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়৸৻ঢ়য়ড়য়৸ড়ৢঢ়৸ <u>ঝ'য়ৢ'য়৾৾৾য়ঀৼ'য়ৢ৾ঢ়ৼয়য়ৢ৸য়য়'য়৾৽য়৾ৡয়'ৼয়৻</u>ৢৢ न्यार्थात्रास्त्रम् त्वाच्या क्रिया स्थाप्त्र स्थाप्त्र स्थाप्त्र स्थाप्त्र स्थाप्त्र स्थाप्त्र स्थाप्त्र स्थाप्त র্ষ্ট্রবাদের বিষয়ে ক্রিবাক্সমমান্ত্র প্রতিষ্ঠা ক্রিবাদী মা व्यायाञ्चित्रस्रुत्। र्मा यक्तायात्रीयास्त्रास्त्र विवर-नदः वड्यान्याः श्रुव-न्दः वज्ञवान्वदः सह्नः ने <u> ने प्रविः क्रे</u>चेन क्षान् हे स्थ्या स्था सिर्यान्य स्था **यन ग्रिम भू प्रिम् स्यम या में न ग्रिम ग्रिम ग्रिम** ঈ্রমান্সনামীশ:ধূর্মাধূর্মারীনারীমার্



ग्रदःचगदःभवाःवीयःद्वुयःघदेःवाबुदःब्वययःयेदः য়ৣ[৽]৻য়য়৽৻ড়৾৾য়৽য়য়ৼ৽য়য়৽য়য়৾য়৽ঢ়য়৽৸ঢ়৾য়৽ नवरनी भेर्नियानविदासु सर्वेदा इससानि स्थान सर्वेद वादर्वेरादद्ववाण्यकुवानदेखनाखुद्यावानग्राक्षेत्रानने वेग्राची सळ्सरायदी (बु नाद्राक्रन्या हेग् सह्या *नेर-नगर-गर्दारे-न्र-पहिर्य-*धृते-धूर-नहृत-इस्थः यास्त्रवादमायद्वीवान्वर्षेयात्वार्ध्वयार्धित्। देशसङ्ग्र *৽*ঽ৾৽য়৽য়ড়য়য়ৣ৾৽য়য়ৼ৽ঢ়ৢ৽ৼ৽ঢ়ৢয়৽ঢ়ৢ৾ৼৼৠৢ৾য়ৢয়৽য়ৼ৽য়ৼ৽ नव्यायदे स्टारेन्य महस्य स्वयादि स्य सेटार्ट्य ळेदानावनः क्रुशः निर्देदः सुश्राधेदायः सः वद्। क्रुः दनाः नीः नडंदार्देना नाद्यान्यदे नाद्येया सुर्याद्या स्वरं ग्रदःकुःम्बुदःमेशःनम्माकुः होद्रः सेदःसःसः हेर्यःसरः *वेद*-देर-नगर-मर्शेष-५८-दे-भर्मेर-५२-नडुनाग-४-र्शेनामा व्योदसासकेनानी सुदे पिह्नदस सूर रुग केत क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

.व.र्बट.कु.चाचन.क्त्रिम.खे.श्रुभ.तुच.व.टश्चचम.चमव. ·ॿॖॱॺॱक़ॕ॒ॸॱहॖॏॸॱॸॖॱॻऻढ़ॺॱॸढ़॓ॱॸॸॱॸ॓ॻऻॺॱढ़ॺॺॱढ़ॺॱ मूर्यायाता केर वायर शिया ग्री केर सेंद्र विदया सर श्रुर:हे:म्बन:कुरा:श्रुर:ह्याय:मर्जि:रेश:५:उर:कु:केत र्से मात्रदः मी प्लेंद्र स्यादे 'द्या प्याक्कु मालुदः त्रश्रार्दे 'द्रश्रा नगमायमें मात्रवार्ये गुरु दिस्ते हैं दिस्ते विद्रार्थे दिस्त नविग्रमः स्रम् स्रास्यायाम् यनामवित्रः स्राप्तिमः विश्वरमा भूर हेव विशेषा श्री सहर निरुप्त मान्दर भी ऍ५'य। गृबुदाब्नसायसान्चेर्मससार्दरामुळेदेसी यरः इसरा खूदा वहें सरा ग्रीश हेदा देवे विवास पर सू क्वाभित्रम्पत्रुः व्रिवागवास्य ५५ ह्यू वर्षान्य ५५ । व्यावस्य ५५ ५ . वं. पोर्जुल. पोचन. भैं अर्थिश. ई.अ. पोर्ड्या. लगी. पट. यी. बट. ळे*द*ॱझेट:वह्नुट्य:भूर:तुय:ळेद:ग्री:यहंट्:र्सेर:चगव:



<u>भू ननयः नुयः केत्।</u>

क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

<u> दे.लट.क्रूॅब.स.सटस.क्र</u>ीस.स्वृज्ञ.ब्रुच.स.सक्रॅबा.दर्गुट. म्राम्यः ८१ यायेनयामासुग्रयायार्चे मुःनदेः स्मा महाहेनः ઌ૽ૢ૿੶ૡૢ૱_{ૹૢૄૢ૿ૺ}૱ૡૢૻ૽૱૽ૣૺ૱ૹ૽૽ઌ૱ઌ૾ૼઌૡ૽ૼ૱ઌ૽ૺૡૼૺૼૼૼૼૼૼૼૼૼ૽ <u>ॱॿॣॸॱऄॗॖॖॖॖॖॖॺॱय़ॱॸॆ॒ॱढ़ॖॆॸॱॻऻॗॖॕॕॱॸॸॱॹॗॗॸॱॸढ़ॆॱॿॣॱॹ॒ॸॺॱॺॺॱ</u> वर्षायावीयाची क्रुराया इसार्गरा घराया का समुत् <u>ॼॖ</u>ऀॱॸ्व॓ॱॸढ़ॱॹॱज़॔ॸ॔ॱय़ॱक़ॺॴऄॗढ़ॱक़ॕ॒॔ॺॱॼॖऀॱॺऻढ़ॺॱ शुःदर्गेन् पदे नुषाया नन्या ना सहित न्या सर्या क्रिअप्टोर्वर-१८-वडअप्याध्यान्त्रम् सुरु सुरु स्वार्थसः नु वेनमःद्रमा युःनःनग्नरमें सूःतुते हें खेन ग्रे सूरःतु *भः*रेते तुः दर दें द्रश्रुदशः श्रेषशः न्जा वर्डे अः यः वज्जुदः ৡ৾ৼ৽ঀ৾৽৻ঀ৾৾য়ৼঀৣ৽ৼৢঀৢ৵৽য়ৢ৽ৼৢয়ৼ৽য়ৼ৻য়ৼ <u>૱</u>ઽઌૢ૱ૹૄૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૱ૡૻૣ૱૽૽૾ૢૺૹૢૢૺૹૢૢ૽ૺ૾ૹ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૹ૱ૡ૽ૺ૾૽ઽ૾ૺ૱૽૽૾ૢૺ૾ ग्रियान् । इस्रमाया के मार्स् दानिदानित्रामा देवे:तृशःशुःकुःग्वरःग्रेःखुवःसद्वरःथेंद्रःहेशःधर्। हुः



ૡૹૢૡ੶૱ૢૢૢૢૢઌૹ૽૽ૢૼૼૼૹ૽૽ૢ૱ૡૹૹ૾ઌ૱ૹ૽ૼૡૹૡ૽૽૽ૢૺ तुःषःश्रॅ*ष्*रभःसदेःळदशःसरःश्क्रॅिंदःसदेःद्वोःश्कॅ्रिंदःतुःसः वन्यान्त्रेनाः हुः द्वरः मह्यास्यः सहंदः नहीतः नहीत्रायः स व। मु:गर-(ध्वः न्तुकः ग्री-मुवः र्वे ग्वाव्यकः ठवः श्वेदः र्वेकः *चार्ड्सः क्वियः दें* न्यायाः क्वियायः स्वित्राचित्रः स्वित्रा ग्रैअः नर्डे अः धृदः यद्यः ग्रादः दुः नतु ग्रयः यः यो अः मभा वसम्भासः सेंदुः वम्या ग्रीः तुतेः तुरः तुः सेंदः तुभः व्दर्भाष्ट्राधी महस्रास्तु मत्वामार्धे दारे सामास्त्रास्त्रा दे दश्यावनान्ना नड्ड यन्श्रासदे नुश्राशुर्मे रान्यशास्त्रयः ર્દેશ-ઽતુશ-દાવે:શ્રેઃફ્રુશ્ચરા:ગ્રુશ-પ્રાથ્કુર-ર્શેલુ:વળવા: <u> चुैःतुःव। देःठनाःनीशःङ्गॅ्रदाराः बुनाशः हेःठदःचुैःश्ल</u>ासः अर्हेर:ब्रेरः। गुरुर:षर:सःर्हेश:यर:धुत्र:रेर:सॅर:यश्रा वसम्बार्यासः हुन्दसुव्यः उत्राह्येदः ग्रीकानर्देवः व्यद्वायद्वा ज्ञानाव के नामा वाद्या

.व. तु अ व व द अ क्षेट : ५ : शुक्र दें द अ दें न अ ते अ न के अ नमा दसमाभामार्खेषु दमाया क्षे तुभाग्रमाञ्चन हेमा ने हे<u>-</u>८.दे.केंद्र.यायश.शे.च्रिय.दे.श्रटश.भेश.ता शुद्र.त्ज्र्. नःइस्रभःसृदेःखुवःवःदेदःनरःनगवःषदः। सुःइस्रभः ते[.]यह्यानुवे:क्वेरानुःर्वेराचरानुगवानःसेरात्। क्वेंताना बुग्रयाहे उदा शेदे रेग्या ग्री पर्वे ना इससाया नहे नस न्वेंद्रशत्रश्रद्धानुःक्चेदःनुःर्ह्चेतःर्रेष्यःवेशःवर्षेत्रः য়৾৾ঽয়৾৻য়য়য়য়য়ড়ড়য়য়ৣ৽য়ৄৼ৾৻য়ৢঢ়৻য়য়য়৻ *ૹુ*ઃૹુઃનુસઃસઃત્રવેઃબેઽઃકુઽઃનુ:કુઁફઃસ૨ઃલયઃ*જીસ*ઃત્રલેશ| ર્સેલુઃવનવાનો:તુમાન્નુન[,]કેન;કેનઃતાન્નુન:સેન્સો:હ્યુવાનું.ર્નેન द्यात्री:इस्रयायाम्बुद्याययात्री:इस्रयाधीदार्यापुः यमु:दय:य:र्सेम्य:म्हिन्य:यहःस्तरः व्यक्तिःयदेः **ঈল্মান্ত্ৰ:উন্'র্মান্প্রমান্ট্রন্মান্ত্র্মা**



<u>૱૮૱.૾૽ૺ૱ૢૡ૽૽ઌ૽ૺૡૡ૱ૢઌ૽ઌ૽</u> <u>ख़ॱऄॱॸॣॸॸॎ॓ऄ॔ॱॸक़ॗॱॸॖॖॆढ़ॱॹॖॆॴख़ॣऄॱॸऻॾॕॱॸॕॱॸ॓ॴॗॹॱॺॱ</u> *નગાવઃ* વાત્રદઃ શ્રેઃ રેઃ રનઃ ગ્રેઃ ફેઃ શેંઃ શુઢાઃ ફુઃ સાશુઢાઃ તું અાઢેઃ *ড়ৢড়*ॱनर:५;५ॻॖऀख़ॱख़ॱदेवॱळेवॱनेढ़ॣॾढ़ेॱॿेबॱॠॺॱ५८ः। देवे:नाप्पर्यार्सेनार्यास्रानास्रोत्सः न्दरः। नार्धेदः नुःलेव्याव्यसः चुन:मदे:बेस:भून:नडुन|भ| यू:ळंटश:मश:देव:र्से:ळेदे: મુંગાય.ગ્રી.ચાયુન.ગ્રી.કુલાસ્ત્રય.વેશ.દુદજાતુદા હૈ.દેવદ. *ঽয়ৢ৻য়ৢঽ৻ৠৼ৻ড়৻৸ৢঀৢ৸ঽ৻ৡঽয়৻ৡৄৼ৻ঽঽ৻৸৸৻ঀৢ৻* चर्डर है। यह या की या ही स्त्रीते वार्लित ही वार्य स्त्री हो य भूभार्भेटात्रभार्देदभा अदशामुशायिंदराद्दावड्यामः क्समानेतु इदे त्रेया भूमा क्मानेनमा दे पारा नहेंसा युव प्रत्या ग्री विषय स्थाप रेगा है सेवसावा है रियान অর্থ্যবাধ্যমন্ত্রি স্ক্রীর্নি দের দ্বীকাতর ক্রমধ্য শ্রীধা ব দ্বী क्रुक्तावक्रीक्तारावाक्ष्र

र्श्वेट में हाया अनु दि हाय बुवा देश श्री हो से मार् <u> त्वःमःभ्रेःचरःकुरःचःद्वः। क्वेःवसुवःविःवशःसेचशःवा</u> व्यूते नर्जे ने त्रुवार हो नर्जे दाव्यका त्रे वा नर्जे व्यूत नःभव्वितःत्रभः भ्रमभः से स्वय्युवः दरः। भ्रमभः से विमर्भः <u> अप्यानेवायवे क्वया ग्रीका र्जे</u>द्या क्षेत्रे हे से विकास हे असू इसमाने परिंदर दुर्देद से पर्वेद पर्दर । सेमासू दिन <u> શુઃસર્કેદઃતુઃદેઃદ્વાઃવઃવાબેદઃતુશઃર્દેશઃગ્રેઃદેંતુઃવઃશેસશઃ</u> য়৾৽ঀ৾ঢ়ৄ৾৴৻য়৻য়৾৾য়৻ঽ৵৻৵ৼ৵৻ড়৵৻ঢ়ৢ৵৻য়৻ৼ৻ৼৢ৻ৼ৸৵৻ र्द्र-न्द्र-क्री:है:न्द्र। से:इसमायाध्रदे:नु:न्द्र-स्ंसे: মর্ছেনেন-ট্রির-ট্রীঝ-নক্লবঝ-রঝ-ড্রেঝ-বাঝঝ-ভূব- ট্রী-र्चेटा हिरानु र हें तर है। येटा मेदे हिदे स्ट्रेटानु न ब्रामा स्था र्दुव:र्'यानश्रुव:यर:यह्री र्वेट-५:क्वेट-व-विदार्वेट-क्षेटेंश्चेर-क्वेट-क्वेर-४४



૽ૢ૾ૺૹ<u>੶</u>ૹઽૹ੶_{ૹ૿ૢ૾}ૹ૽ૡૢ૿૽ૡૢઌૻ૱૱ૹ૾ૺઌૢઌ૽૽૾ૢ૽૽ૢૡ૽૽૱ૹ૽૽૱૽૽૾ૼ૱ वहेंत् की लें सूर में र मायय नुषा केंया है सेंदा रह रह नात्रभः धुत्यः क्रीः नर्नेत्र ।वना त्यः सर्केन् । सहत्यः नुः वर्के ।नः <u> ५८। ध्रमास्र्केन वस्या होन सः स्मान स्मान नामः नामः ।</u> नवे समामान्यें त्रामान्या वें निष्ठी सुमासुमामा ॔ॿ॓ऀॴॱॸॖॱॾॣॱॸॸ**ॺॱॸॖॺॱ**ळेढ़ॱॺॱॿ॓ढ़ॱॺॕॗढ़ॱढ़ॺॱॸॸॱॻऀॱॺॎॸॱ यर विर्मे देवे न्यार है कहर बेदाय हो न्या अवन् दे કે'ન્ઽ-લુવા`ફેં |વવા'વ્ય'ન્યા-સંદેવે'લુન્' દ્યુવાચ'લ'ઍવાચ' ब्रेन ने नवित र्वेन मालुम तथा यम नुषा केता परी हिन ग्रात्रं प्रत्रेयः ग्रान्यं र विग्राः ग्राह्यः प्रते यथः ग्राद्यः *ब्रे* ग्वत्रप्रस्थाळ्टास्यासुरावके होत्रस्यावस्या।

ज्ञानाव के नामा वाद्या

<u> द्यास द्या प्रदेशिय द्या महाराज्य प्रदेशिया ।</u>

र्नेन् ह्यः ११ केंगः ६ हेन् सेन् न्याकेंगः य शे हेन् <u> ક્રેન્-વન્-દર્વાનન્ત્રું તર્ફે અઅવિવાગ્રી ખેન-સૂનઅસ્</u> र्वेदे के इंदे वर नुबर । नुश कें न रव स न् मु वहें सम र्श्वेन । डेस पर्वे दर्शेय प्रेंत प्रेंत हेत्र से पर्वे र ग्रुप नाय केत रेना य हो द र्शेय से द सर। हिंद प्रत स प्राप्त व्हेंस्रमात्र रामवरामान्य पहेंसमा वेशानेते र्स्ना र्श्चिम्यास्य स्टास्टाची द्याय हे स्टाहिया इसम्य नव्रक्तियर्वेद पर्वेद चित्रा है। वर्षेत्य केवा वावन क्रुश नम्बर्भाने न्वार भ्रीन प्रत्यवार्थ श्रीय र्धेन प्रत्य *ऱ*ॱॸॖज़ॖॱढ़ॾॕॎॺॺॱढ़॓ॺॱय़ॱढ़ॸऀॗॎऄज़ॱॺॺॱढ़ज़ढ़ॎऀज़ॱॸॖॱ र्नेन्-ह्यः ११ केंगः ६ ८८ः ७ हेत्रःसळंत्रःग्रहेगाःगीःरेटः <u> अप्तर्वाप्त्रपः हे अप्त्रवा क्रेत्रप्ता हे अत्र अप्तर्वा</u>



ट्य.त.चम्चिर.चङ्य.सक्ष.री.त्रवितामी.लूर.संचया ट्य. यःन्तुःवर्देशसः वेशः र्वेषास्यः यस्य भनः रेटः। न्यरसः র্মিন্-দু: <<অর্দ্রামান্ত্র্যা यवे वर न्या सवा द्विस यह मा र हिमा स उद ही के हुस *न्दः*दब्रेबःचःर्षेद्रःह्वयःग्रेःचन्दर्भूष्यःनेवाःग्रदःदन्व <u>| ખદાવાયમાં દેવસુત્રાનાતુના ફુતા ગ્રેડિંગ રાષ્ટ્રા ઢેંગ માર્ઝદા</u> नवा गनुगाहुनम्बर्मन्त्रम्याक्रम्माबेशमहेंद्रार्खेषार्धेन मासून्। हेत्रार्से पदीरानु सार्केन प्रतास प्राचिया नदी प्रना वीयार्वापार्वापहें समावेयायहें नायया नुमार्केन নম্বাধ্যমে ইয়া

जुना पाव के ना पाव पर

क्रिंगवर्षिम:नुश्रकेता

र्नेन् ह्वः ६ क्वेंश ८ हेर् दे निम्मा हमा में र्स्ट्रेन मा भूग्र *बु*न:मशनगव:द्रः में नदेत्र:महेदे:केंश:ग्रे:वॉर्वर:बॅर नर्भ्भेरःग्वरःसर्द्रान्द्रिः,च्याः क्रेत्राह्यन्।वस्यम्यः उदाःबेदः धेवा देः धरः नद्याः चयाः मेः र्झेदः वें सहस्र सेदः सुनः सदेः निन्दिः हैं :ब्रेन्व्रन्तुः अर्देवः धनः अन्यः क्रुयः वदनः **ૹ૾ૼ**ૹઌ૽૾ૢૺૡૺૡૼૼ૱ૡ૽ૼઌૹ૾ૣૢૺૼ૱ઌઽ૽ૺ૾ૢૢૹૡૹ૱ઌૹઌૺૺ૾ विगासी श्रुप्तग्राम सुप्तत्वाया नर्मिया सदी से स्वी न्नरःर्ये न्युः च्रेत्रः न्रः स्वाय्यायायो राष्ट्रे विद्रः वि इेनअॱब्रृंदःदनरःनःददः। क्रॅंशःतुदःदगारःर्यःगाधकः શુ.વદ્યિતાનાસુવાને જેંગાવર્ષિતાનર્ગ્નેતાનત્તનાસુવાનલે. ग्रिंवानायह्मायात् वेंन् हुन्यायदे छेशायदे हेत् नुस्रायाननसामनावीनासानुस्रा धुत्यासुः द्वारा सेते । इत <u>ર્શ્વેદ સુદાવારે 'દૃષ્ણય' શું 'ત્રુવ થાય સુદ્ધાને સ્થાય</u>



<u> ब्रे</u>'नवर वेंर नगद दर में निर्देश निर्देश केंश की प्रोत्तिर विः र्वेनाः सरान्त्रीराना दरासद्ता देरान हेदा है। सेंग्य दे नविदःवहं सः श्चेरः व्येरका श्चे व्दर्भः श्चे प्रदः व्यापना र्नेन्'से'र्क्केंस'डिन्'नु'ययम्स'यदे'ऋ'केत्'नुस'केत्'वेम्' यार्देशपद्देवाचेनाची व्यन्ति हेनापदे वसम्पराया <u> ने स्वेर्त्रनातुराद्यशास्त्रस्य स्वार्धनायनापरा</u> त्यः सक्ट्र-ह्येत-स्यः स्ट्र-ह्य-स्त्र-स्त्र-त्रा-प्राची मुँचाश्रास्रवदुःस्रावरावियाःवासर्क्केन्द्रवयःन्दरःस्रुदःभवाः वड्यायत्यायात्रम्यहर्ना है विवेदार्वेद वदैर-वद-म-भद्भ-क्रुभ-ग्री-नश्रृव-म-र्चेन्।स-द्र-चर-<u> सहर् में कें स मुक्ष से स र्ने त त्र स मासूस मी नगद देत</u> <u>इत्रविरागुर्यायः केत्रार्येश्वार्केशः कुषार्श्वेरायदेतः श्लेयः</u> र्रेदिः तिह्नद्रशः नव् तिह्नयः सः सेन् नः न् न्यः क्रुवः उवः ह्नः *सुना नगर से दः दश गद्दा (वुश सू: गहेर : यश दुर दर* क्रुक्तात्व क्रीक्तारावाद्धात

नावतः भेरता हैनायः नरा नरायः नर्ययः वर्षः वर्षः र्से सेंदे क्रम में मान्दर देंदे सेंदा नवट हम मार्स से द्रार चावनःक्रिंदःक्रीशःश्चुवःसदेःचाद्धंचाःवनाःविदःवीःचरःविदः **ૹ૾ૼ૱**ૹૢઌ૽ૹૼૼઽઌ૱૱ૹૢ૱ૡ૽ૺઽઌઽઌૹૢઌ૽ૹ૽ૢૼ૱૱૱ૹૢ૱ র্ম-সেকুই-দেরীল:আহ্রম-মিশ-ই-দেরীল:দেখিংস-র্মী. कुर्यामासुवा दे द्वार हे में ज्ञान हा दें मही हा नुष्य ह हे.वैर.यर्षेश.क्र्या.सहय.यक्रम.चेल.पर्वूची वार्श्र्याह. यवेशायत्रशासेयश। क्रेंशासुत्रायत्र्वरशायदाद्वराद्वशा <u> च</u>ुरःचबेशःऍरशः हॅषाशःषः च्चेतः क्वतशः यहुरशः सुरः रेअम्मनबिद्रासुयाने न्योअमब्देशसुन्यानिराम्बराम र्शेग्रासास्त्राची पेत्। ५५'ख्रुत्सी'सराह्मस्राहराही' र्से चर दरा गड्या यम वर्ष क्षम्य से से त्या से म्य के.माधितारेटा हे.सूराके.विटारु.हिरी टेब्र्यायायर. हे : वें न त्या अँ वा अरस दे र हैं न हिन हिन हम न हैं वा साम वा



। क्रिंश में ।वना नरुश कंद अर नादश स्थ स्थ प्राप्त महा स षानश्चित्रने नर्वोदार्दे खुर अराष्ट्रीर विवास मन्यानित नु याम्ययाग्रीयायायवृदेश्वास्त्रमान्ता सेतानार्वेयाने पर्देवाशासा र्क्ट्रेंबर्भरावी प्रवस्तराय प्रिक्रिक्ते वावशाहरा बर-गर्हेर-चलेद-ऍर-बॅल-ऍर्। दर-क्षे-इसम्यक्ष-<u>इ. शदुः वटः क्रूनः गार्नेहरू । । ग्रहः नर्गेतः</u> यभर। यु:द्वे:क्वेरःगःश्रीयश्राध्वरःद्वेदःक्वेरःगरःगुरः *५८:वु:नाष्पनः*र्सेनासःन्यःनञ्जीनासःर्मेनाःना५तःर्भेनाः५८: |तायम | हाकरासुत्रासुत्राक्षम् मानायहिराने नशुः नरा ऍटाव्यार्श्वे भ्रीनामें टाक्षेत्रयहाँ ऍन् ने यह्न यादि नानडंदर्नेषानाबुदाद्याग्यादान्यस्य वाहर्नेसी क्षराक्रुवादद्वाप्टा वर्षाच्यानी क्रूवारास्टरा कुषाची नगर देव हे या दव स्नुदा हेव देरा यया हिरया सायनान्दान्डसामानुदान्सेदान्द्रितान्द्रास्ट्रान् जुनागव के नागावाक्ष्र

श्चे अत्रुत् नर्भे द्वस्य स्ट्राचे स्वे स्ट्री स्वे स्ट्री स्वे स्ट्री स्वे स्ट्री स्वे स्ट्री स्वे स्ट्री स्व

वह्रान्त्रीरःश्चे नगर।

र्नेन:ह्न: ५ क्रेंग: १५ हेरादे:वह्य:ब्रेन:ह्ये:नगरादेग: ऍटशःशुः चन्यायायायीत्। देः प्यदः समितः श्चेतः र्केशः नशुस्रान्त्री:भ्रु:नुसःन्ययःनस्रसःषराक्षेःवन्तुरःख्रुतः <u> ब्र</u>ीअ:ब्रुव:सदे:बाद्धवा:सवा:विद:हेद:द:वहेद:स:वाश्वर: नवेरमायेग्यान्युन चुर श्रे श्ले में सकेंग न्यद पेरम षार्या क्रिंदा कुं केदा सें प्रायमेषा प्रह्मा क्षेत्र की प्राप्त नबर नेब नावन कुष नबर न्यें व होर नदे रुष नवर देर पहरू हीर ही नगर वेश नगण देर पहेत ह्म'वरेदे'केंबः १५ वॅरियर देदे रहार वर्षेवा देवा



ळें अ न ब ह न जे वा त्या के दिल्या व ति ह न हो त न्मा भूवे मार्डे में मान्या कुर कें या कुया केन में न्रा न्नायः नार्देरः स्वासः नालुरः नस्ने तः नस्न तः सुरः इससः सः ঀৢয়য়৽ঀয়ড়৽৻ৼৼয়ৢঀয়৽ৼঢ়৽ৼৢয়ৢ৽ড়য়৽য়ঢ়য়৽ড়৽ৼৼ৽ लेगाळ्टात्रमासुगान्माख्टातुमा नगारानगान्दार्नेना भूर-लूटमार्ड्यायानुर-चन्द्रा क्रूबार्भेर-कुरानुया *বয়ৢ*য়৽ড়য়৾৽য়ৢ৾৾৴৽য়ৣ৾৽য়য়ড়৻ড়৻৽য়ৢ৻য়৽ঢ়৽য়৻ঀৢঢ়৻৻ঀয়ঌ৽ इस्रभाक्षेत्रास्य । व्योदासास्य स्वर्ते साम्रीतानु । मुलार्सेदे त्रमा ह्वते र्से प्रवेश सुर्ग प्रमा नियः न्यार्थेल हेश न्नाय क्षेत्र हेत नाशुक्ष त्र शृष्ट नर निर्देर ॲवे:पर्विश:पर्वेर:५८:नश्रुव:इस:५ग्गर:सर्केर:पत्युप: <u> ५८। नगरः अर्केन् ॲन्नशस्य हेगा वः नणनः सुनगः</u> हे·नवदःनहुदःसुद्रःसुत्रःर्क्षेन्।यःसरःसॅदशःर्श्वेदःग्रेदः ज्ञानाव के नामावाद्धा

मिटार्श्वे मुग्गविषः श्रीष्ठाः श्री हेत्र होत् स्याः स्याप्त्र होता । । क्षेत्र श्री मुंद्र स्याप्त होता । । व्याप्त स्याप्त होता । । व्याप्त स्याप्त स्य स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्य

र्नेन्गीःसंग्रम्

स्वायन्त्रः के क्षेत्रः यहरास्त्रः स्वायन्त्रः स्वायन्त्रः स्वायन्त्रः स्वायन्त्रः स्वायन्त्रः स्वायन्त्रः स्वयन्त्रः स्वयन्तः स्वयः स्वय



म् अळव् त्या नहेव वया न्येन ह्या न्या व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत व्य

देर-वहेद-र्ब्र्द-ख्द-द्रशःवें-वाश्वर-क्<u>री</u>-केद-दु-विद-धर-र्केंबरक्वे महिंदानाद्या वदावी त्रव्या मार्थित मिंवर मार्थर नःतरः। विवयःनर्वे नःश्रेष्यायः में श्रेषाः तरः वरुष। वेतः <u>ङ्</u>गान्त्रुः महिकासदे स्टेंका न्यादे हिन्। स्टेंक् स्टेंका हिन् নার্বদের রম্ম শত্র বিষ্ট্র কার্য ক্রিম বিদ্যালয় করা বি <u> ब्रै:ब्रे:ब्रट:ब्रेट:वॅग:वर:गशुव्र:व्यु-शःवाडंट:ब्रेट:</u> न्नु प्रकथा सहया कु व्यानि न्नि महिमानि स्वानि स्वा <u>ब्रु'सर में 'वहें सम्माना वर्ग मेल तर में 'नुगम 'नुर |</u> র্মিঅ'ন'র্মিবাঝ'নরহ'নের'গ্রী'দ্বাঝ'য়ৢয়৾ঌয়য়য়য়য়য়য় क्रुन्तावन नेन्त्रा वाक्ष

यवाःश्वनाः नर्भे व्यवस्थाः स्थाः स्

युष्ट. मुंद्रस्त्रमा मृत्या हुं मान्ता व्याक्तावार विताली हुं मान्ता विताली वि



त्यर सेराव स्वरायने रे क्षेत्र । वराळर वी हे वार्रेश शुः बे त्वे न ग्री स न मा स्वी स न मा स <u> ब्रु</u>ॱख़॒ॱऄ॔ॻऻॺॱॻॖऀॱॸ॓ॱऄ॔ॱॸॖॻऻॸॱॿॆॻॱॸग़ऀॸऻ র্বি<u>দ্</u>বার্ল্লেসেইন ক্রিমান্ট্রন ক্রিমান্স নার্ক্র স্মান্ত্র নার্ক্তির ক্রিমান্স নার য়ৄ৾য়য়য়য়য়ড়ৢ৾য়ৣয়য়ৣয়য়য়য়য়য়য়য়য়ৢয়য়৾য়য়য়য়য়য় मक्रूर.क्रुवा हेव.पज्ञेल.क्री.क्रेर.री.क्र.सेर.क्रेरला हेव. दब्रेयाची दवेया गानुसाङ्का वदे दब्धा राम्या राजवदः नहुरःवीकाळेंब्रायरःब्रेट्। याबकावर्षेक्षायदेःदराक्षेः ড়ৼ৵ৼৄ৾ঀ৵৻ঽঀ৾ঀ৵৻য়ড়৻৴৻ঀ৾ঢ়৴৴৾য়ৣ৾৾৻ৠ৻ঀৢ৻য়ৼ৻ द्रा करसुर्र्भेग्रासुर्ग्नेर्र्रिर्द्रावरुर्गन्दे भ्रीत् सुत्रः सुत्रः क्रिंग्रायाये प्रति द्या क्रिंग्राया क्रिंत्र परिवर्ग मुन्। पश्चित्रं दःतश्चनशः सन्दः। मुःसः दन्नशः नशेल। <u>ळट:भ्र</u>ेंब| ब्रॅ.ब्रुग |गर्शेब:क्रेग्श:श्रेंगश:र्रे:चक्कुरे: नडुन्द्राष्ट्रत्यवे नवयनहुराने सेन्या श्रुक्तिन्या क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व १६६०

ल.सूरश.श्री.श्रीती सूर.स.मुशासकुश.र्टरी ससूर्य.सू. र्श्रेनामान्यवराष्ट्रीः सराप्तरा करासुरायहेनामाही यगः *'*वेश'नने त्येनाश सुत्र सुत्र र्सेनाश । क्षेत्र नमार्डे :श्लु विश्वश्वाचन् विष्विः नुः चर्ने चः भूचः चर्म्भूव । नुशः श्वरः र्थाम्भिर्मे हिंदालालयायात्रम्य प्राप्तिराचः र्वेम विश न्हेंन्ने न्या विशासते हेत त्रेयान्ता ह कर त्रेता हे सेंदे रेग्य सूर केंग्य रहा मर हैं सु ग्वा श्र स्त्रुत्। चे स्टर्। क्वेर-तु र्से न्याय स्त्रे न्याय स्त्री न्याय स् त्यः बहुना छेरः। नाववः धरः बहुवः चवेः नावेवः नावः वदे में ग्राम्ययाया गर्भेया द्वेता वनुया नार्टा हु শ্লুঅ:বর্অ:ব:র্মবাঝ:অর্দুম:ব;ঊঝ:বাউবা;ব্ঝ:বায়ৢঌ: समानत्त्राष्ट्री नित्रास्त्रा ही स्त्रीत्त्र स्त्रा स्त्रा ही त मवे के नामर नाहें र द्धारा है। नभर उम्रान्य है। हो हा न न्मयादर्त्ते साम्बदावितान्दा सुदाळेवार्था अदि सुमाया



र्खेल में समानिमायहास्त्रेत्र प्रतामीमा हिन्स समास्त्र सुर्देखें

र्वेद्राची ।।

विकास विकास के स्थान के

मर:ग्रेर।

श्ची यहे.या.स्याम् राश्चे राह्म प्राची स्वाप्त स्वाप्त

क्रुक्ताव क्रीक्तावाक्ष्र

र्श्वेन मान्य स्वाया ড়৻য়৻য়ড়৻য়৾৾য়ড়য়৻য়ৣ৾৾৻য়ৼৢৼৢ৸ড়ৢ৻য়ৢ৾ড়৾ঢ়৻য়৻ त्यातुःवेशान्यामदेश्यदास्यात्यशातुः । नेरायराम्नरा <u> न</u>ुदःषःदद्वेःवर्तेद्रःहेशःऍदशःशुःज्ञवाशःयःष्ट्ररःहशशः चेत् ग्री भूनमातुमार्सेन् मममाउन् पदे पर्वेन् ग्रीन् ग्री नदःतुःनश्रस्यात् सी तुरः से से दिन्ते नि ग्री देव सर्वेत यन्ता भ्रम्भावसायम् भ्रम्भावस्य भ्रम्भावस्य र्शेनामा सर्वेद रायदा पेट्टी केट्टी से मिटा मीमा सर्वेमा यः स्टः वी सुटः र्वे त्या कवा या बेदः क्विं वा या मृदः यो हवा यदिः ૼૹૼૼ૱ઌૡઽ:ઽૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૱ૹૼૼઌૢ૱ૹ૽ૢ૾ૺ૽ૹ૽૾ઽૢૢ૽૽૾ૢૡ૾ૢૺૢૢૢૢૢ

श्रेःईन्।

स्राह्म स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्था



र्शेन्यरपः सामुकासम् से भें मृत्याने । प्रमे सक्त त्तुःबःसेन्'सःर्धेन्। हेब्'रे'ययम्'त्तरःग्री:ग्रु'यमः**तु**ग्रसः बेदबारे वार्वेदायरारेषायाद्दाबर्वेदावदे क्रेताबुबा ঀॱৢৢয়৽ঀ৾ৢঀয়য়য়য়৽ৠ৽৻৻ৼয়৽ঢ়ঀ৽য়৽ঀৄ৾য়য়ৢ৽য়ৢ৽ৼ वियासूत्रायान्या वयाप्यात्रीयके सूत्रायासुतान्त्री न'ल'यत् क्वन्र के'बेट्। ध्रून्य मर्दिर नर्देश ૡ૽ૢૄૢਫ਼੶ਫ਼ਫ਼੶ਸ਼ਜ਼੶ਜ਼ਜ਼ੑਫ਼੶ਸ਼ਫ਼ੵਫ਼੶ਜ਼੶ਫ਼ਜ਼੶ਸ਼ਫ਼੶੶ਜ਼ਫ਼ਫ਼੶ ঀয়ৄৼয়য়৸ৢয়য়য়৾ৠ৽ঢ়য়য়৸৾ঀয়৾ঀ৾য়য়৸ঀ৾ৼৢ৾য়ৼৢঢ়য়ৄৼ नःश्रेन्यार्न्य्यान्यात्रात्रात्रीत् इत्यादर्हेन्यान्यानुनः बिन्-नुः क्षित्रा सदी मान्नु ग्यान नुन् मानुन स्वर्था है। ৾৾ঽ৾ঀৼৼয়৸৸ৼ৾য়ৼয়ৼয়৸৸ৼ৸৸ড়ৣ৾ৼৼঢ়ঢ়৸ড়য়৸ बेद-दु-नथूबब-दर्वेश-सर-नशुद्ध-सदद-कु-सळ्द-दर्ने :धेवा।

gana ganilaiselt

हते सें र मारश मर्जे र वर्षे देवा

निर्याभितः स्त्री के ही सूर्यास्य मेरी सुन्यासा स्त्री स्त्री न्यवर्था दे । ह्यद्रास्य उदा विना कु : हे श्राव्या सेंद्र : दूर हु : নাম-র্মানাম-শ্রী-র্ক্ত্রম-দ্রম-জর্ম-রাম্বরম-স্কর্ম-রাম্বর नर्भेर हो र भेवा धेरावा । हार पर र र हे हे वे वेर पार वार वार यहवानायरार्थे वर्तु। देखेर्चेन् भेवासुदेर्तुमासुरहेर नदुंदाक्षेत्यान्यान्यान्यान्यान् । तुःन्यादाङ्गुन् श्रेतः तुया য়ৢ৾ঌ৽৸য়ৢ৾য়৽৸য়ৢ৸৽৻য়য়ৼ৽য়৾৾য়৾ঀ৽ঀ৾৽ঢ়৾ৼ৾ঌ৽য়ৢ৸৽ नहेशभीरा वेंदाकुरादार्रेजान्दाविंगहिशाग्रीशामदा क्ष्यः तरः इत्यस्या ग्रीः सम्रायः यम् त्रायः स्वान्यः यादेशः मवे खुनाबाह सें राहे नडुंब से त्यारबार सम्बाधान केवा र्भे:र्चेन:बेश:य्वाया दे:दय:य्वुट:रुअ:इद:ग्री:केट:रु: हते वें र कें मान्त्र पासर में प्रतु नते खें वा हुर। नरमा हे से त्य से द नी इस मदस सु में त्य पदि कुय दें। याद



मूवे प्यत्र महरूरे दे । इति मानी हे न न करा र्रेष

ब्रेट'नवे'वब्रेव्य'न-१

ब्रेट्स ते क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क

 जुनागाव की नागावाद्धा

यम् स्था। यम् स्था। यम् स्थान् स्यान् स्थान् स्यान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य

गडर मी ग्रुस्थ केत्रें भू

स्मानिक्ष्यं स्त्री विषानी विद्यानिक्ष्यं स्त्री स



<u> स्व</u>ास्त्रेयान्, र्स्नेया स्वेत्रास्त्रः स्वेत्रास्त्रः यहिसः व्हेंगान्नन। चनायर इत्याविंद केतरीं रे वें त्रुया क्तुं.क:दी बरशःक्तुःस:देशःस्तुस:सुस:ब्रि:५८। ग्रोशेरः मः अर्थः वस्तुः व्याप्तः वस्तु । स्राप्ते वास्ति । *ૄૄ૿ૢ:ૠ*ૢૻઌઌૺઌઃઌૢઌૢ:ૹૼઌૣૹ:ૠ૾૽૱૽૽ૼઌ૽૽૾૽૽ૣૼઌૢૹ૽૽૽૽ૢૹ૽ઌૢ र्बेट.चले.चम्.कंबा.चम्ज.च.चन। अथ.कुप.कं.ची. र्हे हे स सम्म सुभ दुः दूरा | द्वुते द्वाया वर दहेवा हेव व केशन्में व मिर्दे हैं हे साम्यसमित्रमा निव केव नुःसर्भाञ्चर्यानदेःसुःसुःदिन्देन्दह्यान्चेरःस्ट्रेरःनुःबरसः यशः ग्रुवः यदेः देवः बदः उवः ग्रीः श्रुः क्रयः के पे वादे प्योता।

নি:বদ্বাশ:গ্রী:শ্র্র কুমা

वि: यह वा अर्कें व हो द हो दिशा हर कि वा के व स्टा है द

क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

<u>ॱ</u>ॷज़ॱॸॺॺॱढ़ॺॱय़ॸॱॸ॔ज़ॱय़ढ़॓ॱॺऴ॔ॺॺॱॷॗॸॱॸॖ॔ॱॸ॓ॸॱऄॗॗ॔ॸ॔ न्तेन्यः विवाः धेत्। विः यहवासः हेर्सः यदेः चः स्त्रूनः वेः नर्गीतः ૹૐૼૼૼ**ਗ਼**ૹૢૹ૽૽૾ૢ૽ૺૡ૱ૢ૽ૺ૱ૢ૽ઽ૱૽૽ૢૢૢૼ૾૱ૢ૽ૢૼ૱ઌ૽ૼૹૼૺૹ૾ૢ૽ यः अर्के नः अहयः श्रुवंशनने : श्रुवंशने : श्रुवंशने द्वागानः विवाः (बु: नवि: वाह्र सः श्री: र्ये व: वर्षे रः । वाह्य सः श्री दः द्वीं यः भैरा र्<u>देवर्ने हेर्ने ग्रे</u>ग्युवर्ह्से रत्यावनार्देनानी देश्ययाया र्वेभःमवे:न्रःन्गरःक्षरःञ्चनःभेनःमञ्जेदःग्रेनःनुःसुवः नदसप्परानहेग्रमा हेर्स्तर् नुपहिरानस न्यान नहमास डेस्रायदे सेट र्डेन्स्रायाय पेत्र देति ह्ये स्ताय यह नासाय स्तर न्येशन्त्रे नाम्मुन् विन्यत्रे। श्रेष्ट्राचराम् श्रुयाम् बर्द्धर-वर्धवाश्वास्टा श्रवास्त्रा लस्त्री बन्धी वर्श्वर <u> ব্রা মেপ্র বহুর র্যা। মার্বি ব্রমাপ্র প্রথমের ক্র</u>ব *ॸ*ढ़ॱॹॗॸॱॵॖॸॴड़ॖढ़ॱॷॕढ़ॱऄॖढ़ॱय़ढ़ॱॹॖ॔ॱॿॕऀॴॼॸज़ॣढ़ॱड़ऻ



<u>ર્</u>યુત્ર-૧તુત્વ-દ્યુતા હિંહા હૃદ-વાલેશ-પોર્વાના હિંતા-र्रेंदे:श्लेप्यार्भेदायार्भेवार्-एकवायाने। रेयाग्रीयादश्चर नःत्तुदःद्रश्रभ्वे नदेः र्दे त्यावानन्त्राश्राम्याचित्रश्रमः स्वे स्थुत्यः में देर अर अर अर में जिंद भूद वा अर देश अर्दे त हें गुरु र्क्केट : नुप्ते वा नवे : क्वे के नुवन : नवें दर्श न के अ <u> न्दीरमासुःवेसामते सुग्गनुरायासहयान्रादनुयाना</u> वे नगरार्क्षे मन्दरने मार्थे। देने राद्या धरार्थे राप्तिया चलर्म हेर्नु मुरसे न्यान स्थान के सम्मानिक सहर्माये हेत प्रमेश सक्षित्र मे निर्माय स्थान श्रा

जुना पाव के ना पा वा का प

में अं में अर में अर्कें वर्दे वा

<u>दे-र्थ्व-क्ॅार्स-क्रे-अर-र्वेद-क्रे-ब्रेच-क्व्य-म्विय-सु-</u> हे·क्षेत्रःश्चरःसःसिरमाःस्वरःस्याःश्चरःस्या म्यः स्वर्थः स्वरं स्वाः क्रुवः व्यः क्ष्यः व्या विदे दः स्वरेः য়ৢ৻৾য়য়৵৻য়ৢ৵৻ৼৼ৻ঀৢৼ৻ঢ়য়৵৻ড়ৢঽ৻য়ৣঢ়ৢ৻ড়৾ঀ৻ড়ৼ৾ঀ৻ড়৻ वर्षायाचे न क्वायाया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया र्दःर्द्राची ववदावहुदावादार्श्वेदायादे अर्केदावार्थेवा ग्रेम रेम नविद मुद र्सेय र पहण्या हेम सेर प्रेम प्रेम ক্রুমাগ্রী:ব্রমানর বার্ট্র্র্রামর বর্ত্তর প্রাণ্ডী: ক্রিবার মহ্বর मुवानायाकेवावेगामु गुरायराम् शुर्याया पुरायय नत्त्र पते क्रूं न उसात्र भासून क्षे क्रिया ने न स्त तु पर्ये वशुरानेनशाहे कुषार्झेव इससा हि वर्देव दर्ग पहेव श्चेता'नी*र्यासर्कें द*'सदे'न्नाद'र्स्ट्रेद'के'विना'नेनार्य'त्य'के' बर्झरानी द्धवार् नेरार्झे राजेता धेवाववरात्यर वार्किर January 1

र्ने र्डं अप्रमान्नि संभी

नुभारतभावद्वाम्बुयामात्रभायमार्क्षेत्रभाग्नीविन्नुवर विराम्बर्येयान्दा महेत्र्ञ्चेम क्रुकाञ्चरा घराम्बर्या <u>देशेतः हेतः पद्मेयः ।वनाः नदः व्यद्मयः श्रेयः द्युदः</u> नशर्नेन्ग्रीः बुद्दार्सेन्य स्थित् पदिः र्सेषः क्रुद्दाग्रीः गुनः कः त्वेताः हुन्। भ्रुताः यस्यः त्वायस्यः यस्त्रे स्व स्वे स्व स्वे स्व स्वे स्व स्व दनुषास्मित्रः ग्रीसासद्यान हेते : इसामस्म नग्राभीसान दे येगमा बुरविदायनुषान्वीमानान्या वर्षमामनः <u> ग्र</u>ीअप्तग्रास्त्रीअप्तर्ने त्येषाअप्तुत्र शुद्धाः क्रिंपाया। अप्तर ननाः में भुः विस्रसः नवरः ।। निह्नु दुः नदेः नः देईनः सरः र्वेष म्राप्त्रभार्मेरानुष्येयानरः वेष हेशार्यान्यरा नवे दरम्पान्त्रगृद्यान्योग्यासे निम्नी मुन्ये नवे र्श्चेत्र ५५, त. की प्राप्त मान्य मान् यशःग्वरायदे हेत दर्मयः भ्रम्या हे सर दर्मया सेतः जुनागाव के नागा। वाद्या

निहें भागायानी सामने खेना साहे साहु ना उसा खरा ग्वित स्थयः वेर श्रेषः श्रेश्वरा यर्कें तर्दे तरी। शुत्या की केंद्र भी ना वर्षे ना ना वर्षे ना की श्री की स्वार्थ की स्व म्रे:सर-५कें:नवे:भ्रेर-नड्र-धेद-र-सकेंद्र। नवव:नहुरः सःश्चित्रपदेःश्चित्रपुःसिवदायाः निर्देत्रप्तसासुयाः स्वीते नन्नाः इस्रशः यः व्येषः यश्याः वर्षे याः ननः सर्वेषः । वयः য়য়ৢঀ৻য়৻য়ঽয়৾ঀয়ৣ৻ঀয়য়ৣৼ৻য়ৄঀ৻ঀয়৻ৼৼ৻য়ঢ়৻য়ৣ৻ बुदःबॅटःसप्पेदःपदेःचेँससःब्रॅलःदःस्रदेःनरःसःहससः धरःग्रवश्यः यदिः चिवतः द्वी।

नरः र्भूरः द्येः दरः केवा

मुःभरःकुरःसळ्ययासुःहेःहिरावानयायास्याहारः १००८ स्रायवे नरःकुरःसळ्ययासुःहेःहिरावानयायास्याहारः १००८



स्र-कं. कं थ. श्रुं थ. ताथा कु थ. स्र स्र ता या हू र अहर में या था यदः या गुरा दर केत्र पर श्रु रेट्या वर श्रूर गुर क्व र्चेत्रात्रसाम्चे प्रस्तु प्रवादान्य स्वरा ह्या स्वराद्या स्वरा <u> अदय:देश:ब्र</u>ेंग्रश:शु:द्यम्।देव:म्युय:यश:इअ:सर: कुलानवे निवायम्बर्गन्य केता निवायम्बर्गावे नातः सेवा <u> ब्र</u>ी:माशुर:क्रॅंश:मात्रद:सुत्य:माशुर:क्रॅश:रू:चदे:सर्तुत:रु: क्रियानाम्ब्रीयानवराकुःसक्कें ग्रोत्राहित्सरदाग्रीया भ्रम्याशुःग्यरःवह्रम्यासहर्गाते स्राम्यानवरः र्से ग्रम्भागविदःज्ञस्तुः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः য়ৢ৾ঌ৽য়৾ৼ৾৽ঢ়য়ঌ৽ঽ৾৽ৼ৾৽ঢ়ৢড়৽ৼ৾৽ঢ়য়৽ড়ৼড়ৼয়৾ঽ৽য়ঢ়য়৽ য়ৢ৾ঌ৽ঀ৻৻য়য়৽য়ৼ৽য়য়য়৽য়৾ঽ৽য়ৣয়৽ড়য়৽ঢ়ৼড়৾৾৻ঢ়ঌয়৽ क्रुक्ताव क्रीक्तावाक्ष्र

न्तः। १६६६ व्यास्त १ क्रिंसः ५ गुदान्तिनास्त । केदः भुदे न्यसः केदः व्यास्त । १ क्रिंसः ५ गुदान्तिनास्त । केदः भुदे न्यसः केदः व्यास्त । व्यास्त । व्यास्त । व्यास ।

र्धेयार्डेन'न्यायदे यळेंन'र्नेना



न्वतः मृः सः स्वेदः या निष्ठ सः सर्वेद्वा सर्वे ना से रः वेर धेवः प्रसः र्वः हुः चो हेवः उवः धेवः पः सर्वेद्वा वार्षे वः हीः वे वे वे स्वर्मे विषयः सर्वेद्वः वाहे सः हीः वार्षे सः स्वेदः वाहे सः हीः वे वे स्वर्मे विषयः सर्वेदः वाहे सः हीः वार्षे सः स्वेदः वाहे सः हीः वि वे स्वर्मे वि वे स्वर्मे सर्वेद्वा

न्तः देशः श्राहेष्यः व्यवस्थाः वयस्थाः वयस्यः वयस्थाः वयस्थाः वयस्थाः वयस्यः वयस्थाः वयस्यस्थाः वयस्यस्यः वयस्यस्यस्यस्यस्य

जुना पाव के ना पाव पर (प

श्च वग में श्वेंन

· श्वात्रवादिः श्वेरादर्शेषाया इसमाग्रीः गुराधिवादिया दुना र्मशामाराद्यशाद्राचित्रयायायायाचा स्रोता स्रोदास्य स्टार् रेवे के कुर रेवाया शुर् श्रुर् किया निर्म श्रुर निर्मा के निर्मा बेशनर्गेद्रस्य नक्ष्रस्य दर्शस्य सम्बन्धः स्वर र्थे्द्राद्रयान्यार्थेन्यार्थेन्यार्थेन्यात्राह्या ग्रै:सःसेशःदशःचक्कुन्:यःदीषाःधेदःसरःदेश। ददेवे:क्कुः कः दे दिन्यमानी हेन्यायश्रामुन हेन्। के कुरास्रवर मिडेमा हु मेश सामेदा हियामान्द केद में निमाधिद द ब्रुवे : सूर् : वः रे : वेर : वड्ड : र्रं र वः वे व व : व्रु : वज्रु | ब्दः तुः गुःचः चक्कुदः व्यद्धिः चः वे : बुदः चित्रे : वे : देः देः द्दः শ্বুবি:খ্রী:র্মিল্বাঝ:গ্রী:শ্ব-মন্ত্রাচ্ব-মেনিঅ:ঐন্-মন্-নেক্স্-द्यान्य निष्यान्य स्त्रियान्य स्त्रियान्य स्त्रियान्य स्त्रिया



ধ্রমানামাদ্রা অবংশ্লীমানু শ্রু বের্নমান্তরা ট্রান্ডী प्रत्यश्रम् वेराया विषा ग्रामाय वेता श्रुते गुरा सूर्या *ક્ષેઽ્રા*ગાગફેશ્રાખેત્રાગ્રદાસુત્રાસ્ત્રુતશ્રદ્યાં છે. निर्देरः सदेः स्ट्रेरः नी : चना : सः सुरः दुः देना सः देशः सदः स्ह्रंदः ब्रेंबा क्री र्थेन र्रेश नहिना नी मना माने दे खेन कर नुर्धिन नायार्थे विदानेम् श्वासुनातुषा इत्तायद्देवाने दाने न मिले त्यायर्दे में या हो दा ही ग्ला मिला हिना है जा है ज <u> ने न्यास्त्राचान्यायायात्राच्यास्य स्वात्राच्यायाः</u> र्भें दर्जेश ग्लद्दानेर नडदातुरे लेट महिशा डंस पेंद मतेःश्चेरःत्या<u>वःश्च</u>नःदरःश्चेःमहिश्वात्यःश्चन्यःसेःर्धेन्।यः षावित्रीयाचेमा देवीयळंदार्थे प्रत्यक्रात्रार्थेयाया नुसारवीनसामान्दान्नेदार्से हो न्वीसा ददार्देसासु वना मः सर्भे व्यादेश देश देश हो देवर विस्तर्भे संस्तरे ત્યાનુ વિશ્વ અપ્પેનિ સ ફિરા નાલી નાચર નવે સુન અ સુ રહ્યા ज्ञानाव के नामा वाद्या

ने नर्जे भ्रुवार्से हो ८ ५ ५ ५ छोवा छे वना न इससानर्जेवा वशा हो नः वाहे शा शुः हो। विया वाषवा वाहे शा हो से नः या वनेषा वें सेर श्वाचेरमान ने माने के हिया <u>अळेश-८८:५१:३.म्बर-मर्बिद-इयश-पॅट-दश-र्रेग्यश-रयः</u> <u> ग्रेअःब</u>्रुदेःदन्वअःग्रेःस्अःह्नेदःन्वाःबेदःसःन्दः। ग्लन्ग्रेः र्देशःगहेशःयःग्रथरःचःरेःब्रॅ्ब्र्स्य्येयःथेंद्रःयःयः बदःदेवेः <u> ही त्रराणरान्हे पूर्वाया क्रु</u>सळ्दादी ही सेंग्याया शुःहे। अप्तरः करः नशः क्रीतः श्रीका श्रीतः सिंप्तरः । तरः सिंशः शुः नुः नशः क्रेतः ग्रीशः तना चें रः सेना सें रः प्रशः सेना है । सूर सें रेर-रशःबेर-पडेष-रे-न्रहेश-द-कें-वर्ड-न्रमुन्-ग्री-रेर-यःश्रु:ळ:ळंट:पाठेप:पाट्टेश:चें:कुप:बुप। पायशःपार्थेतः *षरःवःवर्क्केम् अःन्वेषःचःने दे द्वुःवनःनुःवर्क्के अवे द्वुः* धेवा यनुवार्झे वर्षे पा होना वार्झे खेवा वन से पहिना



त्रवेत्यः न्हा प्रवेत्तात्र्यः क्षेत्रः व्यव्यः व्यवः व्यव्यः व्यव्यः

ह क्या अन्य य से बा

 क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

वह्रान्त्रीर वहेदे सेर खुवा निवर वश केश सर्वे भी <u> এব.লা স্বান্ত্রী, ব্রহ্ণীসংস্কৃ, সহ, বার্মপ্রীর রুস্</u> शुभासर मुदानाशुका ग्री पर्के निरम्भका केर दिया निर देवारायायर्जेवायाद्या स्वेत्रस्यस्य विस् <u> इस.श्र.पर्य. मृत्रामा क्र.चे. स्त्राम्य क्र.चे. स्त्राम्य क्र.च</u> नरः १ मा केरारेया नमारेया मा या रेटा नदमा र्येटा न बेशमवे सेर वी मधूर ग्रम्स न मन्या सर में या सर् मुन् देर नहेद र्शे सेंदे नग कगम दर हीं र सू र्गेमश ग्रै:क्वेद:पशा पर्वेच:प:दस्रय:ह:पःक्वेद:हु:चाडेय:क्टि: र्थः क्रूंत्रः संग्रंगंशः हः क्रुंगः त्वत्रः नक्ष्रः क्रुः वः नरः हरः मैशप्दहुम दे निवेद र्सेट निवस्त है स्टूट नुसादस अन्दरम्बुरम्बुरम्बेरम्बुरम्बुरम्बुरम्बद्धाः महस्यः सॅं नियर क्रेंश सें निया नुया क्रेंत हिन यर उदा ह्याया *ૹુ*.ૡૢ૱ૹૢ૽ૢ૱૱૱ૹઽૡૹ૾ૼૼ૾ૡૡૺૢ૱૱ૺૹ૾૽૽ૢ૿૾ૺૢઽૢઌૢૡ૽ૹૢ૽ૼ૱ૡ૽



क्षुत्रः स्वाविक् स्याचेत्रः स्वीत् स्वाविक् स्याचित्रः स्वाविक् स्वाविक स्वाविक

र्नेन् अदे अदः वर्नेन्य र्सेन्य

श्चेर-र्नेद्-श्चेत्वे-श्चेद-त्य-देन्य स्त्रुन्य स्त्रुन

ज्ञानाव के नामा वाद्या

केवे[.] भेट:र्नेतर्केश:ग्रे:र्के:गाःश्वरःवर्देगशःवेटः। नुशः रनमःनमुर्ग्याद्यार्ट्यार्ट्यस्य स्त्रान्यस्य ૹેદઃ*વો.ૡ*દ્ર્યત્રનઃશ્રુંવા.લવદ.ૡૹ૽૾ૠ.વ.ધૈદઃકૃં.ૡથીવ:નશ. *સુ*૬'૬ે'ઐફ'૱ઽ૱'ૡ'ૹૄૼ૱'ૡુવૄ૱'ૹૄ૾ૺ'ઐદ'૱ૢ૽ઌૄ૾૱૾ૺૡૼ૬ मन्त्रियम् में न्यून्यम् मार्थस्त्रम् स्थान क्रुंद्र-वाक्षेक्ष-स्रु-स्काक्ष-स्र्यंद्र-स्वर-प्रदेश-वाववर-র্ত্তান্য ক্রান্ত বা মেস্ক্রনেম মে এর মেন ছিন ক্র ক্রেন বী ম र्ब्रेन:ब्रुन:हिय:रु:ब्रे:न:न्दः। श्रुन:विदे:बेट:वी:वर्देग्रुय: विचाके छूटा वी प्रवटा वी या यहें श्चराविया रुखें ना प्रा श्चरावदे सेर वर्दे गुरा सें वा पेंदर या दिया है या हिस क्रें-दगारःश्चेदा ब्रॅबरवर:कुया क्रिंबरवर:क्रें-देदा यावयः . भू. चर. भू. तु. पृत्रा । पृत्रु अ गा व्हंदः पु. रे अ गा वरः यपुत्र



क्चे:बेर:वन्नव्यःथेंद्र:यःवेद:हु:बदः। दे:बद:बेद:कुदः ड्य.बी.सॅ.सॅवे:८्वे:५व्ये:८्याव:यर:यहेव:यर:सॅ.वेया: व्यःवर्देन:कुव्यःन्दःहेशःशुनःग्री:क्वेनार्श्वेनशरे:नधूनःहे भेरावर्रेषायायरान्धेरात् भेषान्धरार्भेषायान्हा भ्रेना-द्रथम:क्रें:मैर-ष्ट्रं तु:सर-। भ्रेर-वर्देन्यः र्स्रेवः वर्देवेः रैवायान्यरयार्वे ५.५.भ्रेयार्चियार्वे व्यायाया क्रेंबरअन्भूनम्। यासार्सेर्भिसार्रानीःबुंग्नुनिवर्धा मति हित्र सळ्ता ने ने सामा नियाना मानियान ने देशे सी न मैशः यहमाशः हे : खुः मुदिः श्लेशः मात्रदः श्रेमशः मारः धेदः देशानने नवे केन नुष्येदानमान भन्। धेदादबरानगा नेयात्तुः तः सेरास्य रामवदासेरासूरार्धेरायाते से देवे क्रुका मा बदाधी का संवे देवा सामे दिया

जुनापवन्ने नापावाक्षा

ब्रु-स्रित्वन-स्र्न्

च्या मृत्या मृत्या मृत्या मृत्या मृत्या मृत्या म्या स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स् च्या मृत्या मृत्या मृत्या स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्र स्



য়ঀঀৼ৽য়৽৻৸৽ৠৄৼ৽ৼৼ৽ৠৄ৾ঀ৽৻৽য়ৢ৽য়৽ঢ়৽য়৽ৠ৾ঀ৽ য়ঀ৵ৼ৽য়ঢ়ৄ৾ৼ৽য়ৼ৾ৼঀ

र्वेनाः सरः हेत्रः यः दो सः यमनाः श्रृंतः यें ग्रुंतः यदेः सेः यनुतः प्रवनः र्ह्मे बार्चे दार्चे दार्च न्यायानराम्येरान्त्याम्येयान्येयान्ये हे ह्या महिंदा वश्रासान् अर्थे व स्वास्त्र निरम्भे विष् सामदामु खु दूर से र के द वर्षे मार्च मुंदारा से मद यवित्रयिक्षेत्रभित्र देशस्त्रम्भासान्त्रभाष्ट्रम्भासान्त्रभास्ति नत्त्रत्वसानकुत्त्वसास्ट्रेत्राचक्केन्यसान्ता। देन्यसास्ट्रेतः ब्रुंग'र्खं.क्षेत्र:श्रूयोशायब्रुंस.कशःश्रूशःहे.पविवर्ष्ट्रेतः ब्रेन् रेंबाळाटासूनामहेशाग्रीन्ग्रेंबासूटशाह्यनानर ळवःर्रेः थेँ ना

त्रसः वरः विषयः तुसः स्वाकः सः द्वीसः सरः सेः विषयः वीसः विर्वे : विसः स्वाकः सः द्वीसः सरः सेः विषयः क्रुन्तावन नेन्त्रा वाक्ष

यपितः क्रूना स्थापने वीया निरासक्या नुः सह वा स्रीता स्थ र्सेदे:मिब्रुट:श्रूट्:म्यायार्थ:के:मःत्रे:पर्से:मानवट:स् देन्दनम् ब्रूम्सादेन्दनुस् अरुमेन्स्पन्नम् वशुना र्वेर नवरा दे सेर गुन स्वन्य रायसा रेंद ઌ૽૾ૢૺ_{૾૽ૼૺઌ૿૾}ઌૻૻ૾ઌૻ૱ઌ૽ૼૺૡ૽ૢૼ૱ૢૼ૱૽ૹ૾૱ૹૢ૿૱ઌ૽ૢૼૺૼ૱ૹ૽ૼઌૢઽ य.र्ट.। भिजासीयर.यो अटशासी योष्टरायायकशासयी. नवि तया विवा क्रिंत पुरिष्ट र सेवा खेन्। सर्ने स्वा स्वा से ঀয়য়ৠ৾৾য়য়৾ৼয়৾ৼয়য়৸য়য়৸য়য়ড়য়৾ঢ়য়৾৸ৣ৾য় ८८। देवानाबुद्धा विस्तरान्वेश क्राव्यस्थिनस्थः नेवायाग्री। हिन् कें यादनु सानु हो ईता वेदा। वादवाने देशे र्योपा *૾*ૄ૾ૢ૱૽૽ૢ૾ૺૡૹ૾ૼ૽૱ૹૢૢૺઌૻૹૢ૽ઽ૱૽ૼ૱ૹ૾૽૱૽ૼ૱૾ૺૹૢ૾ૢ૽૾ इयाञ्चासरादर्धेसमाम। सर्वे द्वार्मेर्से से केंग्रान्वादा र्के अः हो नः प्रदेश्याचन स्कृतः चना अः उतः विनाः धेतः दे।।

January 1

ब्रि:८८:क्रुय:ॲव्य:ड्वा:वर्क्चेय

ब्रिवे:क्रुव:ळ:व:व्ह्रेंश:मवे:क्क्वें:वशःश्चेंगशःवीगःर्थेंदः नःसर्ने क्रूनः नम्भवः नर्देशः क्षशःशुः नशुरशः नः स्रूनः অবাষ্যকা ই'অম'র্জুমে'র্যাম্যক'রি'র্বা'র্ক্সুবা'ব্ম' क्वनःर्षेत्रः दुना दर्केना डेशः नहेशः सुरा हेशः र्षेत् ग्राटः। दे महिराते महत्र शेष्टर है। वि: हुम (वर्केम दी वि: रूट) हेन्'ग्रे'स्रेन्'न्'वज्ञेयानार्येन्'नायान्त्रिन्यानुनार्येयाया ब्रि:न्रः। वेन्:ग्रे:मात्रवःवेदि:न्मेति:स:न्रःवन्:विरःक्रेरःवः न्नानी नत्नुनामा हिरानस्मानमा ग्रामानस्माने राजे मा ब्रुव। दे:द्याःवी:र्देश:यद्देव:दी। ययम्ब:र्येद:यहिशः <u> शुवर खुन्नाया से वर्त ना सरा में सक्रेया से म</u>िस्से हार्ने हुन भूचामास्त्रीरा शियाचा यावयः क्रीटार्टा की सुधी ग्रन्थ। सम्पर्रको अम्बा सुर्विगाम्बर्धस्यानिक ज्ञानाव के नामा वाद्या

यर द्वेत दुवा स्वाय वर्षे वा वी द्धंय दु श्वर वा वेश रवः न्दः। नश्रमः निष्ठ्व। निर्देवः विष्यः ब्रिसमा श्रेतामानरमाधिताया दिताग्रमाद्वीयानहेगामा र्केट-देग-ग्रह्म-इस-ग्रह्म स्थान्य-इति । वेट-ग्री स्रावसायात्रवासाचित्रवात्रक्तिवात्रदे क्रावारातुः स्रित्रविः <u>भ्रावर नी क्षें क्रुव रेपाय छैय शुरर रे में दावर तु क्रुव</u> ब्रेयानार्ड्याययातिस्याणरान्ताः वेताः येनासरादर्नेना ૿ઌૺ૱૱ઌઽ<u>૽</u>૽૽૽ૢ૱૽૽ૢ૽૱ૹ૽૽ૼઽ૱ૡઽ૽ૺ૾૱ૡૡઌ૱ઌ૿ૢ૱ म्री नर्जे प्रेत पर स्वाचन हित्या म्री क्रुव ने प्यत क्रुव प्यत न्गाः हुः न्ययः स्टः चुरः व्ययः स्यायः यवे नः चे यः ग्रवः

January Carlon

मु:सदे:पर:श्रेन्।

<u>च</u>ु.सदे.लट.बुट.बूर.सर्ट्र.चड्र्य.दय.चन्.चा N'र्र'यथानी र्पेद्र'हदार्थेर्श्यासुर्हेन्सामादे न्नासा ग्नेग्राहेशायश्यायवित्रः भ्रीतायवेशाहे भू नक्ष्रभगमन्द्रा द्रिन्यमासम्बन्धे देशस्त्रेत्रः वृत्ते अ देश उद्गालेगा नक्षुन्य देर प्यार श्रेन् डेश ग्रामा न्दः ने म्वाद्या उदा परि र्षेट्या पदि न । पदा से दि में या पदि त क्चे'ख़न्यरर्सेवःर्देन'यरदे'न्यसःस्टःबुटःर्दे:हे*:११६*० <u>નગ્રઋિયાર્જેયાગ્રી:ક્</u>વાયતે:ક્ર્રી:ક્રુવાયયાપાદાશ્રેદ્ર:દુ:ર્દેશ: दहेंत्र लुरु या दे त्र या अर्थे कुंग्य या से द्र *ने* ॱकृरःकेंन् न्दरः त्रदे । तक्षृद्धारा वाञ्चवाः श्लुः असः नुः हुरः ऍ८.स.जम भिवास.मझ.यदुःलट.झू८.दुं.सू.भैद्रः र्वेशने प्रेवा पर श्रेन रेश यहेता तु श्रेय यने र शे के

जुनापवन्ने नापावाक्षा

नकुन् नकुराहे नदे वें कुशार्ने वा क्षेटान्ट स्वार्वे॥

নাব্য:নাক্র্রান্রন্যা

८.क्ट्रुंत.श्रंश.स्यथा.ग्रेश.ग्रह.स्ट.चीट.मी.श्रंट.क्ट्रंत. ૡૡૹ૱ૹૄૼઽઽૣઽૡઌૄઌ૽૱૽૽ૢૺૠૣૼૼ૱ૹ૽ઌ૱ઽૡૼઽૡઌૣ ऍ५:३८। ५:वे:ळव:२ेग:५८:यम्व,यवे:ग्रुव:५न्रूयः ઌ૽૾ૺઌૢૻઌૺ૱ૢૹૄ૾ૺૠૼઌૼૹૼ૾૽૱૽૽ૹ૽૽૱૽૽ૹ૽૽૱ઌ૽૽ૡૢ૽૱૱૽ૺ क्चि के लिट मिन्ट वर्ष सुत्र सुत्र के मिराया लिया धित लटा टक्क्नलम् मिन्स्वार्म्हिना मुन्त्रेन् स्वेरक्ष्म्यस र्से ब्रिना-५-५६:प्यर-६मार्झेना-इ-माइन्सप्टें ५-र्से ५-ग्री: स् मिना प्रधेय तहार मी रिना क्ष्ये र पर्ने र रे रे या पक्षिया नसु नुरा हे : धेना यय ५ : दर्गे ५ कु हे : देन ह : तरा नयः के विरार्देव श्रेराध्वामधे प्रशासना विना धेवा विरा ৻ঀ৾য়ৢঀ৽য়৽ৼয়ৼয়৽য়ৢ৽ঀ৾৾য়ৼয়৾৻৽য়ৢৼয়য়৽ৼয়য়৽



र्वश्वकृत्रविः द्वश्वश्रक्षाः क्षेत्रविष्याः वर्षेत्रव्यश्यमः र्भे प्लिन्य त्या विष्ट्र स्ट क्षिम ने खुना व ना विष्ट विवान्यान इस्याने हिं र्श्वेन (बुन्नम्) हुन न्दान्येन सु श्चैवःम। वेरःश्चिरः दूर्यं रेग्या रदः ग्वदः विस्रयः दरः भ्रु-दर्रभःरेग्रभःग्रे-विगुर-वर्ग्रभःवःद्यम्।दशःग्रदशः ग्नेमःर्यूद्रम्मान्तेम्यदेन्ये सळेद्राज्यात्यात् क्रुंट-११र-दशः नाधुना-द-१२२२ हन्। सन् १५८० हन्। द्रानुस्त्रवासुनान्यम्हन्यवाद्रा देवितःश्चेतः यते कु र्से न्या ग्यार र्वोद सूर रें अपदें द रे हे र यर अर बन्। बुरःत्रशःमात्रसःर्रः ५ : ७८ : घटः तः क्वें : धोः मात्रसःर्रः हे : ेवनाचरात्रा क्षें <u>स्</u>रवाप्ट्रनायेत<u>् उ</u>रास्टास्नायेता"

बेशन्ता क्रेंतावरन्वीत्र्येरावर्त्तान्तेःहेतायरावर · १४ मन्या न्यीन्। वर्षे न्यो न्यो न्यो न्यो न्या वर्षे । वर्षे न्या वर्षे । हग्राधित प्रमा क्रिंत पर्वे प्रमान मुन त विष्य होगा न्दःस्यान्त्रेयान्त्रेयान्त्रेत्रान्त्रेयान्त्रात्त्रात्त्र्याः म्य.मूराज्ञेत्राक्ष्रंत्राच्या द्वाराचित्राच्या यायन रेसार्गु र्राचर रेसार्गु वेशर्भ केंग्र यार्बेशके रिश्चरायवसासरासे स्त्री सराश्चारिया हेवे. ळ्ट.चर्चे.रीश्रायययास्योशारीटाकी. इ.ला.श्रीयो.लटशायी वननःह्रम्या ५:५८:धुवः मुःवःवरः दग्नरः विवःवःवा माभ्री नेनामायन मन्त्रामा सुर्मे साम होना में लश्रानाब्दर्र, र्नुरः श्रेना क्वाश्राः संश्रेश द्वशः ग्राटः नाद्वशः मिलेशः क्रेंन् व्यवादीन याती नियम् व विश्वेष्यम यार्चेत्रवारान्ते करायननामने ह्वावायक्तर्तु देवा वहेंबामार्खेषायाना उत्सायता नातृतावहवारेयाञ्चरातु

January 119

न्त्रत्य्यत्रं देटाळ्याययययः याद्यत्यः द्वे द्वः याद्वतः वित्रः वित्रः

पविवः सेते : स्वाः क्रुवः द्वाः वद्यः स्वाः सेतः स्वाः स्वः स्वाः स्वः स्वाः स्वः स्वाः स

श्र्वाःसः भ्रवाः दिवि

र्सनार्ने स्वनायित्र न्यते स्वत्त्र स्वत्त्य स्वत्त्र स्वत्त्य स्वत्त्य स्वत्त्य स्वत्त्य स्वत्त्य स्वत्य स्वत



वेस्

श्चियः यह्या व्यया

ৼ৻ড়ৄ৵৻য়৻য়য়৻য়ৣ৻ঀৼ৻৸য়৵৻ঽ৵৻ৼৄ৻য়ড়ৼ৻ঽঢ়৻ড়ৼ৾৻ৼৢ **ब्र**ंक्रिंग्रस्भिग्। अर्बेर्स्ग्वेर्रा पेर्स्स्य व्रुस्स्वेरः र्भूर-य-नश्रवःर्भ्वे गिर्हेर-यावद-५-७८-१६८। धेद-दवर-ક્ષે.ખસ.તા.લ્રેંચ.વચ.સ.દ્વન્ય.ક્રેંવ.રનવો.ઘેર.ક્રૉન. নপ্দ:ক্রুব:আ ই:অম:ব্র:মিমম:গ্রী:নদা:ক্রদাম:অম: *য়ৢৢৼ*৽য়৽ড়৾য়৽য়ৼ৽ৼ৾য়৽য়৾য়ৢৼয়য়৽ঢ়৾৽য়৽য়ড়৽য়ৢ৽ नायसार्बेहरार्धेरासेदान्दा। दाळार्वेहरळनान्दार्वेदार्बेहरा नद्नः र्भ्रुवः र्भ्रेनः र्थेवः द्रमना हो दः रोवः प्येदा देः पदः ननाः ळण्यात्राचनार्येद्ग्यी:द्यराषीयात्रयार्थेद्ग्यी:क्रेग्ययादी: नहेर्-भ्रु-वेर-स्व-सेव-धेव-मश्र-प्रज्ञश-तु-पर्दे-द्र--पर्दे-

ૡઽ૽ૡ૽ૢૄઽૡ૽ૺૹ૽૽૱ઌઽ૽૾ૢઽ૽ૹ૽ઽૡૢ૽૾૽ૹ૽ૼ૾૽ૡૹ૽૽૱ *ড়*৽ড়ৼ৽য়ৢয়য়৽য়য়৽৾ঀ৾৽য়৽য়য়ঢ়ৢ৽য়ৢয়৽য়ঢ়য়৽ मदेः इनसः हत्यः देवासः सदः से ग्रुदः से द्या क्षेत्रः हो स्वसः য়ৢ৾৾ॱয়৾ঽ৾ॱक़ॗॗॱक़ॖॆঽॱয়য়ৼॱয়ऻঢ়ৢয়৾য়৻৻ঽ৾৻য়৾য়য়য়৻ৠৢ৾৾ঢ়য়য়৾৽য়য়য়৻ यशःग्वदाविगासेन्याने प्यत्सर्मेन्यान् । हस्रभः शुः श्रुटः नः नृदः नृश्रितः नः भुग्नभः द्रगः नहनः मा বদ্দাউন্দ্রাদ্র্যানত্র্যান্ত্রী বন্যান্তন্ত্র্যান্ত্র বিশ্বাদ্ধিন বিশ্বাদিন বিশ্বা *न्नरःवीशःदवुरःनरःचन्*न। यशःन्वोःभ्वायःदव्यशः नु नदे स्वाबिकारा स्ट्रम् है त्यसाया स्वेता है नदे स्वाची <u>ढ़ॿॴॱॖॖॱऄॣॕक़ॱॸॣॺॴॱॿॖॆॸॱॺढ़ॸॱढ़ऄॕॱॺढ़ऀॱक़ॱ</u>ॺॴॵढ़ऻ નાવાને ફિંદ્ર શ્રેયાયદ્ર દર્ને દાસાયયા માં લેવા સેયા ર્બેન્ડ ત્રેં| ને નેન્દ્રન ર્ફિન્જી એસમાન નુવાય ખેવાયો ના લેવા *न्*रा भरासन्र-नर्गेराहिनाग्रीसाक्षेत्रसावेनासूराउत विवासिकार्येदाळे। देन्देदार्ह्येदाग्रीःक्षेत्रकार्यादे उद्याग्रीः



श्चेुद्रार्थे से दारा चना नी यान कदार हैन ने निदादान यहा स ख़ॣॸॱक़ॆॱॺॴढ़ॆॱऄॺॳॱॻॖॆॱॸॻऻॱऴॻऻॺॱॺॺॱॻॗॖॸॱॸॱॸ॔ॱऻ য়৾ঀ৾৾৾ৼ৾ঀৄয়৽য়ৢ৾৽ঀয়য়৽য়ৄ৾৽ড়৽য়য়ঢ়৻য়৾ঀৼ৾ঢ়ৼঢ়ঀ৾৽ড়ঀৄয়৽ ययर-सु-सम्दास्य-मेर्ने सम्मान्त्रमायम् ळॅंशःसघतःगडिगाःहःर्येसःळेगाः तर्गेदःदगादःसेद। दसः क्रुवःरःळें अर्देशः यद्देवः ग्रेट्रायते विवासये विवासया नसूर्वा उद्यानमें दात्रा देश से दिन देश के वा प्रदेश का ना हे·स[•]श्चेतःग्रेसःसञ्चेतःम। वसःर्गेसःहेनःसःनदःर्हेतः व्यटमार्श्वेर्यवियान। कुःकेर्यानम्बान। मेरानीप्र *ॺॢ*ज़ॱॻॖऀॱऄऺॸॱढ़ॼॖज़ॱऄ॔ज़ऻऺॴॳॱॸऻढ़ऀ॔ढ़ॱय़ॱऄ॔ज़ऻॴॹॆॴऄॱ नवरःनरःनभूराय। सर्देरःम। मात्रुमभाधीरःरुविरानः यः नदः अञ्चतः पर्वे वाकः नदः व्यवः वादः स्ट्रेनः अत्यः

<u> यद्रमित के त्र हिंद्र ही से सम्मन्त्रे विद्राद्याय समाधेद्र</u> मिळ्.चटु.झु.लब.चीट.झु.ब.च.चु.चचट.चटु.झु.लब.लुच. त्या दे प्रविद प्रथम प्रवे से हें दे गुर के नाय से द नो नाय : बेद-दुःदज्ञुन-सर-चन्द्रा वीद-स्थ-हिंग्-सदे-ह्य-सक्ष-दें न्द्र सदे ग्रम धीदा द्वेर दा यम मर्ने द्वर हायम सूराव। मुराकेतावाधायार्देरातुवाबावा कराकेतार्वा वननःयः न्दः स्दः हेन् से स्वन्यः न सन् स हे हुः न वतः वहेंता श्वेतःस्ररःयरःवेरःविषयायाः वे नस्ररःवार्वेनः मार्शेन्या ग्री ही प्राया दी पदा पर प्राया प्राया विकास है र नर्मभाउत्राह् र्स्नेट्राच्यायाध्येत्राची क्यायरानेशावहेट्र *न्नाःनेशःक्वॅरः*र्हेवःस्यःन्नःनेःनशुरःवतुयःन्सः। <u></u> વેદઃતુષઃવર્ळः વવેઃર્શૄેદઃર્ક્ષેઃવદઃશ્વુદઃતૃષઃશ્વેઃવઘઃર્મેદઃગ્રીઃ द्वे देव वाषर्वः के यथ वहवा ववशः वेवाय द्र वज्ञेवान्याः ह्रेग्यायान्यः जुद्री।

Jay (1941)

व्यवाः र्सून्।

यमार्भूर रसः "सकेमान्" दे हैं क्रमानुभारतमा सु हुर नवे खें अपविषा समा का धीता रूट सेवे से अपेव हिस्स अ ग्रैअ:इअ:पाव:पदे:ब्रॅब:तुर:पत्अ:पत्र्राःवाःक्रॅर: **षर वुर षेर् सम्बन्धिय केंद्र "यन क्रेंन" वेश संदे** *ऄ*८ॱॾॅग्यरॱॆ्दॱਘ८ॱख़ॻॱय़ॺॱॸऒॣ॔ॸॱय़ॺॱढ़ॱॸॆॖॱॿॢॸॱ नन्नाया श्रेरायनाः स्रेराहे हैं नार्नेराह्य हैं सार्थानुर बदःसरःसःऍर्यानाहेशायःब्र्युरान्त्रशःऍर्। देनासदेः न्ग्रीयाग्रीःभीरासुराने यायमा हो लेखायर्ने ना नेते होरा सदः सि. विया क्षरः य बिरा स्त्री स्त्रा स्थापूर्यन्यक्षेत्रास्यस्क्ष्यः साम्ब्रीयान्यस्ति । ने प्राक्षेत्रः શ્ચુૈ'મવાયાં શ્ચું એન લેવા વો સ્ટ્રેન નુ પત્રવા સ્ટ્રાસેન સાવે છું. हिर:वर:रु:र्थेश:सुग्राय:वर्ग:नर्भेर:व:रेश:ग्रीश:सघर: भूरावशास्त्रामानायास्यायन। पदीवीर्रादेवी

यन्त्राः हेश्रासदेः स्ट्रॉद्धेन्त्र्वाक्ष्मः हेनाः ग्रह्मेन्यः स्वनः वन्त्रः स्ट्रास्त्रः स्ट्रास्त्रः स्वनः स्वन

भासा-मुलानदे वनमा

ॴॱदेवांशक्ते वॅन्यदे वि:बश्यक्रेवा कुचुर संविवा न्टा <u>ছিদ্ৰেম্বের্ট্রিলাশেশেমর্ক্টর্ব, ব্রক্ট্রব, বর্মান্ট্র, বার্ট্র, ব্রু</u> <u></u>૽૽ૺૡૢૻૣૣૣૻૣૣૣૻઽઌ૽ૼૼૡ૽ૺૡ૽૱ૹૻૼ૱ૡૢ૱૽૽ૺૡ૽ૼઌ૽૽ૺૡ૽૽ૺૡ૽૽ૺૡ૽ૹ <u>ર્શ્વે</u>દઃવ્યયત્વઃફેવૄયાએ:તુવઃવવે:વ્રવસ:ફ્રવ:સદ:ધેં:ફ્રેદ્ર: व्यन्यायमाळेमामळेमानु शुरायाची वनायान्यानु য়য়ৣ৾৾ঀ৾৾৻৴য়ৢঀ৾য়৻য়৵৻য়৻ৠয়৻ৼৢঢ়৻ৼৢঢ়৻ *६*र.ळगश.बेट्र.सर् गलग.खग.गर.*चर*.मे.स्.ट्रे. न्यास्र नम्यम्। दर-न् क्रुट-र्सेन्यास्र पर्मे नर-ग्रमः



रगार्डा

रनानुरारमानुराकेवानु मन्यान्यायायात्री स्रामेशि र्वेन् मी वर्षे स्रामेशि स्रामेशिक स्रामेशि स्रामेशिक स्रामेशि स्रामेशिक स्रामेशिक स्रामे

जुना । व की ना । । व । ६० (५

यम्बारायायायात्रित्। देतास्यतायात्रम् यःकन्।यन् व्रुःन्येवःके।वन्।नीःनेन्यःयेवयःयशुःन्न। ख्नापर केंश सुँग्रा भी होता क्षेप्ता मान्य करा दिया कें यदुः श्चित्र पडेता योहेरः श्चियाशा नर्योद्य । विश्व । विश्व । तुशक्तेत्रची भ्रम्भानशक्तिम् शन्तु । तुन् नुनु । सः स्मान्य । सर र्भे विषायाचे रार्श्वे रार्श्वे रार्श्वे रार्थे न वना हि दुन नाम न दुन न सुन न सना हि न सुम *८८:यवे.* श्रृयायाया हेयायाचे स्वायाचे स्वायाच के.ब्रेट.सहेबी.स.स.जी क्रुबीय.बीश्वर.मी.चर.सक्सय. *न्*र-नृत्रायार्श्रेषायासुरन्त्री सळत् त्री: दे से पायायानदे : पश्चर ५५६ वर्षे पश्च ५ १ ५ मुरा क्रिया क्रिया है। न्दें अ दे । बद्या अया रवा वी या या विया या या निर्मान चन्या स्वेदे हे : चन हे चे अ स्वेद : छे : द्वर मे अ से : स्न र



र्ह्रेन्यान्त्रित्येव। देश्ययात्रम् नित्रेत्यात्रात्रः

र्नेन्-नुःगशुन्-हेन्-र्भेनाःश

अदशःक्तुअःदिद्देगःहेत्-दुःईत्-चितः-दर्गिअः-चःदी अेअअः ठतः चस्रसः ठट् स्वा नस्यायसः र्से वानदे केट्-ट्राधेतः बिटा। अदशः कुषः ग्रीः नश्रुवः यः यः खुदः दृदः हैं ग्रायः यदेः *বয়ৄৢয়৻ৼ৻ঀ৾ৡ৸৻য়ৣ৻য়ৢঢ়য়৻ঽয়৻ঽ৻ৼ৻ঀ*ঢ় वी नमून मा बुद विदा दे न मार्ने वामा परे न मून मा वुरानाधेवायाने नवेवान्। सरामे में नानाधना नभूत्रान्तु नहेशमदि हेत्र दर्वेषाया ग्रुट ईंग् सर त्तुरःतःधेत्। देःधरःस्रः ठवाःवीः क्तुत्यःस्वरुः द्रहर्केशः व्हुदाययार्थे के यमाकेमा केरा मुस्यायाया ह्रिया विद क्वितासूर्वे वे ते त्वाद्य विश्वेता से वित्र स्थान

त्तुः क्षरः वी : भरः हेरः वा शेरः विवार्टेश वा नौतुः इता हो श यदुःश्चरःश्च्रैरःस्रम्।यमुःदर। यर्देःस्रे:ब:यर्द्रम् म्योरेरः **ग्रे** अर्केन हेन हि.चान न स्थान हे स्थान स्थान होते. र्मेशःसॅरः पठशः तुरः वेरः। क्ष्यः देरः द्रीपाशः दशः र्ट्टरेदेट्याक्त्रुवायद्या अर्देखार्थ्या वासर्हेगार्ट्या <u> पातुरश्रास्य स्थाने पुणाना मुज्ञ होशा मुगश</u> हे सूर र्वेद्राया:अदशाक्तुशाग्री:वस्नृद्राय:द्र्यु:वह्नेश्रायदर:वा्रुद्र हेत-दे-द्वान्तुदःवरःळंदःवद्देतःयःधेतःव। क्रु:द्वे-वेंद् न्नार्चनायरावश्चरावाधितावेटा। वेन्रिक्तेशस्यास् र्वेशःग्रदःदेःद्वाःधेदःदःगुदःग्रेशःवेशःवश्यःस्ट्रा देः *षदः मा*इदःर्दे मायदः न देयः यह मायः यद्भारा स्त्रिः माम्यः *ॏॖ*ॱम्राशुर-हेद-दे-द्यानी सःधिया महद-र्से याग्यद-वः दी भितार्स्राम्नास्त्रमानेस्यान्त्रमान्यसालयासर्म्रम्



हेत्र छेत्र संदेशम्बुह्य शुप्त वृत्त स्थान्य स्थान्य

र्ने ५ ५ तु भु हे व र्हे मा या

यनार्से नु नदे श्रेन न्वर सर्वे र नर नु से से र श्रेन श्री *विविवान्त्रस्थितः* स्थान्त्रस्थितः क्षेत्रस्थितः । दे हे अ हे : कें. १६१२ दश हे : कें. १६१३ वर वगव १८८५ वॅर अर्टें बूंब कुं न्यें बर्वे न वरें न वरें गुर हे कुव न्तः। भ्रान्त्र्वायर्वेत्रःनवे क्षेत्रः क्ष्यः न्वरः व्यायः नवः विष्यः नवरः विष्यः नवर षदे से चर दग्र से कुष भ्रुव के ष्य र सर्वे स्वाय प न्दःनुषासहसायियानानविद्या नास्यराष्ट्रीताङ्कनषाण्चीः ळंद्रापायाप्याचरार्दराज्याची चर्से द्वयंयाग्री विटार् धॅर'स'यरेदें।।

Januarianian

अर्केट्-हेद्र-दी बुन-धर्व-ट्न-भेर-बहेन-हेद्र-व्हेट-अ· विश्वरमार्वेदावमार्थेदादी क्रियात्रामिवित्तुःर्देवाश्चना र्विरः अर्केन् हेन इस न्यानु र नु होन् छै न्यु अ होन् छैस नवर्वसार्वातुः वृहानराम् वहाया सहसामुसासा शुवर सर्केन हेत ही रेग्या सर नु सेन सर ज्याया ર્નેન્', ભુવાનુ અર્જેન્ કેવ છે કેવા અલે 'હું કે 'કે 'ને વાલત नड्दान्ती सु नुषा शु नाये र नी यके र हिदाह्व नार न विना तुरानादे । अर्केन हेतानी र्जेना अप्येताया दे हे अप्तरा रेअ:घर्य:अर्केट्:हेद:ग्री:रेग्य:घवेट्य:श्रुद:अट:ट्:ग्रुट: यात्रभा यश्रमात्रभाश्यात्रम् स्वर्मम् स्वर्मात्रम् स्वर्मी यर्केर-हेद-र्शे-र्शेर-पेर-ग्यूटा देट-श्रूवश-ग्रुवाशके: न:दे:हे:र्स:५:प:५८:। दन्नशःश्चुदश। अ:सर्दे:श्नु:दनुस:

ॲग्नशर्*श्वःसहयःक्तुः*ॲन्:मदे:चने:ग्नेवाशःसर्केन्:हेत्रः नकुर्ग्यु नर्जे नर्गेर्र्र्र्र्यम् धेत्रया देर्यायम् दरके न दी। बदाकुन सर्के दाहे व दरा व व सामाना सर्वे द हेत्रपिहेरायाचीत्रायाधीत्। यर्केत् हेत्रकेराञ्चवि हेत्रत् तुषायषायदेरारे र्श्वेरमुराउषायभदायाया वर्ळेटा हेत्रची:नरःरेस:नविष:इत्र:म:हेर:नविषा:नवि। धर:द्या: सर्क्ष्या येत्राहेया<u>ग्रेत्र भारती येत्रात्र ग्रीट</u>ाक्ष्या <u> অব'অবা'ন5্ব| ই ম'বেধবাম'অম'অব'অবা'নক্স্</u>ব| क्रॅंश दिन् नडु ग्रुंश ग्रेंश स्निश पडु न्ट इत्य हेर:चल्वा:वाशुस्रा श्रुवास:हे:सर्ने:वाशुरस:ग्रीस:श्रुवास: हे के त में निर्मेर में हिन्दि के त है है है महिराग्रीकाहे स्ट्राहे स्ट्रेन्गी यहितामा महिरा यहिता

Je can lightigh

र्हेनानीयानिहयासेन् सुरायह्नायळेंद्रायानस्यार्थे[

यदे मिलेग्रासर्कें द हेत यक्का

यार.लर.सेय.श्रेश.क्र्याश.सदे.क्र्रिंग.पश्चीम.याबीम. यवना विवास ग्री हेत यदर हत हैं मा रट मुला वेवा ळेत् ॲॱॲवेॱसर्ळेन् ॱहेत् ॱॲग्नशःत्त्रसः ग्रद्यास्य सदः नुः ॲन् . युरा। देर:बर:बर:बरे:श्रेःकेंगब:बर:दर:श्रुव:के:व: ते[.]यदे.यशेवाश्रःशक्टॅरःहेत्रःयक्कुरःतुःग्रयश्रःयदेःदयाः ૿ઌૺ૱ૡ_ૢ૽૽૽ૡૡઌૡ૽૽ૺૡૻૹૄ૽૽ૹ૽ૢૺૡ૽ૺઌ૽ૼૺૠઌ૽૱ઌ૽૽ૹઌ૽ૣૢૼૺૼૼૹઌ द्यार्चिनासान्तेनासान्ता सन्सूर्याद्यार्चेनासान्तेना मदेःक्ष्यानिष्ठेयाञ्चिराधरः। मदःश्चरयाञ्चनायरःज्ञेरायः व्याः

१ मन् श्रुम्यायर्केन् हेना

क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

<u>देॱॴदः नद्याः च्याः चीः ब्र्हें द्याराः भ्रुः नद्यस्य स्यतेः क्रेः यादे र</u> <u> खृ'मक्तुःईत'म'न्दा मृत्तुम्भ'क्तु'श्रेदःर्ये म्थ'म्</u> कुलार्सिकेदार्सिनिही सुरार्सिके सर्केना हि| नासुरा हुना क्रॅ्रेट्स अर्जियायायायुक्त महिन्द्र स्थानियायाय्येया द्युरः चरः म्राम्यायया स्थित्राया वित्रः में सामा नित्रः ববুর র্বিমানমামন্ত্র, স্তুমানাদের হর এই আনমামনা শ্রুমঞ য়ৢॱয়য়৸৸ৼ৾৾ঀ৻য়ড়ৢৼয়৻৸ৼ৻য়ৼ৾ঀ৻ঢ়৾৻৸য়ৣ৻য়ৢৼয়৻৸৻ र्वेनायर नश्चेराजेरा वर्ते देन्द्रीनरा दे ह्या से दर वर्विन:नवे:वन्य:वयः भ्रेय:गुन:नेय:यः वेषायः सळेंतः <u> ब्रे</u>न्'मङ्क्तरे'क्र्स'स'उद्ग'नर-'देस'नद्वेदस'नत्तुन्' नुतर मु नुर नर मु सुर मा मह नर विषेत्र में भ শ্রুষ্যমর্থী।

१ গ্রদ:ন্ত্রন:মর্ক্রদ:ন্ট্রন র্মুব:নম:মানা:ক্লু:নন্ত:ন্ত্রন:গ্রী:প্রিদ:



र्वा। इ.५८४.शुर्यात्म रच्चित्रश्रमी यीटावाश्वश्रस्य प्रम्याचित्रस्य रिश्रम्भेतासूष्ठावित्रास्य ह्याश्वास्य श्रीटासूर्य श्रीयाश्वर स्थान्येत्रस्य प्रमान्त्रस्य स्थान्य स्थान

३ नगःविशः र्श्वेष्यरः।

 जुनापव केन्या वाक्ष

क्रिय्य स्थितः श्रीयः श्रीतः स्थितः स्थि

र्स्त्रच्यास्यस्य स्वीत्र्यस्य स्वीत्र स्वात्र स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्र स्वात्र स्वात्य स्वात्र स्वात्

५ युःननशःसर्केनःहेत्।

त्तर्रान्तरुषान्तरे क्षित्तर्त्तर्वे स्वान्तर्वे स्वान्त्यत्वे स्वान्तर्वे स्वान्तर्वे स्वान्तर्वे स्वान्तर्वे स्वान्तर्वे स्



ध्व'न'श्रुअ'हु'ह्र'गश्रुअ'ध्वेते'सर्केन्देह्व'नु'ग्राग्र्या ८ न्ह्येव'त्न्य्यसर्केन्देव'न्हेव

स्वास्त्रस्ति । स्वास्ति । स्वासि । स्वास

य इसामुत्यासर्केन हेता

मञ्ज्ञन्यस्ति । प्रद्यस्य उत्तरम्य स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्

जुनापाव के नापाव १६० (५

য়ৢঀৢৢৢয়ৢয়য়য়ড়ৄঢ়৻৳ৢঀ৻ঀয়৻ৼয়৻ড়ৢঢ়৻য়ড়ৄঢ়৻ঢ়ৢঀ৻ঀৢয়৻ য়ঀয়

१ सुर:यन्य:सर्केन:हेता

क्रॅन्न मास्य मुद्दस्य मित्र मित्र

Januarian Januar

श्चेंग'या

न्तर्भः ह्यूर्या से स्वायः ग्रीः क्रुवः र्वे सः द्वेतः स्वायः स ঀ৾য়য়য়৾ঀড়ৢয়ৢয়য়য়য়য়ৣয়য়৾য়য়য়য়য়৾য়ৣ৾য়ড়য়য়৾য়য়য় *चैना* स्रे। सुभायायह्याबेटार्हेट् के नाया बटाहवा के मन्द्राम्बान्त्रभामित्र षःर्से इन् ने केना षः सुना सन् सन् कुन् दस्य न् नु न् र्थे: इया गडिया यः नरुदादशायक्कदादर्वेशः भेदा। वर्डेः ष्ट्रदशःषदःवन्यश्वःतःद्वसः अहेतः त्वसः हेः वर्षे स्वार्यः स सहेर-ग्रुमः दमः नर्जे : द्वाया महिमः स्पृति । दरः नेरः सम्मा <u>ন'নশ্বेঝ'ন'শ্বন'ঝধ্বুল'ন্ব'র্ডঝ'রুল্ঝ'ন'ন্ন'</u>ঝহন' नवि'न्ग्रेय'नु'वयम्बान्यादेव'नेचेन्यानकुन'हेबा *ફેત્ર ફેર્્યુ પ્*યસાસસાયા ત્રલ્યા સ્ટ્રેપ્સફેટ માટે રાકસાસફેટ न्दा धरार्चे निवे न्दरनु र्ने न्दरन् राष्टुराहा र्क् डस जुनागाव की नागावाद्धा

र्श्रेनाश्रः सुनाश्रः भीतः देवे व्यतः सन्याश्रः सन्यः सन्यः त्रभार्मेदासद्धद्रभावत्रमाहेशासहेदायात्रम्यास् <u>बेर</u>| दर्ने गृहेशयहेर् श्च । पर प्रमाशय । यह । यह । ऄ॔॔ॸॱढ़ॹॕॱॸॱॺॱॿॸॖॱॺॸॣॕॴॱॻॖॸॱॹॗॱॸॕॸॱढ़ज़ॺॱॸ॓ॺऻ न्यर्यकेन्नुश्रायदेःश्चिमायार्श्चेन्त्युत्रस्तित्वर्यन्ति *ॸ्ॸख़*ॖॖॖॖॖॴॱऄ॔ॻऻॺॱॻॖऀॱॸ॓ॱक़ॕॹऄॸॱऄ॔ज़ॱॻॖॸॱऄ॔ॸऻ *षर*-दर-र्सेन-ब्रुबान्धुन्नशन्त्र-अन्तेन-अन्ति-अन्ति-अन्ति-अन्ति-अन्ति-अन्ति-अन्ति-अन्ति-अन्ति-अन्ति-अन्ति-अन्ति-अन्ति करःकुःवर्गेनाःकेदःभेदःस्यःद्वरःस्नाःनायःस्नाःअनः यःगर्हेग्यः सेन्। सहेन् स्ट्रांग्नः चुर्यः ग्रहः यग्यः *ॱ*ঀ८ॱङेशःयःभ्रेतःपादःसुवाःयःश्रेवाशःग्रेशःवर्डेशःयदेः *ऀ*भेरःदरःर्से बेरःरुःर्सेरःग्रह्मसम्बेरःदसःदरःस्टरः र्वेषाबेराम्डेमायमारेरामाबेमायार्थे।मासुरासुरासरा र्भे पर्वे देने प्रमानिक स्थानिक स्थान



*म*रःगहेशःनकुरःहेगःनीशःनध्रःहेशःसगशःभ्रेःवेगः मरःसर्वे गहेशःग्रेशःनतुरःवेरःश्वे गठिनाःमन्यश्वरः <u> ५८.सक्षास्र प्रचात्रकान्त्रस्र स्र</u> सम्बद्धस्य सम्बद्ध नावत-तु-दर्शन-सदसासहेन-नर्गेमा ने-सून-सनामः <u>सहेर्-र्रस्विन्निक्षिक्षः हेर्न्न्विन्यस्य स्वाप्यम्य</u> রমান্থামন্ত্রিবারিনা। বর্ষিক্টার্ক্রামানরান্ত্রীপ্রমান্তর্ ष्ट्यात्र्यायञ्चात्वेरायळें यायाया वर्षायायाया यवारा न्द्र-भूर-र्डेन्। बु: न्दः देन्। बु: क्रेन्। क्रेंन्। क्रेन्। क्रेन् नवि नडेग्रयाथायः नडेग्रयायार्ह्यायान्याना निहेशपानिः केंत्र क्षेप्त स्थाने देशे से त्राने क्षेत्र प्राप्त स्था



ર્સે : ઋગાતા ના ક્રેંત્ર : ત્રુગ : સેંગ : સ્વાન્ય : સ્વાન્ય : સ્વાન્ય : સેંગ : સ્વાન્ય : સેંગ : સેંગ : સેંગ : र्थेत्रार्भे स्पान्यस्य स्वानि स्वानि द्वा मि स्वानि स्वानि स्वानि स्वानि स्वानि स्वानि स्वानि स्वानि स्वानि स नारानी नान्त्रसानु का तु । दूरा हुतु सना या नारा तुरा से राहें। ઽૹૻ૽૽૿ૺ૱ૺઌ૽૽ૺૡૢૹૣઌૺ૱ૢૹૢઌ૱ૹ૽૽ઌઌઌઌ૽૽૱૱૱૱ *न्*रःक्ष्र्वाःक्षेवायःनव्दःयःग्रेन्ययःयःवन्।वःक्ष्यःग्रेःकुः क-न्तुवाधुना सूर-रश-न्दः में शक्तेत्र सूर्वे नाशास्त्र बर्देन:बर्श्वेन:य:बे:बेन:य:बहेश:वेद:खुश:य:दें:नवे: ঀৣ৾৾ঀ৾৾৻ড়৵৻ড়<u>ৄ</u>য়৾ৼ৻ঀৣ৾৾৻য়৾ৼ৻ৼৼ৻ৼঀৣ৾ঀ৻৸৻৸৻ৼৢ৵৻ৼড়ৢয়৻ धे*त*ॱश्रूनश्रानर्वेॱइत्यानेनामृत्रुन् नी'हेनाहाः कुनः नुः नत्नाः *ॺॢेॱ*ॸय़॓ॱॻऻॺॸॱढ़ॊॺॱਘॱय़ॱॿॖॸॱॻॊॱक़ॱख़ॖॻऻॺॱख़ॱख़ॸॱॾॣॆॕॺॱ ह्येन् संदे रत्या ना प्यतः न स्रेतः न विषा से न

January 1

<u> अ:५ग|२:ज्ञुग|अ:५दे:अर्ळें द:र्नेत</u>|

र्रे देवे में द्रि में द्रि स्थान्य मुख्या स्थान हिस् हिअः शॅग्रथा ग्री:र प्रदे हिमार्देश वाश्वर है । द्रग्र र द्रथर त्तुना पते : क्रुत : श्रॅल : नावद : में दे : तु श : व श : व श : वे स <u> अर.चर.री.अ.केश्रश्राचर.वीर.च.परी.लुच्यी री.लर.ची.</u> N'रो'दन्नराष्ट्रानुरासर्ळेंत्रत्नान्नापरायाः केर्नारार्वे र्टा चिश्चेचात्वचाचिरार्टरावरीचिरा क्रिन्नमाचरा सः য়ৼळेॱঢ়ঢ়৾ঢ়৾ঀ৾৸য়য়য়ঢ়য়য়ড়৽য়ৼয়ড় नाइर विर ता श्रेन से निर । क्षे त्वाया नायशा नायित वा अ:क्वे:त्वार्सें मार्केवानदेः श्रेंवार्धेना ने नित्वेतर्केन्यनः अर्ळें त[े]त्रदरः हे गःरें अः दीर्शः वः शः रग्नरः दरः र्ह्ने व्यवशः दर:वेंग्रयायायाचा है द्या में दरा ही वेंग्रयाया शुर्द्रयर में यार्श्रवादीरा श्रवात्रावात्वरादे व्ययार्ह्हेता हे यार्श्रवाता ५८। ४१क्वे अँग्रांश्याम्बर्धियान्यः स्टास्ट्रीयाः पुरस्याः जुनागाव की नागावाद्धा

यदर:ॲंट्रा अ:ट्रको:चगव:ह्रेट:वी:ट्रकेंद्र:य:विवा:यदर: अ.डे.पार्श्रेषःक्षरश्रःश्रःवर्श्वरःच्यात्र्यः। यारःक्षरः दे-दगःगर्भेवः नवे दर्गे अर्देव दी वि कुअर् नवर दग्ने यमः १८१ देवामः वासुसः सर्वेदः में मंगमः सर्वेदः ग्रीदः र्षेत्। यरे सूराव त्यायवे केंग्रान्य वर्षा वर्ग्य दिये र्श्रेवः त्रुदः नः वेदिः सः स्वतः विदेशां निष्यः वदः विदेशाः विदेशाः विदेशाः विदेशाः विदेशाः विदेशाः विदेशाः व नरान्चेदासदे ह्नाया शुर्या है दिग्रादार्थे दिया विस्रया नाशुस्रान्यरानु त्रतु न्यते ह्यासाशु न्यरासी के न्र नर्केन् त्रस्य क्रियायर ग्रेन् पति हुन सुरसेर में। न्या नवीनाशासे सम्भन्न वाका संदे हुन सु द्वना में नार्के लान म्रे वे मुगन्तरम्म मिष्यम्म वि सर्वे मत्या पर व। अः हेन्गरः वें अः श्रुवः रशः ग्रीते। वना वें अः श्रुवः वर्हे है। नमर सेर महिसान क्रिसाम संस्थान स्थान स्थान न्चन्यःयर्क्षेत्रःदे॥



ग्रन्थः

यन् सून्याययायन्यते सुन् नु न् र्रे ने नु न्याया न्य-१८८। म्रास्थ्रिक्याः अधाम्यास्ये स्थ्रिकः स्थ्रिकाः वर्षे र्वेर-होर-प्रायायळ्याबेश-रहो-प्रायहोर-प्रायीदाया हे-महिषातुरातु त्रेया प्रते सूर्या सूर्ययाया मरावळ्या बेशम्बर्माञ्चरामा देः आदा न्यासायक्रामी र्शेषा র্ষনামন নার্ট্রমানর র স্ক্রিন ন্র্রর মহ্লমেন্ত্র নের্ন্তুর নার্কা **५८। विरामीयामययाययाम्याम्यम्। वरामवेरया** *चुनःसह*न्देःक्षेदःक्षेरःष्ट्रःगर्सेषःषडेःसुनःग्रेःनर्वोत्रः सर्विर:र्सेग्राय:हे। सुःर्क्षेग्राय:सेत्:सेत्:सेत्राय:त्राय: *મું.ત્યન્ૠું માનુમાના* તેતા કું તા સું માનુ માનુ માનું માનુ માનું માનુ માનું માનુ માનું માનું માનું માનું માનું માનું માનું માનુ वरःर्देवःदरः अञ्चवः प्रतेः श्रुः इत्यः वदेः ग्रायः ग्रेहेनः ग्रवरः बुटा। र.केंद्र.चर.जु.रू.कुवा.कूट.चभिर.चभि.कंबा.क्षा ज्ञेन्याव क्रीन्याव १६० (५

क्चै[,]व्य_िक्षःवक्कुन्र्यन्। वायनःश्ववायःवायनःह्नेनःवीः क़ॗॣॖॖॖॖॖॖॖॖड़ऄॣॱॺॸॱय़ॕय़ऀॱढ़ॸॱॴॸॱढ़क़ॺॱढ़ऀॱक़ॕॖॴॶॴॴॱॻॖऀॱ र्विद्रशसु:वर्हिवा्श्रःस्थःवाश्यदःचःद्रशःसदःसहंदःदेःश्रॅः श्रृपुःस्रुच।वटालशाम्बवि, नुःसुमा खेवा नस्रूमः श्रृता सेन्। यर मान्या ५ व्हार केंद्रे त्या क्रुव सर्वेद पति । ब्रिंस च्यास प्यार तकस हो र पद ख्यास र्से व पद र दे *বৃষা-*হব্যানত্ত্ব, মহিমান্ত্র মান্ত্র र्ष्ट्रेव ने न प्रते र में प्रत्य न में में में प्रत्य के में में प्रत्य में में में प्रत्य में में में प्रत्य खुन्नशन्दरवियानदेश्ङ्कास्त्रयादीनाधिदाधारा। खुदारेरा ઌૣ.^{ૹ૽૾}ઌ.૾ૢૢ૽ૺ.^{ૹ૽૾}ૼૺૺ૾ૺૢૹ.ૢૻૢઌ.ૹૢ૽૾૽ૢૢ૿ૢૹ.ઌ૽૱ लवर म्र १ वळ अ. म्री इस १ मा ने १ व हो स ર્વે ૬ કે ગુરુ કો ફાર કાર્યો કો કુ કાર્યો કો કુ કાર કો કો કુ કાર્યો કો કુ કાર્યો કો કુ કાર્યો કો કાર્યો કો કો ક <u> ५८। १.ज.त्क्रम.क्रम.वे.श्</u>रीम.वोर्ट्रम.यदे.श्रदे.क.चुन् *ॸ*॔॔ड़ऄढ़॓ॱॿॣॸॱढ़ॖ॔ॴॸॖॱॻॗढ़ॱॸढ़॓ॱॿॣॱॸ॓ॴॴॻॖऀॱक़ॱॻॖॸऻ*ऀ*ॸ॔ढ़



ক্রিমান্ত্রী:মূল্মাক্রমার্মান্মান্র বিশ্বরাম্বর বিশ্বর क्रुंब दर्गाया संस्टर द्रयय हेर क्रेश सर दर वर्गेर भूनर्या ग्री क्या शुः वृत्राया हेता यहेता हिना सरा धेना क्ष्यान्यायायार्येदेगम्ब्रह्मायाय्यायायाया निराधितायरार्स्याकारान्त्रभूनाकवा नुराकेता कु म्चिटा मट्येटा हेटल्याया हेर्ट्या ट्या उर्ख्यायः न्रॅंग्यः हुरः वजुन् वाशुका छेन् सं धिवाया ने प्यरं वारः वक्रमाम्रीम्ब्रमायळ्यायान्याम् अन्यम्बर्धाः गानी विषयानार्थेष्य सम्भित्राचानी विवा वी :क्रश्रास्त्र वार प्रक्रका हो र प्रवे : सून शर्र र प्रसूत दशनेर्धेर्ने हेर्ने संस्ति विस्वक्षा ही द्वारा हरा वा न्व्यान्त्राचार्यः भ्रात्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्या मीयासबदाम्डिमानुः मह्यायदी यहार्थे दा हेया हैया होया दर्वे दःदगदःषदः। वादःवळ्याव्वेयानश्चवायाःश्चे व्ययः

र्श्वत्यः न्रस्यः व्यवस्य व्य

युगायळ्या सूरमा

January 119

र्देन डे खेन सन्दा धुना वळवा श्रूट्याना वड खेन खेन रे लेना सना सेना हु सुराध्या देवे सूर्य हुट बट न्यायवा सर्वा प्रमान हुना वळवा श्रूट्याना वड खेन खेन

ક્ષુત્રા'વळव'-त'ते'खुर'-दत्रा'खेन'ताशुर्थ'कुर्थ'त्नुर' ब्रेन्यन्त्। स्वायीस्वायकव्यन्तः वे सङ्ग्रेन्न् सुरुष न्दःश्रुवःळेषाःग्रेनःवर्देवःग्रेनःय। धेनःग्रेःग्रुषायळव्यःवः हे'म्डिम्'र्द्र-स्थार्सेश्यम् स्थारी ह्ये' नंदर्यया नर्दे। दिदेः *न्वॅिश्राचावे सुगापळेला दाशे के ला क्वेदान्द*न नरकन् बे'वज्जूर'न'**न्र**न' भ्रुत'श्चेुश'र्श्चोबश'रवे'र्हेद'र्बेरश यायर्हेस्रायाये पादेवार्मी सरमा मुसान्दा सुराये होता क्रन्यायहुनायाद्वरः क्षेर्यास्त्राची स्वेतास्त्रीयायदे । ळेट.र्ट्या

युवापळवाणुवादी रहावी सम्वदे ह्वासाहहा यारवसा

क्रुक्तात्व क्रीक्तारावाद्धात

क्रुंगःभ्रीटःचक्रशःश्री। सक्र्याःचश्रिम। लाःदमःचीःस्रेक्यम। समियःपर्मेःदटः क्रुंगःस्वःम्बरःस्याःचिःस्रेक्षःस्याः

युना पळवा सूर्या दे चया से सुनया सूरा सुरान से हिना मङ्गानायान्ते,यद्गायान्य,यन्त्रमायाः स्वात्रीयमायाः र्शेन्र हे प्यव खुंव श्रुण उंश शे नुत्र न देश शर्मा यह सर्छेवा <u>देःदश्चात्राक्षेःक्षे</u>ुःदेःदश्यास्त्रीदानाःक्षेदानाःनाशुस्रात्यः *য়ৢ*৴ॱनॱतेॱरेसॱनवेत्रस्य रामाधेर्'ग्रेॱश्चेतःसः घससः <u>इर.पर्या.स.ररा जियाग्री.स.कॅ.स.स.स्य.खेस.यी.यी</u> न्ययानान्ता वनायम्यानियानिया सुरासीनियानस्या <u> अ.ज.सच.क्रे.सियो.घेश.सश.</u>ह्य.ब्रूटश.देये.क्ट्रेट. क्रमाया वे.र्सरा यहे.श्रम र.क्रिया समर्द्रम श्चेनःसः



नशरे क्षरा

युनापळवानावमा १। हैनमासाळेंमाहेन्छी।युनाहे *र्*टावी सेससास्यास्य स्थान्त्र साम्यास्य स्थान चित्राच। इ.क्षेत्र.पर्ज्ञा.बु.य.द्रथाया.कं.त्यत्र। इ.क्षेत्र.क्षे.ता कु'नवना'न्रा हे'सूर'सर'य'सर'नवेद'न्। |र्रामेश र्राची प्रेम् राष्ट्री विवास सर्वे रावार प्रेम प्रेम धेवा। वेशःश्रा। १। ५गुःश्चगश्रः क्रुन् नभूनः यः ५८ः। ग्निस्यारम् न्नराम् न्नराम् स्राप्तान्यस्य इव.चश्रम.केव.मी.म.सम्सम्पर्यात्मयः नर्याः वर्षाः भ ग्रीमाशस्माते स्यायस्याय प्रस्य स्या न्नो पन्त क्या रमनी ह्वा स्रश्ना विषय प्रदेश सम्बुना ग्रुअप्यार्वेद्रानुत्वे अप्यतुत्यानदे देता 👟 ग्रुप्तार्वेपादे ५। नवेश:मुनाःवे:पार्नशहे:र्ने:क्वारेश:या अ:रनशः

क्रुक्तात्व क्रीक्तारावाद्धात

तक्तान्त्री। १०। नक्चरःस्वमान्ते स्वसःस्यान्त्री स्वतःस्यान्त्री १०। नक्चरःस्वमान्ते स्वसःस्यान्त्री स्वतःस्यान्त्री स्वतःस्यान्तिःस्यान्यान्तिःस्यान्यान्तिःस्यान्तिःस्यान्तिःस्यान्तिःस्यान्तिःस्यान्यान्ति

ने द्वारा स्वार्य स्व



<u>इव्-द्रमु:इव्-चुक्य-हे-ख्रम्|-वळव्य-च-द्वे-स्ट-मी-मृत्तुम्बर</u> र्रे भूगायागृहर्याच्याययायत्र्येत् केत्रेर्ये सेर्ह्या ૡૢ૽ૢ૽૽૽ૢૻ૽ઌ૱૽ૢૼૺ૾ૡૢ૽૱૽૽ૢ૽ૺ૾૱ૡૄ૽૾૱ૡ૱૱ૢ૽ૺઌ૱ૡ૱ कें भ्रेन्पाइट र्वेन्प्न अटका द्रशामया सेंप्न कर्णाया प्यट <u> इ.स.स.स.च. ५४५ च्या ४ स्त्रीय १५५ म</u> वेग्रथः यरः से 'यरुदः यरः व्यवाः याष्युवाः रुसः हो रः यः ग्रेन्य। यग्रसंत्रेयासायासनासनाम्याह्यस्य न। अराष्ट्ररावदे के भ्रेराम इरावें राधे नश्ररावर भ्रूर য়ৢঀ৾৾৻য়৾ৢঽ৾৻য়৻ঀৢয়৻য়৾৾য়৻য়য়ৣৼ৻ড়৾য়৻য়য়৻ঀঢ়য়৻ वसाम्नान्त्रम्। स्निरास्रमान्त्रसाम्ने साम्ने स बुर भुर हैं कुन हु भ्रान केत्र में पिंद मदे भ्रु न मेत्र मर বাধ্যদ্রম:র্মা।

ज्ञानाव के नागा वाद्या

समुद्र'मः शुद्र'निद्री

नःभक्षेत्रःमः नृदा। योगाशः हेशः ह्वरः द्वेनः पदेः यसः र्ह्रेन स्मानु विषा धेन स्मान *ব*র-ক্লী-বেম-মন্ম-ক্লীম-ট্র-শ্লীম-বেম-বাইবা-वान्त्रिन्यासान्ता रहारेते नहसार्बेह्स्सासुनानुसा महिनाः तुः सन्दर्भायः पदः। मदः स्ट्रसः स्ट्रे स्ट्रेस् से महिन हेशन्यामु र्नेन् भी त्यामित्र नु स्थानियान सूत्र सर र्ने र्रास्ति सुरा सुरार्ट सुरात्र स्टिं सुरान्य सुरा



ब्रेद्धःतमन्यामः स्ट्राद्धः तन्यानः मुः त्रदेः श्लेषः स्वरासः सः े ब्रिनान्ता के के त्रिक्ष का स्वाप्त के स्व ष्ट्रां संवित्त चुः श्रेना पादी पर्वे साध्य प्रदेश प्रवेश चीः भ्रुेमः रनमः स्यावेषा धेव। येयमः उदः म्यामः र्यः नवेः र्थे प्रदेश सदा द्वार नर मदान निव में मुश्य वर्ग स्टा नश्चेत्रानगुरः हो ५ प्यर्ने ५ भ्री २० हे । नहमा सारा ह्या स्वरः केतः मुकारायदेराञ्चेत्रकानुकानिराम्याम् इतदे रवे स्व दरासहस्रासीर्प्यन् बेर् बेदुशार्वि सेदीरस्य पदरासहस्र <u>बेस्। दे:वॅदःवीकाविंदिकायदेवे:वॅर्क्सदे:ब्रेटःवी:बेवा</u> यदुःम्रेयायायाः क्षेयाः कृषाः शुर्द्धाः चाः स्रोयाः ययाः स्याः ઐ<u>ઽઃૡઽ૽</u>ૡ૽ૺ૾૱ૹ૽ૼ૱ૹૢ૽ઽ੶ૢૼ૽૱ૢ૽ૼ૱ૢ૱૱૱ૹૢૢૺ૱૱૿ૹૺ डेशपन्दायम् म्यान्या स्वान्त्रा र्नेटा ब्रेडा मुटळेव नडर रेया पर्यान्त्र महितार्मे *૽*રેૹઃ શું . ગું અઃ લગ અઃ ૧૬: ગસ્ટ્રેફઃ ગગું ૨ઃ શું ૨ઃ લગ્ન છું ૨ઃ છું ૧ઃ ૧ઃ ૧ઃ છું ज्ञानाव के नामा वाद्या

वर्र्भुद्-रुअन्देअन्धर-वर्र्मेष्यकः हेर्ग्यद्मन्तः देन् देर्ग्वेन्जुः ब्रेग'यबःश्चर्याय। टःक्षेत्र'ट्रव्यादनुःब्रेव्यदेग्रया म्बर्भिनः हे बर्ग्यम् मार्वे दिश्चर व्याप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व याच्चित्राचेता हुता वेवानापोया ह्यसाचेत्राचरमार्थेया मदस्यान्यानकराष्ट्रावसाञ्चरम् ने न्यानु स्रेगामसानु रेवायर्दा रेवेंटवीयरेवेंटरेवाया ब्रेड्याब्रेड्दे नेवाया सुराळेदासीयासुराळेदानेवायायवयार्थार्थेरे द्रवाशायम्रिरानु सम्भात्र सामकराष्ट्रा विशायोत् नु नड्ग'स'स'नहेता मात्राने नने श्चेन ग्रीन माने र ग्रीन मदे में क्रुम ने नवा इव के न न न विवास मिव स्त्री म विनयःग्रे:रेसःम। नवितःषरःर्धेसःमःसुरःदःनरेःस्रेुरः वज्ञुर न र्सेन्य रासर्कें दासूर ने से से रिने स्थारें दे से ता सूर र **५**.५६:अ:५अअ:सर:स्ट:सेवे:श्चे:ळॅग्रअ:दर:य:ऍ८अ: श्रीवियालूरीको क्षेतायरीलीरीकाश्रेश्वरायश्वरास्टार्स्या



यः यह सः सर्ट् स्यास् । । स्वीतः त्यान्य स्वीतः स्वीतः स्वात्य स्वीतः स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्वात्य स्व स्वीतः त्यायः याद्वेतः स्वात्य स्वात्य

विटः ह्रा सूर्या

यम्मान्ध्रम्भ्रेन्म् म्यान्ध्रम्भ्रेन्स्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य

जुनागाव की नागावाद्धा

दे सूर र केंद्रे केंद्र के के वाका इसका द्वार र के बिर षश्चायां चर्डे दायशायां दें हिशा ब्रेंटा उंशा ही। ब्रेंदा दश *ઽ*ૣૻૣૣૣૣઌઌ૽૽ઌ૽૽૱ૹૻૢૺઌ૱ઌ૽૽ૢ૽ૺઌૹ૽૽ઌ૽૽૱ૹ૽ૢૺૼૺૢૹૢ૽ૣૼૺૼ म्याळेदावेगापुःमङ्केशानेःसुःसन्नुदादहेदाग्रीशः न्ष्रेवे नर्ष्वे न्या इसस्य सुन् ने सेव सामा वर्षेना *न्ना विन्नाम्बर्याण्चिमार्श्वान्यसाम्बर्मानम्बर्म* वर्ळे न स्रुवानविदार्थेन। र्रे न्या होन खुन्या वर <u> नुष्ठेन्,नुष्रःखन्यःवर्ष्ट्रम्यःवर्षः वर्षेन्यःय। नुष्ठः ।वः</u> कु महिरामा सुरायासुरामा यन सेराने सेन् देन दर्मिना म र्शे. खेर. चस्रवाचार्से म्यान्या स्रेत्र त्याच द्यास वदःस्नि-दिरः वालायः वार्ट्याः वरः स्वायाः स्वायाः वरः क्रूॅब'र्खेन'क्विन'म। न्नीब'मिर'र्खे हेश'सदे क्रें त्रस क्री ज्ञ ક્ષુૈના,_ઉ.'વેરાવ[,]ર્ને,'નસ'ક્રેન,સ'નર-નનુન,સન,સન,નર-નનુન <u>ਫ਼</u>ৢ৻ঀৗঢ়ৼ৻ঽ৽য়৾ঀ৸৽৾৾৽৽ঀ৾ঽঀ৽ঀ৾৽৻ঀ৾ৼ৽ড়৾৾য়ঢ়ৢ৻ঽ৽ঌ৽



ळटा हो दा मुना मा देवीं भार् दे । भार विटा ही मिन से सुना स <u>অ'বারঅ'বাপীঝ'গ্রী'র্ন্নির অম'বারিবাঝ'বর শ্ব'বার্বা'</u> इर:बर्'ऍर्'सॅर्। र्वेर्'ग्रे'सुय'बु'सय'के'नर'वादस' য়ঀ৾য়য়৾৾ঽয়ৼয়ড়৾ৼয়৽ড়৾য়ৼয়য়ৼয়৾ৼ৽য়ৣ৽য়ঢ়৾য়৽য়৾য়৽ ळें अप्त हु मिडे मिड़े दाविर अर्दे अर्थे दाये दाया अर्थे अर यर विंगिडेगानी हेत पत्रेया ही द्वारा र हें गास दे विर यदेनशः ग्रे:र्बेर:दग्नर:ब्रे:र्बेव:पॅद्या हेद:देर:बे:ळंट: स्रमान्य स्रक्षेत्र वार स्रेम् राष्ट्र स्र हे न या निर्मा स्रि माब्र न्र न्य क्र निया स्र ते न्यु होता नु क्रिया माब्र न्य न र्भे : इत्र : क्री : देव : विवाय विवाय के : देव : विवाय विवाय के : विवाय विवाय के : विवाय विवाय के : वी र्चेट द्राय स्ट्री या देश या चार से स्ट्री स्था स्था से हिया है। नवरःस्रवशः केशायव्यशः वान्युन् से न्वींशायशाधितः यर वन्त्र दे द्वार दे दे स्वर दे दे चन वा से द से दे त नहगानि नदारी खुन् श्वरमा द्वमा देवा विदाय महिता है मा जुनागाव की नागावाद्धा

शर्नेत्रनित्रं हे विरक्तें सर्वे वहंग्रश्याधेता केंत्रं हेन क्षेटश.जटर.लीज.ची.तचीर.चिज.श.चीठ्रची.टेट.शट.कु. नशः सुरः न्राया स्वारः धेतः धरः गृहेशः से दिरः गृहेगाः हुः ब्रुल क्रित र्जेन न सम्पर्म स्थानित स्थानित <u>ૡૢઽઃઌૄૹ੶ઌૹ੶૱ૺૢૢૢૢૢૢૢઌઌ૽ૹ૽ૹૢ૽ૡઌ૽ૢ૽ૺ</u>ૢૼ૽ૢ૾ૢ૽ૢ૾ૢ૽ૢ૽ૢ૽ૢ૾૾ૢ૽ૢ૱ઌ૽ૺ૾૽ૼૺ૾ र्के देर मे भीर बेर बिरा देर मुर वा मिल स्र्रियामर न्तः श्रे महिश्राह्यस्त्र स्त्राम् ग्रियः स्तरः मित्रः स्त्रामी श्रे *देरा*ह्यरातुःग्रहेशारेःथॅदासादे चणुगाङे क्रुवाशादा। <u>ॸॻॖज़ॱड़॓ऀढ़॓ॱॿॣ॓ॱक़ॕॸॱक़ॗॖढ़ॱॿज़ॱख़ॱक़ॕॱढ़ॏज़ॱॲॸ॔ॱॸॱॸॆॸॱ</u> नग्रमाचेमाचेरावेटा। देशामे प्रामाव्यक्षियाचरा षाकुःचनाः वेरानर्दा। देशान्विषायाः ब्रेषानादेवे सेरा त्यःमर्केत्यःसद्यः चेरःया मर्केत्यःसद्यः श्रेः रुःश्<u>व</u>रः र्थेदः मवे भी र गुग गोत प्रोत र उत् देवे से द त्या गरिल हेरा



गर्नेवाञ्चे सरावहुंग्रयाचेराची हेरासावार्चेरावेशानु बिटा। ब्रॅट्सी ब्रेस्य श्रूप ऑप्सिट सदी श्रुवाया बुर्स वाशुक्रा देवे: श्चीरायार्चेराञ्चनायात्वेयासुग्यर्वेत्। नावदायरानार्वेयान्तीः क्रेर-इ-५र्ज्जिग-५८१ देवे-श्रेर-अर-नवा-५गर-दगा-वर्ग-नुनःसदेःवन्।वःनरःश्चःयःइरशःर्येदःसःदेःववेदःवन्। धेवाया र्क्केवार्देरायरायविराद्धरार्भेगादेशान्चेदाग्रीवा र्थेन्। बेटरहुरमाधेदरदरहुरमाधामबिम्यरहेर्द्धेदरमर्वे ঀৼৢ৾ঀৗয়৻৾৾৾ঀঀৣয়৻য়৻ঽৼৼৢ৻য়৻য়৻য়ৼ৻ড়ৢ৻য়য়৻ড়ৢঢ়৻ড়৾ঀয়য়৻ वयार्सेवासमें पहुंगया दे दे हे या सेन सुन हु पहेत नदे नदे छेद भीदा द दूर इस भूष ग्रीस स केंग नदे য়ৢ৾৾ॱড়৾৻য়য়য়য়য়ৣ৾৽ৼৼ৽ৠয়৽৸ৼৼয়৻৾ঢ়৽ড়৸ড়ৢ৾৽৸ৠ <u></u>दे ते श्रु तु भ्रु भ्रु तार्दर र्स्नेद के वा कुवा भ्रवशक्ति राखा सम्निम् अः सं से कम् अः सदे के दः दृदः। मान्द्रः धरः स्व र्ट-रे.सटा क्वा.यज्ञटमा च्रूटा यालीया.स.ज्यामा जुनापव के नापाव ति ।

ऄॅॱढ़ॺॱॸ॒ॸॱढ़ॿॖ॓ॺॱॸढ़॓ॱख़ॕॱॿॖॸॖॱॺॸॱॸॖॺऻॱढ़॓ॺॱख़ॕॸॱॸॕॗऻ।

गहेतः श्रेग

द्दैना हेत सञ्जत दह्ना नी नहेत श्चेना कु ते श्चेर दर्शे र ૹ૽ૺૡ૾ૺ૽ૠ૾૽ઌૣૻૹ૽ૺૢૡૹ૽ૼૼૼૼૼ૱ૡ૽ૺ૱૱૱૱૱૱ૡ૽૽ૺ૱ૡૡ<u>ૺ</u> <u></u> ಹેવે·ગ્રુવઃಹઃવિવાપોત્યા શે જેઃકેવઃર્વેરઃર્શ્યું ૠુૈું ૬ઃગ્રેઃ पर्के:र्बेट्-केट्-प्यम्बाह्यस्ट केत्र-विकामिकायहेत्। <u>च</u>ीट्-<u> नर्जे अप्तालेगा ग्रह्म या वित्र क्षेत्र क्षेत्र प्रह्र अप्त</u>ीत য়ৢ৾ৢৢৢয়ড়ৢ৾ৼয়৻ড়ৢৼ৻ড়৾য়ৢ৾৻ঢ়৻য়৾৻য়য়৻য়ৢঢ়৻ঢ়৻য়য়৻ ૡૢ૱ૹૢૢૢૺ૱૽ઌ૽૾ૢૺ૾ૺૹ૽ૼૹ૽ૼઌૢ૽૱ૹૼ૱૽૽ૼઌૢૹૡ૽૽૱ઌૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૽૱ઌ नश्रास्त्र रहुंद्र नरान्त्रे नारकवाशाने सहसादर्शेवाशा श्रीशा *৽ౘ*৽য়য়ৣয়৽য়ৢয়য়৽৾য়য়৾য়ৼ৾য়ৼয়ৣয়৽য়ৡয়৽য়ৣয়৽য়ৢ र्श्रेवादे शुरुनारेत्।



ररः देवे वें न् क्षे क्ष्यशः ग्री क्षे क्षे ज्वे ज्वा वा करः राष्ट्रेरयः म्डिम्'यस्यम्बेस्यः विषाः क्रुम्'से 'न्वेस्यः मयः केरः वहेत् क्षेत् भेर्पात्र महेता सामार्गे में भारतात् मार चेत् ग्रीशर्मर वी तु प्राप्त तु से से जो हेत् भी वा कु दे से ळें गठिना मी प्यश्र प्याद केंद्र में विना हु महिशाहे मु प्य यद्याचा व्याप्त विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विषयाची विषयाची विषयाची विषयाची क्रुअव्यवन्दर्शेखरायहगान्धन क्रुअव्येशयर्भेराने र्थे : यहना : नृरः श्वरः । या वृहः या स्वाना सम्बन्धः स्वाना । वदःश्रीअर्दान्विद्रान्नासदेः चनाः नार्वेद्रःश्रीदः स्वीदः स्वीदः त्यः सददः सः से दः परः सर्वेद द्वा विष्यः स्तुदेः सुँग्रसः वश्रक्षेट्रकट्ट्रा विविष्ण्या नृत्या क्री विविष्ण য়ৢঀ৾৾৽ঀৣ৽ঀৼ৽ঀড়য়৽য়য়ৢঀ৽য়৾ঀ৽ৠৢঀ৽ঀৢ৽য়ৼ৾ঀয়৽ यदे सहर हैं। रगमान स्मानिया है र हैं वा प्री ૹૣ૽ૼૡ૽ૺૹ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૡૢૻૼૼઌૻૹૡ૱ૹ૽ૢૼ૱ઌૢ૽ૺૹઌઌ૽૽ૡ૽૽૱ૹ૽૽ૺૹ૽૽૽ૹ૽૽ૺઌૹ૽ क्रुक्तात्व क्रीक्तारावाद्धात

ড়৾৾ঀॱয়ॅয়ॱয়ৢৼ৽৾ৼয়৽ৼৢয়৽৻য়য়৽ৠয়৽৻য়৾য়ৼ৽ र्श्वेन्-ची-वेद-स्वादिन-स्वादि मिवि मिह्न दिनेन या है। निमा है या द्विता है या का निवार नःविनाःयःकरःसदेःसह्नःक्षेःन्हेंसःनविःद्धन्नसःहेःह्विसः ळटानी पर्ने राजायानी निषायते हेता प्रज्ञेया घट्टा र्भे डे रेग्रथ हो र डेर्। अदय अदे सेंग्रथ दय ररागे। महेब ळंब रु. महिंगश मदे से मह समायमाय प्रश्नावर र्वेर पर्वे न दर्भ दे दर अहम दुन्न में निमानिता युराबिरारे पाहेता क्षेत्रा मा सार्मा क्षेत्रा सार्चीया यर ननाः अदेः र्रेनाश्चायः यतुनाः श्चेताः यदाः अनाः अदीः मुँग्रायात्रयाययात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्र्या न्त्रीं भारान्ता अवतः अवे हि अ खू स्थान में सामित यनि। सर्वतःसद्रीयरः ह्रेटः नुःसन्। सः नृतः विसर्वा सञ्जन



<u> क्चे.२२.क्रॅ</u>च.४६.च.४.२.ज्याय.चे.२। चष्टर.सुट्च.यन्८. র্মুন্যন্মন্মন্ত্রীরার্থাইর্মুন্থান্নন্নন্মন্নন্ন त्रभावानमार्थमात्रभाष्ट्रभाद्रमान्तर्द्वे विदा हुः श्रू *ॸ्*रसुरॱसॅॱवर्चेॱचरॱबुवाॱदॱसर्चेदॱळेदॱवः र्वेवाशः ळेदः *बेशनग्रः*भेशमदेग्धूशस्यात्त्वे। ५.५८.मु.सॅग्ययाळेरा न्तर्यायायर्थे अन्याष्ट्रीयात् र्याचिना स्तर्वा दे *वे :*रर:वी:य:अ:र्रर:वाहेद:ळंद:गुद:य:वि:ब्रय:हे:ब्रिअ: ग्यर विगाय पर्वे पर्वे शक्ति वे क्रिं चि हग्य श्र ড়৾৾য়ৢ৽য়ৼ৽য়ঀঀৢৢৢঢ়ঀঢ়৽য়৽য়য়য়য়৽য়ৢঀ৽য়৾৾ঀ৽ ळटास्यान्याच्याक्रमानी स्वरास्त्रीयासानी दाविता है त्या अविरक्तिंदरन्यम्दिम्यान्यस्यास्त्रस्त्र्वे म्वस्य नगः अः हे अः त्रअः व्याः र्श्वेषः व्या नावम् पर स्राप्ते ते पुष्य न्यु त्या स्री क्षेत्र ना हे ना त्य सु जुनागाव की नागावाद्धा

<u> श्</u>रुव:मशुक्र:पवि:रे:पॅर्-द-रे-र्पा:प:सहव:र्-सवदःस: मिडेमा खेदाया ५ में निविदातु सिमिश सिदादा समा <u> </u> ને ક્તું નાચે અત્યાર કે ના કે ક્તું કાર્યો કાર્યા કાર सर-मन्द्रा अदःश्वे:च:य:यरःम्डेद:म्हुट:म्ह:रुट: ंबेनानो के सः बेदाया बुदाद देवे सु दसद नावद या देवा नक्षेत्रः र्श्वेषायनुगामान्ते यन्यार्भेते सुन्यायां गहेया बेद'र्रा नवद'ह्वदे'दर्के'गद्रश'य'नश्रस'वेद'ग्रीशसु समुन्। हो अरळं नः ने देः नने : श्लेन् : स्रो न क्रवा न दे : केन् : न् : धोन मभ। र्वेद कुर सप्पेर दायश म्यर पुरावेद र्वेषा के त्त्व देवे रूटारेवे वेंद्रा श्चे श्चारीट वेंदे आरवश र्श्रेष'नबर'नी'नाहेद'श्चेना'सूरस'मुद'र्सेर'स'धेद'स' विगाग्रदःसेदःदे।



শুম'হ্বা

श्चेरःत्रनःगःवःरेग्**षःसरःदेःर्धेरःग्रुरः। शुस्रःत्रनः**देः <u>ॿॖऀॺॱॸॖॻॖऀख़ॱॸॖॱढ़ॹॖऀॸॺॱॺढ़ॆॱॿॸॱॵढ़॓ॱॸॆग़ॺॱऄॗग़ॱऄॢॗॗ</u> नर्जे सूर्या दे र्चेना सर्हे न न सुरा न सुर्या है सर सुर मुडेमान्दरायराञ्चीत्रमाहिकान्वीका देर्नमामीयराया वश्रवात्राचेत्राचेत्राच्चेत्राच्चेत्राच्चेत्राच्या नवनाः श्रेः श्रेटः नुः पद्देशः याश्चरः त्रशः नर्जेः नः नृदा। देशः ग्रीभाष्यरञ्जीद्रामहिषाग्री श्रेरासम्द्रात्मभायदावासम् *ॸ्*ॸॱस*हेशॱ*र्सेॱऍॸॱळेॸ्ॱनर[ॣ]भेॸॱढ़ोसॱॹॖॱॸढ़॓ॱ *૾*ફેઽઃ૬ૢૻ૱૽ૺૢ૾ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૢૹૻ૽ઌૼૹ૽૽૽૽ૢૺ૽૽૽૽ૼૹ૽૽૽૽ૺ૱ૹ૽૽ૢૼઌ૱ૹ૾ૢૼઌ ऍन्। ॲंदरनः ते से मिरम् रॅंग्ड्रिंग्स मेन् र्श्वेनः क्रेराभेरास्त्रवसावराष्ट्रिरार्चावारार्दा देवासा वे से तनर पुत रेट नम ने द हुँ द के सूनम नट निवे क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

*ने*ॱॲन्पाने देप्तप्तातृ से प्रवास होन् ग्री द्वुर प्रसादर । दनर:बेद्रायदे:बे:र्सेद्रयाबे:बुर:बुे:रु:वर्हेद्राद्रयापः लगानर्श्वा अवराणिता वयागिते हे ग्राशुसार्वे वारा गुरु दशःश्चःरःनञ्जूदःहेः बुवायः श्वायः नर्वे नः नरा वेरः विदे नर र् इ हे अ नविया दश ह न भूषा यावद वर्जेया मः इसमा सकें राज्य राषा क्षेत्र मा निष्य हो जा से हिर सवः द्धंतः नरः वनः गाः शुकाः यहं गावः स्थानः नः नः नः नः नः नः য়য়৽য়ঀ৻য়ৢৼ৽ৼৼ৾ৼ৽ৼ৾৽য়৽ৼয়৸ৼ৽য়ৢঢ়৽য়৽য়৾ঢ়৽য়৸৽ इलावज्ञदानसूरानुहारासामह्या वर्ज्जनार्सानुवासाहरा म्भुमात्वराम्। उत् म्री न्त्री नवर वन मदि हो र द्वर वित्रेन्र्स्यिष्पर्धित्। ने सून मन गाने मार्से वे सु सिन हिन नु-न्-हिनके वानेन् र्श्वेनके नाया बन् दक्षेते प्यन



ऄॴढ़ऒॴऄॖॱक़ॣॕॱॹॴॴऒॕढ़ॱॳढ़ॱॴॴॱॾ॓ॴऄॖॱॸ॓ॱऄ॔ॱ ॶॖॖॖॖॖज़ॱढ़ॖॱऄॸॱॴढ़ॏॴ

र्दे सार्ग्रेग्राम्

ઽઃૹ૾ૺૼૡ૾ૺ_{૾૽ૼૺ}ઌૢ૾ૢ૾ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽૽૽૽ૢ૾ૢૢૢૼૢૺઌ૱ૢ૾ૢૢૢઽ૽૽ઌૺૢ૾ૢ૾ૢૢ૽ૢૡ૽૽ૢ૾ૢ૽૾૽ૢ૽ૢ૽ૺઌૺ૱ૢ૾ૢૢૢૢૼૢ૽ઌ૽૽ૢ૾ૢ૽ૢ૽ૺઌૺૺૺૺૺૺૺ૾ૢ૽ઌૺૺૺૺૺઌૢ૽ઌૺ *बुवानदे* सराद्दासुरान दे दें साद्यें व्यासाय सानुहा मृत्रमा भूत्रमादिरादे सान्येत्रमा सूर्या ही भूराहे र्श्वेन:बुन:बुन:बोन:बा नःळेंदे:वेन:ग्री:बुन:बोन:इसमः यः वेशः देवाः वीः वीं : भ्रवशः ५ । उदाः । ५ वीं : ५ वीं : न्तुरशायायवेदार्देरादे सायहे नदी नर्वे सूया नद्दरम् र्वे दिया त्रिया विष्य क्षेत्र हिंदि क्षा क्षा है वह स <u> भ्रीतः दशः भूतः भूतः भीत्रा श्रामित्राशः भूताशः सः भ</u> <u>दे हे अप्टें अदे अुअप्टदे गड़े गाउं अप्तर्भे वादशादि हैं ।</u> क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

नक्कतः श्रेः तिं नश्रुवानान्दा। दे न्वयः दे सान्दाः ति सानुसा नश्रेशःग्रीशःदेः त्रः सुवाशाहे दिः सः नृग्वाशः सः धीद्या दिः ग्रेग्राड्यान्दाबेटानु।ह्यार्नेर्ड्यार्थेन्। न्र्वेन्द्रेन्ग्रीःह्युः **ळ**ॱदे:वेद:वृग'यःगाँडें:चॅर:वेद| ॾॅ:दर:तु:घरश:घंदे:दॅ: *ढ़*वे:क्रेन्ट्रेंच्वेंन्चकेंश्चायिक्षेत्रः केन्यें विषार्थेन् नमा दें ह पर प्रवेद सर महिंद ग्री स दें स द्री मुस ॻॖऀढ़ॱॲ॔ॸऻ॒ॱॸ॓ॱक़ॗॸॱॾॕॱॺॎॱॸक़ॖॖॸॱक़ॗ॓ॱॹ॒ॸॺॱक़ऀॺऻॱऄॕॗॸॱॸ॔ॺॱ ॸऺ॔ॻॕॖॻऻॴऄॱॻऻॿ॓ॱढ़ॴॴॸॱऄ॔ॱॾॕढ़ॱॸ॓ॴॗॴॸॱॻॖऀॱय़ॖॸॱढ़॓ॱ য়ঌৄ৾ৼয়৽ৼৼয়৸ৼ৻ঀয়৽য়য়৸য়৽য়৽৸ঽয়৸ৼয়ৢঀ यक्रमायायक्रेन्पान्ता ने हेयानवत्रक्षाने त्यायमः भूषाकुराहारे नर्डे शहे खूना सासरार्<u>चे</u> नारेषान्ये ना ८८। अर.ग्रॅग:रेज:इस्रय:वस्यायाय:हे.मुख:सर.वेस: য়ৢৢৢৢৢয়য়৽য়ৢ৽য়য়য়য়য়য়ৣ৽য়৾ৼ৽য়ৢয়য়৽য়ঢ়ৢয়য়৽য়ঢ়ৢ৽য়ৼ৽



सुरः केत् में नर्वे खेला पर पेता सर सुर माहे मार्ने सित र्रे.च्.र्यराश्चरार्धेराश्चेत्रश्च र्यायवसाम्बेरासः ने त्य अः सुरानः तत्तुरान या वितातः ने त्यारान सुरासुः *८*२ॱक़ॖॣॻऻॺॱढ़ॺॱऻॕॎॺॱॾॆॣॺॱक़ॗॖॱढ़ॏॹॱऄॗॕ॔॔ॸॱॸॱॸढ़ॱढ़ॏॸॱ ळ्यासासासीयात्राचा स्थान र्बेर-५-१:इन-मन्देन्धुर-मध्येद-मश्री देन्द्विम सेर-मर्वेश हे है : सर स्नेस पार्टी साम्यानिक स्तर सुरावा नु । स <u> न्व्र-ः ज्ञुःगशुक्षः ग्रीः धुक्रः व्याः विका</u> र्वे जिन्न के जिन्न *वीॱ*ळेनॱदॅॱअॱनर्ग्रेवाशःसदेॱयशःयः च्रेयः चत्रेतः पॅनःर्ने।।

जुना गाव के नागा वाक्षा

दुर-ळवसादुर-हैं।

ख़ॖॸॱख़ढ़ॺख़ॖॸॱॾॕॖॱढ़ऻ॓ॺॱय़य़॓ॱॸॗऀॕॺॱय़ऀॱय़ॸऀॱढ़ऻ॓ॗॸॺॱॸॗॸॱ हे दायाच्युकायदे वनाया विनाधित या हिदायर दु धुनाशः विनादहें क्रीं महित्यसाया से दारी से दार दि वनाः कवराधिता वर्षेते ग्रुरारेश र्भूरारेना उंगान वर् त् र र र ते में मूर्य मिन् ग्री र र र के द न दिवस र र नि <u> রু</u>দ:বর:ই্ঝ:ব্ঝ:র্বি-'বিয়য়:য়:য়:ড়ৢর:বয়ৢয়:ॸ্বদ: चेत्राक्ष्याचुरानासूर। नषयाप्ययाचीत्राक्षेत्राक्षेत्रायय। <u> चुनासः में नामें नापदे :धेशन्तरः चुरु हो। यरः हरः खेरः</u> हरावरायादुराई। यसेवालेशायाविवा रार्के र्वेन विस्तरायदेरासे प्रेंसास मुहानते स्रेंस्यासी साधित म्रीः भ्रम्याः सर्वे स्वरं नियमः त्रियः हिनः स्वरं हुनः नुयाः सुमः ॅॅ-दस्टर्शक्षादवनःस्नितुदःऍन्यान्ययाःसॅन्यसूत् ऍन्। ने नुसादुर हैं वे स्वामा हेवे यमा का उसासाधेत



क्याशर्स्प्री क्याशर्स्प्री

देर-वहेद-देर-श्रद-प्यद-द-देवीये <u>व</u>्यद-विद्यवीय <u>૱ૄ૾ૺૺૺૡૡૡૢ૾ૡૻઌૠ૽૽ૼૺૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌઌ૽૽ૼૼઌઌ૽ૡૻઌ૽૱ઌ૽</u> ग्रे.लूरी वर.क.चीय.केरम.थी यवारेर.डुर.स.चर. <u> २८.स.बु८.चक</u>्ष्यासद्ग्रम्यासायोलश्चर्षेशस्त्रेया.८८. নার্মির'নক্রুঝ'নতঝ'নাৡঝ'না'ঝঢ়ঝ'নাপ্রিন'শ্রী'স্টেঝঝ' मन्दा ब्रेमिक्मान्यह्नार्वे क्रुत्रम्भित्रम् *ॸ्ॸॱॸॗॏॖॺॱॸॖॱॾॆ॔ॱॸॱढ़ॾॕज़ॱॺढ़॓ॱढ़ॖॸॱढ़ॿ॓ॺॱऄ॔ॸ*ॗ*॓ॸॗढ़ॸॱ* नुनःहे अरक्षे उत्यः केतः विषाः ग्री अरुद्रः हैं रवेर्दे अर्थाः यः केषाः र्ष्ट्रेट उस में मित्र त्यदट दिने दुन सम्बद्ध *ૡ*૨.ૡઽૢૺ૨.ૡ૾ૢઽ.ૡઽૢૺ૨.૾ૢૢૢૺ.ૠૢ૿ઌૹ.ૡ.ૡૢ૿ઌૺૹ*૾*ફ.૪ૢ૮ૢૡૢ૱ वादर्वे शे द्वे शामरावश श्वार्वे र युग्र विवास स्वर नसूरमुनःपार्येग्रमानुन्द्धिरादनुर-तुर्मेन्यदेर् सदेर जुनावन निपानित्र (५

भूररे विवासहवा ह्वाश श्री।

यनःहै।

શ્રુેમ:অવ:કે:વર્ફ્રેન:શ્રૅબ:વ:વબન:ક્કુત:વન્નવ:નશ-વશ <u>৸৽ৡ৶৾৻ঀৢ৵৽য়ৣ৾৺য়৾৴৸৴৽য়ৣ৽ৼৢ৸৻য়৾৽৴ঀৼ৾৽</u> व्या तार्हे त्यम न्युन मदे सळ्त्य सम्बर् त्यम सर्हे न र्श्रेवाविनार्धेनासम्बद्धारमञ्जूनासा हेमाविमा हिना *য়ु*ॱर्केन्-प्रतेःने-न्दरः नश्लुन-तृत्रभ्यः भुक्तः । दर्जेन *ૠૢૼૹૼૼૼૼૼૼ*ૹૹ૱ૹૢ૽ૼૼૢૡૡૺ૾ૹૣૼઌૡ૱ઌ૽૽ૺ૱ૹૢ૽ૼૺૼૼૼૼૼૼૼૼ मवे र्श्वेत्य पदी मत्रीत सुरामा से दाने मा ঀ৾ঌ৽য়ৢ৽ঀৼ৽ঀৣ৾৽৶ঢ়ঌ৽য়৽ড়৾ঽ৽য়৽ৼৄ৾৽য়৽ঢ়৽ঀৄ৽ঽ৾ৼ অ[৻]য়৾য়য়৻ৠৢয়য়৻ৠৄ৾ৼ৻ৠৢ৾৻ৠৢয়৻য়ড়৻য়ৢয়৻ য়য়৽ঀৄ৾ৼ৻ঀ৾৻৻ড়য়৽ড়ৣ৽৸য়ৣৼ৻য়ৼ৻য়৾৵৻ৼ ववरा र्नेवाग्रीयार्वेन:सरावीःर्येवाःक्तुवःश्रवःर्येन:याःधेवः



यावेगायमा बे देगसगावदायदे स्वाकुदाग्रीसन्द बेवर्यासार्येग्यायानायास्येत्। देःयमानुयास्ययान्तुः <u>৸ঀ৽ঀৼ৽য়ৄ৴৽ড়৸৽ঢ়৽য়ৄৼ৽ড়ৢ৻৽৸ৼঀ৽ড়ৢ৽ৼৼ৽৸৽ড়ৢ৽য়ৼ</u> *વારું અઃવૠઃન્સવાઃવા*લુવાઃકેન્અઃઅનઃનુ:ફુન્સું:શે:બે:ફ: वक्रीयाकी यमासर र् कुर स्रममा में र से से संग्रह्ममा यःविनाः तुः श्रयः दयः यद्दः यद्दः न्त्रीः नाश्रुयः यद्वयः ५ <u>અ૨.નફ્રનઅઋૢ૽ૺૹૢૢ૽ઃઽ૱ૡૢૺ૱૱ૹૼૹ૽૽૽૽૽</u>૽૽૱૱ૡ૽ૺ૱ૢ वृदे वन हे नर्षे दायते र्श्वेषातु गुरामारे दा दावा पर *ড়ড়*৻য়ৢ৾৽৻য়৸ৼ৾৻ৼৣ৾৽৻ঢ়য়৽য়৻য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য় मदे से दिना में रूप के दे निवि निवा है भी शर्षित सर ल्री रेनुरावी बर्रे.श्चरामान्तराक्काबंदाधिरकार्ट्सर क्रुन्तावन नेन्त्रा वाक्ष

नवुःसम्। श्रुसःवु।

देर-दुश-ळंद-देग-लग्-इत्य-अर्-ज्व-क्र-विन-ज्व-भूनश-विदेर। टःळेंद्रे-विक्त-विदे-ज्व-क्र-विन-ज्व-ज्व-विदे-तुश-ळंद-देग-लग्-इत्य-अर्-ज्व-क्र-विन-ज्व-



दर्ते निवेदारायम्बरण्या वे क्रुकार्रेयारेदे रे बार् र्श्रेवःपर्क्वःपदेःत्ररःतुवरःक्वर्रमाःस्रःपविदःग्रीःवमः इयामुन वन्न भारा में मुहा सिन् माना मी भार्केन *ने*ॱਘरॱनेर:नुशःर्वेद:ग्रुःर्वेद:ब्रिस:के:विषा:न्दःर्वेद: नम्या ने यस न नुसर्वे स्वासेन सम्से विवास क्रिया (वु *५*२.घिच.वैर.लूर.क्षेत्रभा चर्षे.अस.बु.रेट.रेश.चुर.र्श्वेट. बेदासक्षातुःळन्यार्थादाग्रहा। दातुदायदानादयार्बेदया য়ৢ৾*ॱ*য়য়৻৻ঀৢড়৾৽ৼৼড়৾য়ৢ৾য়ৢ৾য়ৢয়ৼড়৽য়য়৾য়৾য়ৢ৽য়ৼ৽ वेदःर्श्वेदःग्रेदःयवेदःर्थेदःयःरेदा र्श्वेवालुःयःग्रुदःर्वेदःवीः ૱ૺૡ૽ૼ[੶]૽ૣ૽ૺ૾ૹૣઌૄૻ[ૢ]ૢૻઌૡ૽ૺ૽ૠ૽૽ૺઌૹ૽૽૽ૼૹૻ૽ૹ૽ૼ૱ **ब्रु**यातुरामहेत्रत्रासुत्रामायेत्याच्चयानुसाहे सळेत् *दह्*यान्नेटाकेयानेविःविं क्रुंबादयेयानेबान्टराळेबाळेरा ज्ञानाव के नामा वाद्या

यत्रुत्। ८.क्ष.८.क्ष्र्यायदी क्ष्र्यायतु समावेशायम ५ स हिन्नु त्यम् याया विषा सेवायर देया यहेवा होन् सेन् ॻॸऻॱढ़॓ॱॾॕॴॺॸॱॴॺॸॱॸऻॕॸॖॸॏॖॸॱक़ॗॱढ़ॆॱॺॺॱॷॗॱॸॕ ૡૢૺઌા.ઌા.ઌૢૡૺૺૺૺ૾ૹ૿૽ૹઌ૿ૺૺૺૺ૱ૢ૾ૢૼૡ૱ૢ૽ૢ૽ૺ*૾*ૺૺૺૺૺૺૺ૱ઌ૽ૺૺૡૺૢ૽ૢ૽ૢ૽૽ ર્સે 'લેવા' વે' ત્રદઃવા સે 'ર્સેં શાસે 'સુદઃ વો' દેવા સુદા દૃદા દૃદા દૃદા વા वनरः मुःदिन् बूदः नेदः श्रुँदः मुकायः धेतः धदः। दे ने ते वका र्क्षे.चे.चव.सदु.बर्-स्वया.मु.चर्-ख्रि-ख्रू-व्यया र्भे से न्या विस्ता स्वार स्वार स्वार्थ स्वार स् য়ৼ[৽]ৼৄ৾৾৻য়৻য়৻৻৻ৼয়ৣ৾য়৻য়৾৾য়য়য়৻য়৻৻৸৻৻৸৻৸ৼ৻ वर्हेन् चुर्यास सेन्। वतुः सर मे सेवाया दर सूर्यान्स। क्टें ख्र| सर हि र्सेनिय हुन दिया स्ट्रिंट रस या से ख़र द न्ययायनरायमाम्ययानामा नुन्ताकुरानान्द र्श्वेप:स्प्रदःसेट:बीट:बीट:बरी:वार्श्वेषाश्राण्चे:प्रवी:अळंद: बरासें ऍत्। दे हे शास्त्रम्य प्राप्त स्वाप्य सामित



श्रुअःतुःश्वःक्वेनाशः तुरःर्थेन् सः नःनः नः स्वारः स्वेतः ययः नःर्थेन् चेरः नेनः श्वेन् नेन्नि नः स्वन्यः स्वारः

यहिःधीःनीः जुनानीः दें र्ह्हेत

क्षॅं धिना नी शा श्रेव सदे सर श्रेव हिंगा शासर सर्वे दास म्रे। नात्रभः भूनभः ग्रे। चर्भार्मिशः प्रदः नात्रभः सवः ग्रे। चर् য়৽ড়য়৽য়৽ড়৾য়৽য়ৼ৽ড়ৗ৾য়ৼ৽য়৾য়ৣ৽ঢ়ৼঢ়ৢ৾৽য়ঀ৽ঀ৾৽ৠঀ৽ नर्वा सार्वा या वा वा स्तर में <u> ब्रीयाचुनासरार्थ्रेदाय। दे प्यराखाखाळी मा</u>श्चयाचिया , तुः, त्राचि कात्रकाञ्चे । तक्षे त्र नार्वे । त्रु माशुसःर्से :र्से ५ हे स्पन्न सम्बद्धः सम्बद्धः सम्बद्धाः याधेनानेयानर्हेन्यदेश्वराष्ट्रीत्यर्क्षेत्राहे। ययन्या <u>য়৻য়ৢৢয়ৼয়৻ঀ৾৾য়ঀয়৻য়ৢয়৻য়ৼয়৻য়ৢয়৻য়ৼ৻ৼয়ঀ৻য়ৼ</u> *ঀ*৾ঽ৾৻ৼৢৼ৽৻ড়ৢয়৸৽য়য়ৣ৾ৼ৽য়ৣ৾য়৽য়য়ৼ৾ঢ়৽ क्रुक्तात्व क्रीक्तारावाद्धात

मदे नुरानानिवानियान्गिवे सेस्र अवस्त्रस्य सम्भान्नान बेद्रपदे नुद्रकुत अर्डेन ग्री नर द्रु श्लद् केषा दवा वदर नश्रुव्,ट्याव:चंद्र:ब्रे.ल्रे.वंट्:ट्रं,चश्लुव्य:च:क्रु:बर्ळेट्र:वाद्यं, न्वीं अः ग्रदः वालवः देवः शेः वर्दे रः ववेः वर्धे नः वर्श्वेनः *વર્વ-*ર્ક્સું ત્રમાસ્ત્રું . ત્તું . ગુત્ર . ગું . ત્યાર સુદ્ર અપ સુદ્ર અપ સુદ્ર અપ સુદ્ર અપ સુદ્ર અપ સુદ્ર અપ સ क्र्रॅबरमर्देश हे प्लेबरम्ब्रें हुनायहेबरमर होता नाश्चरका यानवित्रभ्रेग्रायानुयाग्री वर्षे नात्त्रस्य याना मिनाहि। <u> स्वार्ट्या परुषः ग्रेषः पुरुषः यद्दः विद्याः द्यो परः मर्वितः</u> यदःश्रेश्वराययात्वात्वात्वा हीरार्केत्रिकी वर्षेत्रम् ग्राचेर नदे भीर नवा नवीत तस्रुत रा ह्रवका घर त्या रु प्देव यर हो न या क्रेंब या निया मिले गुव हैंब उसा नु कुं. ५ ज्ञ भः हेत्. ५ जुरः श्रें वाश जुः ग्रें ५ : इसः नववा : र्षे ८ शः ॅहेंग्रयाची प्रस्तानी का मार्था हेता नुपार्के के स्वाप्ती । यन डेअ:घअ:अे:वर्देद्रघते:ख्वा:चख्व:ख:रवाय:ग्री:हात:



<u> इत्त्वराद्यीत्यस्क्रिंत्याधेत्रायाः नेत्रूराद्यीत्या</u> ययराने किं त्रिन् हो हिरारे पहें त्रवान सवा गहत <u> क्र</u>ी.हेट.टे.वहेंद्र.व.र्मा.वश.मश.मश्रय.महदाक्री.सर. श्चेमाः सरः द्येदः सः प्रतेष स्थादमारः क्येः प्रयोग्यदेः स्था षअ-5,पह्नापदे नहें त्र द्युअ-ग्रे से प्रेश क्षेत्र महिन मनाःकनामान्दान्यस्यान्दरेन्द्रासदेन्तुन्द्रिन्सासुमा यर वर्षेत्राका हेटा वाद्रका भूवका द्रारा सबर खुवा वी *ঀ*য়৽ঀৢয়৽ঀয়ৼ৸ৼয়ঢ়৽য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽ ૹ૽ૢૺઃધરઃધ્રેતઃઅર્ಹેતઃધઃધોતા ક્રુંઃધોવાઃવીઅર્દેતઃદ્રસઃધરઃ *रर* निवेदा क्री अप्तुन यर प्रदेव प्रदेप निवेद प्रदेव की न्भेग्रायदे गहन् र्शे ज्यानदे सूरान हेन् न्या कु त्वराहेद'द्रवेष'श्रेष्याय'तु'तेद'र्चे'केंश'गुद'र्ह्न' इ.स.री.प्यटी.सपुरायचीरायधेशाययात्रास्त्रीयात्रा जुनागवन्त्रीनागावाक्ष्र

स्तिः द्ध्याः सर्वेद्धं नाम्यक्षाः स्तिः द्ध्याः सर्वेद्धः स्वान्यक्षः स्वेद्धं नाम्यक्षः स्वेद्धं नाम्यक्षः स्वेद्धः स्वान्यक्षः स्वेद्धः स्वान्यक्षः स्वेदः स्वे

वक्रमामु सर्कें दार्दे दा

श्चेत्रायळ अर्थायद्वाता द्वेश्वर्या स्वाप्त व्याप्त व



৻ৢয়য়৻ড়য়৻য়ৢ৻য়য়ড়৾ঀ৸ড়৾য়ড়৾য়ৼ৾ঢ়৻য়ৼ৻ড়৾য়৻ৠৢ৻ড়ৢ৻ चुन-८८-सञ्चर-मर-एकस-कर्म-पा-पा-एकस्मर श्चे प्रश्चर न स्रे द प्यें द स अप सदी द वें दि स विवासी दियों *ढ़*ॸॖॖढ़ॱय़ॱख़ॺॱऄॱऄ॓ॸॱॸॄॹॗॖॺॱॺढ़ॆॱॸॆऀॻऻॺॱय़ख़ॱक़ॆॸॱ त्रकथाः क्षेत्राच्याः कृति । क्षेत्राच्याः क्षेत्राच्याः क्षेत्राच्याः क्षेत्राच्याः क्षेत्राच्याः विष् **न्सॅं त**.सङ्ग्रसंस्थाया प्राया वित्र से वा संस्था वित्र से वा स <u> चै:हेद'यबेय:रु:वार:यळअ:वायर:वर्हेर्-बुय:य:दय:</u> <u> નઃતરઃ</u> કેં યાલુવાયા છે. તથસા ફ્રેં સર્કેં તુ સવે ક્રું ફ્રવા કુત र्बेदः अप्पेत्रः सन्तिषाः तुः शुरुः समारेता ने प्यर म्यूयर न म्यूये हे हें हैं जो है य पु न दर म्यूयम *वी*ॱदनवाॱढ़ॗॱढ़वाॱसॅॱऄ॔ॻऻॳॱऄॖ॔ढ़ॱढ़॓ॱदळसॱय़ॱढ़ऀॱॾॱसयॱ नःभूरः वेतःभूरः नवेः ह्याशः श्रथः श्रव्धेतः र्देतः तुः नवित् *5ु*र:वद्गा:वर्त्वे:गोद:रुअ:गाञ्जग्रय:ठठ:रु:ॲंद:य:देअ: ळं ५ : से ५ : सः न दि : सर्कें द : दि : सर्वे : स्व क्रुक्तात्व क्रीक्तारावाद्धात

हेंगाग्रेयायार्गेयापीटायळवादहेवाग्रीयायवेटयाया जशलूरशःश्रिःस्वायःशक्ष्यी जशःमिरःगवशःम्वीयः।मः हे.तक्षत्रासम्। तमान्नममान्द्र<u>ाज</u>ुःर्मूदानुःनमम्बेमः मिहेशसे ५ मुले १ इर इर महिशा हो द दें दा धर यस दे हिद केश महिर <u>রব উৎ শ্র'অ ট্রাঝ দ্যার বম অর্টর</u>া জার ম'রী ব্রুণা वी अर्वी र तार्बे र द्वी शाहे त्वस्य माही विदशार्से र सुह शुंशःक्वितायायायगुदानवेशयक्वितःह्वायाशुःचन्दि। र्ह्वे য়ৢ৴৽য়৾ঀয়৽য়ড়য়৽য়ৗৄয়৽য়ৣ৽য়ৄয়৽য়ঀ৾ঀ৽য়৽য়ৼয়৽য়ঢ়ৢয় हे प्रक्रम में भावे क्षिम प्रमान में प्रमाने प्रमान यर सर्केंद्रा वृत्वगाय इन्त्र्या देन केंश्वर स्वाम राशे श्वर देन निर्देश्चरम्बर्ग्यस्मित्रः केत्रः कुर्यस्य कुर्यस्य । हु: धुना क्रेंश सब्बेश शहे : इंद : लूट : भूनश देने : यर् दर्ग :



सर्स्य सेरक्षेत्र वित्र वित्र स्थान स्थान

শহ্র মিদ্যান্ব ক্র ক্র

त्र्ना क्ष्यः क्ष्यः त्र क्ष्यः क्षयः क्ष्यः क्षयः क

क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

यासिव्यत्मा यहाते प्रशास्त्रमा संस्था में भेरे ने येनअःत्रभःवि्राळंटःदेवेः घनःग्रीः अःत्रुट्यःत्रथः यग्न् भु:न्वरःवदे:वें:क्रुशःवेंन्यःक्ष्र| भ्रवशःने:न्दःवश्रुवः दश्यम् । द्वारायदेः श्रेषार्येदः तुः दरायरः श्रुवा श्रेरः श्चादाबेशासाते। बदशाद्दाची श्वेषाशाची के श्लेदात्वरा <u> ५,७६४ अ.स.५५२.५७ इ.सून</u> तुशक्तःर्भूट-तुःवहेश्वःश्लुः वृद्धेवाः येः द्वारः विदेशायः बेन्। बे.ब.र्नवर.च। कु.ब.र्नवर.च। क्रुर.ब.र्नवर.च. र्शेन्यश्चर्तृदानानित्रीं मारान्यरानिते श्रेंवाधिन्। निर्देः यर.चज्रेश.दश्र.देशर.वे.चश्रेत.च.वश्रायश्रेत.तर. वीकानेराधराराळें विन्धीयवाळे वक्ष ररावी दर बे[.]प्दर्वाः कें सुरः र्वे बेरान <u>बे</u>षा का के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन



चश्चेश्वात्वर्थाः स्त्रीत्रात्व त्यात्वर्थः स्त्रीत्रः स्त्रात्वर्थः स्त्रीत्रः स्त्रात्वर्थः स्त्रत्वर्थः स्त्रत्वर्थः स्त्रत्वर्थः स्त्रत्वर्यः स्त्रत्वर्थः स्त्रत्वर्यः स्त्रत्वयः स्त्रत्वयः स्त्रत्वयः स्त्रत्वयः स्त्रत्वर्यः स्

क्रूश.चर्च्रम.सिया.भी

स्यायहं स्याने क्षेत्र स्याप्त स्य स्याप्त स्

जुनावन निपानित है।

नभूर नर सहर भारती

মদম নৰ্শ শী শ্ৰশ শ্ৰু

द्वानिक्षायहमान्यान्याः स्वानिक्षाः स्वान

स्र-स् भुेष भूरम

बे देवा अर्धे दी दश्चर प्राचर विश्वे हे अर्दर प्राच्छा



५६। *५६:ॲ.५र्ड्स्* ५:४:वे.अ.य्.क्रॅ्ट्स्याःस्वानीःर्येवः *त्रशः*स्टःसेदेःर्वोत्रकाम्विकासुः मुनःर्धेद्। देःप्पटःर्धेद्रकाः चन्यायास्य ही स्वेद हें व ही से निक्त दर हे र न र्वा वया मानुदाब्वि:नडदार्से:र्नेन्:हेर्सेना:सरानगुर:न:द्रशानहुर: निरा कुलर्से दे द्वाकी दुर कुर अप्याय विकास यर वर रें विद्याय वहन यर वश्री हैं अ वहुर য়ঢ়য়৻য়৾৾য়৾৴য়ঢ়৻য়ৄ৾৾য়৻য়য়ৄ। "ঽ৾৾৾য়য়ৢঢ়য়য়য়য়৻ यामिनम्भामत्तुन्तुन्। वित्रम्बेत्रसम्हित्यस्त्र नवित्रःसानदःयःग्रेग्रेग्रार्शःभूत्। व्रिःयःर्रेःर्गे वहतः ইর'য়ৢৼ'ড়ড়'নয়৸<u>ৢ</u>য়৾ৼয়৾৻য়ৢ৾৾৾৽য়ৼ৾৻য়৾৻য়ৢয়৻ড়৾৻য়ঢ়ঢ়৽ डेश म्याया।" वेश महारश संस्टर पडंद से पदे क्षराखेतु है वर्षेताकेयास्य सरायरूर केरायर केर नुःदर्वे नुषायार्थे वाषानर्गे नार्धे नायन्य अषा क्रुन्याव केन्या। वाक्ष

_{क्}र्यथः ग्रीयः हते किनयः । त्युनः ठ्यात्यास्य । क्रा वया या यह माने या वर्षा माने वर्षा माने प्राप्त माने प्रा वी:देर:ब:तुर:बहुवा:ब्रेट:ब्रॅब:बेट्:बर:बन्दा वेंट्:ग्रे: क्तुयःरनशःनक्तुर्रःयां चै.गुष्यःनडंदर्भे क्वेंदर्भे वेर्षेरःद्रयः য়ৢ৶৽৴য়ৄৼ৵৻*ঀ৽য়ৼ৽ড়ৼ*৽ঽয়^{ঢ়}ৼ৽য়৻৸ৄৼ৻য়৻য়য়৻য়ৄ৾ঀ৻৾ঀ৽ *नरः* सॅ नङ्गेन्यासया नेंद्राया नरः सॅ नङ्गेन्या सदे र्सेवा र्वेनासर:तुरा दे:दश:ग्लर:दर:नर:कुव:र्वेन:देस:सदे: सुरार्से लाम्बेर नुम्बार हे रहिलालया है सेम्बार ही ह्यरः श्रुव्यः दृद्रः। ध्यरः वृत्यान् वृत्रः वृत्रः वृत्रः वृत्रः वृत्रः वृत्रः <u>ॻॖॱ</u>ॖढ़ॕ॔ॺॱय़ॱॸॣॸॱॺढ़ॺॱय़ॸॱऄॕॸॱय़ढ़ॖॖॖॖॺऻॣॺॱॹॖऄ॔ख़ॱय़ढ़॓ॱ ર્ક્રેબ[,]ર્બેન્,સ.લાવી કુ.મુન્યત્વીયાત્રાધ્યાન · इर-दे-वासर्केद्र-वानुद्र-विदेश्चिवायदार्येद्। भ्रवशदेर ર્વેદ્ર-ગ્રીઃક્ર્યું :ર્જ્સનાયઃર્વેનાયાના સ્ત્રાયાના ત્રાવેનાયાના સ્ત્રાયાના ત્રાયાના સ્ત્રાયાના સ્ત્રાયાના સ્ युभाहेत्रह्मश्रभाद्दारी अर्थे अराम्झुलाहे नदार्थे नहन



यदःश्र्वायानुहर्णेद्रायदरावे कृषायम्यविदा। सर्देरः द्राम्द्रवाद्विःद्र्यामुत्यःस्वर्यान्तुद्रार्थःस्ट्राःच्याःस् व्ह्राने त्रायायर प्रवास्य स्वर्ता से में मुकार हेत র্ম'রঝ'র্ক্টুঅ'ন্নঝ'নউ'য়ুবি'নন্'য়ৢ৾ন'দ্বিঝ'ন্ন'ঝিদাঝ' <u> चैत्रपरः स्राचित्रस्य अक्षस्य स्राचन्त्राच्या कृतः</u> र्नशन्तुः नुगारा व द्यावित से द्यान कुरार्वे गाहेरा विश्वास्त्रिः वरः श्रवेः वे विश्वतः वरः श्रव्यः वश्चरः नवसःहेद्रानश्चेष्रभःहे रहु र्चेर पदेनश्रामदे रेखेया हुर नम मूर्तामु मुमार्थमा में यर मूर्या के प्राप्त में प्र नश्रास्त्रीत्रम्।वानायनायम् ॥ वेशायनुमा मुलार्चिना हेर:न**े**,य:दश:झॅर्झें:रे:न|हद:नडॅद:नर्डे:ख़|नर:ग्री: नुराम्बर्भाषराञ्चरावद्वीराध्यानु नहनायान्या नरा श्रुद्धः न्द्रीनश्राश्चरः श्चरः मुनः स्वर्गः स्वर्गः हिः महन नतुरःनडंदःयनःश्रमःदमःनरःर्से पर्नेनमःसुन्।

क्रुक्तात्व क्रीक्तारावाद्धात

वत्-त्यीर-य-वीर-क्षे-ट्वीयक-ध्रीक-तूर-लूट-त-जू-की वय-त्यीर-य-वीर-क्षे-ट्वीयक-ध्रीक-तूर-लूट-त-जू-क

<u> </u>नेॱॺॣॸॱॺॸॱक़ॕ॔ॺॺॱॻॖऀॱॺॣॕॎॸ॔ॱॸॖॺॱक़॓ढ़ॱॸॺऀॺऻॺॱॸॺख़ॱ <u> इव.त्याय:पश्च.र्यान्य:पार्ट्य:यह</u>्या:यद्य:यार्ट्य:हेव: नुःवहिनाः ख्रेंवाः वया सवाः क्षेः नवेः सुदः वे से सः न ख्रेन्य नदसः (देश सुराय। दे से दासरा सुरापारी वास <u> च</u>्चेत्। तुअ:स्वअ:वतुब:ध:द्वअ:द्वर:क्वेअ:द्वर:वि:श्वाअ: ૹ૽૾૱ૹૢ૽ૺ૽ૹ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌ૱ૹ૽ૺ૾ઌૣૹ૱ઌઌઌ૽૽ૼૺ૱૱૱ઌ૽૽ૺૹ सुर-र्से-भ्रेल-र्सेल-रे-प्यर-रेस-समार्केश-सुँग्रस्य-खुअःश्चेतःपरःनहरःनदेःषेदःश्चेतःनवेतःसुरःर्गेःतुरः ब्रिंट्-यानश्चराहेश-दुश-पाह्मश्रशहें नशाहे नेश दें हा र्केन्याक्षेत्रानवे र्केषा ज्ञूनाना नेता ने के के अर्थे नामा दशः तुः र्केन् त्या सुभा श्रुवः या यहनः यदे । यदा र्थेवः न्नः <u> अक्ष्यासराचलित्। वर्षे यात्रदाग्रीयाली चार्टा पटादा</u>



विस्तर्भविद्यान्त्रीयः स्वास्तर्भात्राच्याः स्वास्तर्भाव्याः स्वास्तर्भात्राच्याः स्वास्तर्भात्र्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्भात्र्यः स्वास्तर्भात्र्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्त्रस्यः स्वास्तर्यः स्वास्त्रस्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्त्रस्यः स्वास्त्रस्यः स्वास्तर्यः स्वास्त्रस्यः स्वास्त्रस्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्त्रस्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्त्रस्यः स्वास्त्रस्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्त्रस्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्तर्यः स्वास्त्रस्

रदः रेते खुदः र्से क्षेत्रायह् ना नी कें ना पदे निवेद कें अ र्से ना अप्ताय के प्रयास के निर्माण पदे निवेद कें अप वदः द्वाय अप्ताय के प्रयास के निर्माण पि ना अप्ताय के से दः यश्रेय अप्ताय चिद्र हेद छिद प्रयास के निर्माण पदे से दः यश्रेय अप्ताय चिद्र हेद छिद प्रयास के निर्माण के प्रयास के निर्माण के निर् क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

ર્સે ' ફેન્ડ વાર્કે અપ્લક્રેવા પેન્ડ ' સાથે ક્ષાયા લેવા ' વેચ પ્લક્રે नःपर्नेनशः न्रा ग्लिवः हैशःषः नहेवः वशः वनशः न्रः महिन्द्र वर्षे अर्थे मुक्षाने द्वार वर्ष वर्ष के विकास विकास के दिन ब्रान्दान्त्रास्यान्यर्थे वुष्तनुषान। धरान्मेनिसर्केनाषा यक्र्य-पर्वेकी सर-देश-त्रुर्धरमाना हुर-विदेश-विद्वरा पर्विरःर्चेटःक्षे इस्रशयान्य वस्त्रः ची नम्रेन नगुरः ५८ः दब्रेय:नर्गेद:बग:चब्ने:बड्ड:बे:न्गु:य:नगे:दन्द्र-स:|य: न्यासुन्दर्याते न्युरास्यास्या पर्देव हेन्तु पह्ना म भुराह्मायानिहरामार्थेम्या मुन्द्रे व्याम्युर्या यः स्र- कुः भ्रें : क्रें देः क्रें वायः भ्रेवायः क्रें दायः स्वायः क्रेता *न्*नुरःर्वे ग्रिवा गी सेरायायन्यार्थे नेसन्वेग्रया है कं *ঀৠ*ৼ৻ঀৗঢ়ৼৼৢ৾৻ঀৠৢয়৾৻য়৻য়ঀ৻ৠঀ৻ঢ়৻ঀ৻ঀৢঀ৾য়য়৻ৠৢঀয়৻ यस्ति नमाना है वियानमा इत्सास हुन सर् र्षेत्



ন্ব্ৰা;ক্ষ্ম্য:গ্ৰীষ:ই:নৱ্ৰ্ব:ল্পিল্য:ঐ্ব:ম্ম:ন্ম্য ब्रें :ळं नशुर : नहर : नश् हे :बे :बर :न नवर नहर : बर :वें : इत्यासदे बुवाय ५ यय भन्न न स्वाया विदासे दे दिवी इर अर्क्चेन पुः श्रुव मंदे से क्रुश सेंद्र न संस्था सम *ॸ*ॴॸॱॿॖऀॱॺॺॱॿॖॱढ़ॆॸॱॿॖॆॸॱॺॕ॒ॺॱॲॸऻ ॸ॔ॺॕॸॱॿॴॿ॓ॱॸ॔ॴॗॱ र्शेट्ट प्रति हित्र देर प्रति हित्त के नाम हित्र साम मार्गे सुन कुं के नर निर्देश स्त्रिया स्त्रिया सामिता स्त्रिया मुल्या पर्विन:इसराप्टेंसराने:ग्रिन:वितःसिंदे:स्रुरा:हगरापा:स्रुतः नवान्दरम्बर्देन्दर्ववानुभाद्देशक्दादर्शन्तन्दा ह्य নাৰ্ঝ নাৰ্ট্ৰ নে ইনি শাজ নি ইন্ধ্ৰ নেই নৰ ন স্ত্ৰুপী ন ন <u> र्ह्मा नर्ह्या चित्रा स्तृता ची स्तू</u>दा दित्र स्तृता हो मा গ্রুহ:৫র্বা

र्यार. रुषा वाचतः वे. सर. त्रिया प्रतः वे वा वे व्या वित्रः स्था वाचतः वे स्था वित्रः स्था स्था वित्रः स्था स्था वित्रः स्था

जुनागाव की नागावाद्धा

पश्चित्।" डेश्राःश्वराद्यायस्य हे नश्चा क्रिंत् वर्षे शत्वरः देश क्षेत्रं श्वरः श्वरः वर्षे वर्

ईव:ईवा

र्हेनर्हेनरहेश्वराद्वीयाः नित्राधित्रित्रिः श्रीः इद्वर्श्वनाः मित्राधित्रे याः स्वर्थाः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर



८.क्टुंदु.ट्याःक्वेंदे.ल.च्यांचाश्रःक्ट्र्ट्रेट्यःक्वेंद्यःभीःह्येटः मर-तुर-विम-मेश-हेंच-हेंच-ग्री-ग्रेट्-श्रूर-श-य-वहम् <u> नद्यन् किन्। किन्यमेशम् सम्बन्धः सम्बन्धः स्वर्थः स्वर</u> *ৡे.ऄॸ*ॱढ़ॼॖॺॱॸॖॻऻढ़ॱॻऻॶॖॺॱॸॖॱऄऺॸॺॱढ़ॺॱॺॿॸॱॾॆ॔ॸॱ ફેંચ:_{ૹૄ૾ૢ}૱:એ૬:જેવા:વ:વાત્રચ:&દ:વાબ૨:૬અ:વિંચ:વચ: वेदान्तेन सूर्यायान सूर्या हे हिंदा हैन देवायाया नद्या वहें तर से दार हें निया सार हा। सक्षेत्र मुहार्ये वा उसा विना लार्द्रवार्द्रवारदान्वनातुः त्यावार्वावार्वात्राचीत् र्र्षेत्र मदेः छुन्। मान्तराषा रेगा र्गे मन्त्रे सके दार्शे मु सर चर्वुम् अ: नुरुष् । श्रुवः म् असः विष्यः मी: भ्रूच अ: व्यः विसः मी अः <u> श्चेरःअर्दे:श्चर-दुःर्केनाश्चर्यश्चर्यादःक्वेदःविनाःयहयःदः</u> ययः क्रेर: द्वो : यर्दुद: यः क्रेवा : व्रि: रुंयः यस्' खुव: ययः खूयः यात्रमा मुः अते र्हेन हेन हेना मेश मिति समा सेट त्या त्रया भ्रमामिकमामित्रमा ॥ हिनायम्यामाके द्रमार्थेन।

क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

शुअप्तक्कुप्तिवे प्रक्कुप्त्रस्य प्रमुख्य विष्य चन्द्रिया द्वेयाशुः । अत्याद्यो चन्द्रिया क्षेत्र हित्रा । देवा'दर्वे|दाळेद्र'चहन'स'द्रश्र'दार'द्वे।'यद्दुद्र'स' नवि'नक्तुवे'अद्गायत्तुन्'यार्श्वेर्मनवे'वें क्तूर्याग्रह्णेन् ૾ૣૻૼૼૼૼૼૼ૱ૣૼ૱૱૽૽ૢ૿૽૽ૼૹ૽ૡૢ૽ઌૻૹ૽૽૱૽ઌ૽૽ૢૼઌૢૻ૽ याञ्चिरायदी दिवाप्तर। भ्रेग्सेवा क्रेक् में प्रवास्वाप्तस्य र नबुर-दशक्षेत्रसळ्त्सेन्-सर-ब्रिस-स-नर्सून्-स-न्-। वन्ननःरेशानुन्यार्ज्यानुः सान्नन्। हेनाः वस्य स्ट्रेन् केनः निर्देर:दर:श्रेना:दर:दु:दे:श्रें:द्वा:वें:दिन्ने:दर:क्व:दर: अन्तरहें नाम दिवटाचानस्ययामा न्याद्ययास्तेतातुः ब्रुयाचुनाया हे हियान हे नाया सूर क्रिंत क्रीत प्रान्त ढ़ॖॱळॅ*ं* २ ब्रॅंट नदे ॱभूनशॱ८्ट नसुद दशॱहें ॱऄॣ॔*र*ॱऄ॔ॻऻशॱ कुनारेशः वेदः भ्रदशः ५५: भ्रेदः भ्रेद ॱॸ॔ॱॸ॔ॸॱॸ॓ढ़॓ॱक़ॕॱक़ॗॕॴॿॕॸ॔ॱॸ॔ॱॵॸ॔ॱॻॴॴक़॓ॱॸढ़॓ॱय़ॗॱ



त्त्रस्थः में न् वेर्यान्य निर्ध्यः में नः हैं नः वेषा धेवः स्यान्य स्वान्य स

कु:ळॅब:या:बुग्राया:स्रूट्या

कुःळव् वे प्यहेगाहेव ग्री केश हैं अळ र निवे हुन ति प्यश्चित मिन्र ग्री रेग्य के वि ग्यो के स्थान हुन मिन्र के स्थान हुन स्थान स्थान स्थान स्थान हुन स्थान स्यान स्थान स ज्ञानाव के नामा वाद्या

चतः हुः ह्वा हैं हिं त्या मुद्दः चते हुः ह्वा हें दिन्। चुदः चते हुः ह्वा हैं हिं त्या मुद्दः चते हुः ह्वा हिंदा है। यथः

र्नेन्नुः क्रुं कर्नु यार्गे देशदेश सदि हें गाविन र्वे गासर नावरःशायवःवे नाधुः र्वे ना ह्वेरः सः धेवः हवः सर्वे वः रें स्थेवः मरामन्। दे हे या देश मली दा हु रहें तथा द्वी सी ना ही द यावतः सर-तृः र्वेद हे । द्धः त्वंद । श्रीः सदः प्येदः ५८ : ५वेषि सः म कु:ळंद-य-विवाश-कुंय-श्रेवाश-कुश-पर-पश्व-पशा र्वेद-देवाश्वायदःर्क्षेवाश्वाचीशाकुःळ्दावावोदावर्देवाः केव[्]र्याग्वदाङ्गेरेपर्देदाद्दाद्दालेवाकेन्दुःर्येदावासा <u>রবা ঞ্চ:করের সমমা শ্রুমান্তম মমমা শ্রী র্ব্রির অমান্তম</u> यत्रीत्यम् वीराक्ष्यापरायन्तर्मृत्र-तृः यान्य वित्राप्त र्बेट्-अन्-वन्-वाशुक्ष-तु-कु-क्वेत-भून-ग्रामान्य-ठव-सन्-वें-र्षेर्पः प्रियः वा अर्देश्चर ग्रेग्यये स्विया द्वः द्वा विः



ग्वि कुं क्वा वर्दे नवे कुं क्वा वर्ष क्वे का अर्दे कुं क्वा प्रदेश बिरायराचा ठवा कुं क्वी परी वी विराक्षी खुनी . ફ્લાના શેવ.રી. વધુ. સેરી કુરાવતુ. તુરીવા જે. જ્યી કું निर्देरनी रासानि हु हिन्ती सर्हे श्रूर शे में मु हु हिन र्शेनामानेदानुःसरा कुःस्त्राने प्नाने श्रेते सार्श्वसमा १५ नराधेवा कुःळंदाः धेरायवेः नादशासुवा । नवाः रही र ग्-दर-द्वर-दुश-व्रवस-व्येश-व्रदः हंस-दर-सुत्य-क्री: नर्गेद्रमर्देखळ्राठ्वात्यूरावेद्य ह्विशहेदायवाळेता मात्रवर्भेदेश्चर्भे न्यमें न्यम् मात्रवर्धिन्। कु:ळंत्र:ग्रीश:त्र्न:ग्री:रेग्य:नु:संय:स्व:स:न्रः। ध्र्याः यर सुराविस्रा ग्री न्यर इत्सादगुवा हेर हो र पदे व्ययानायानहेत्रत्यासुयानेद्यानद्यात्त्र्यानर क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

क्रीर.येश.यश्चीर.त.शूचीश.ता.तय.तर.य.चेरी क्री.क्ये. *૬.*ૡુવાચ મલે :૬૱ૐ૬૧૱૧<u>૦</u>૱૨૧૱૱૱૱ न्धेन्यिकेशयान वरावेन। र्वेन् सेदे र्वेस्साम्बेस ৻ৼ৴৻ড়৻৻ড়৾৾৾য়৻ঀ৻য়৻ঀৢয়৾৸ৼ৾য়ৄ৾য়৻ড়৻য়ৼয়৻৻য়৻য়ঢ়ঢ়ৼ৻য়৻ त्नुवान-इत्वर्ग-दुन्निहित्न-स्वायाः स्वायाः स्वायाः क्रिंगाः क्षेत्रः श्रुवाद्यवे त्युवाद्या श्रीयः यद्या विष् र्के.या.स्यमः ग्रुयः हे मः र्वेषा सरः कुः सर्वे। त्रमः से । तुपानः नर-कु-दह्ना-वय-विनय-विर-देश-नय-कु-ळ-यर-वह्याचरानुन्। नदार्थे वह्या धुवा बुदा नर्गे शाया नदा। *૽્રીઆસા* સેન્ડ-૧,તાર્ફેન્ડો *લીધ.જ્*ર્યાત્રા જાત્રમાં છે. *-*9ृ-इ-म्वेम्।नर-५५ृम्।केर-दे-षश्यायर-न-५५ृम्।यदर-र्षेत्र वर्मानारविनाः द्वात्रः स्वतः तुर्वेतः भूनशः वर्मान्येनाः इया. श्रद्धाः श्रुवः स्त्री देवे स्युः अळवादी वरायः सुः *ঊ*র'র্ম'র্ইর'ঝ'য়ঀৢ'নর্র'ন্দুদ'দ্দ'ঝঝ'য়৾ঽ'র্দ'



व्ह्यः कें ना कें ना हो न न नें न न नें ना कुर कं न श्रेवे सन्तर्भन श्रुन नु द्रार्खें र स्त्रुद्र से द्रार्थ हे र दि है । स *ॱ*ॾॢॸॺॱॸॸॆॱॲ॔ॸॱक़ॆॸॱक़ॖॱऴऺ॔ॺॱक़ॗॕॺॱक़ॕॺॱक़ॖॆॸऻॱॸॆॸॱॸड़ॆॺॱ र्वेद्-श्चे-देग्ब्य-ग्रेब-कु-ळ्द-ग्रे-तुब्य-घट-घहेद-द्वय-द्वद मिवि नर्के शक्तुरान् उटादमिय में हो दायाया वहा कुर कंत्र मुकाः सेदे : देग्वा :गुः खुका विस्वा : यदे : यदः या :यदः तुकाः केव र्से प्रश्नुम पीव प्येम् प्रथम । इसम्य हिम् पुरम " इन् क्तुं: सेन् : पदे: त्रन्या । भी : पर्चें : न सस्य : स्याप्त दिया। कु ळंत्र न क्रुनः र्रे गृष्ण गावरः ५२। | विष्ठः ग्री: देः यः ५ गः पर्वे । " बियायदे पावया ग्रम्या हिम्से वा ग्रम् सर्दर्त्र, क्रु. क्रव्र क्रुवा क्रुवे के से स्ट्रेंट ख्वा ख्वा वी सेंव दशर्ने दः शेरे ना शर् शेर्मे अशर्शे वः देना हुः कना शरे हः द ૡૢૺ૾ૻૡઽ૾ૹૢ૾૾ૹૼ૱ૡ૽૽૾ૡૢઌૻ૱ૹઌ૱૽૽ૢ૽૱૽૽૱૽૽૱૽ૺ૱૽ૺ जुनापाव के नापाव १६० (१

सर-रु:वर्जे:चलेव:थॅर-र्ने॥

ब्रुज क्रुव क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय

অংশ:মং:বর:শ্রুঝ:বিব:উবা:এর:বম:শ্রেমাব্রম:বিবা: *न्*राधुवाखुरार्श्ने र्श्वेदेश्चराष्ट्री स्त्री स्त्री स्त्राखुवराख्य स्त्री स्त्री नवे न्ते न इराधेन ने पर स्र केंश कुया भूनरा ही र्से क्रुशःदगदःवेगःगे दरःर्देरःश्चेरः नवे द्यु न ५५। ५ नुव भग माने भारते द्यु न क्रिं के खेला से ५ *नाने सुन्नुन्ने से साका साना* सुँबाना थें न स्तृता नामका न ૡૢૻૣૣૣૣૣૣૣૣૣૢૢઌૻઌૢઌૼૡ૽૽ૡ૽ૺૡ૽ૺૡ૽ૢૻૢૹઌ૽૽ૢ૽ઌૡ૽ૼઌઌ૽ૢ૿ૢૢૣૣૣૣૣૣૢઌૡઌૡૢઌ त्वीर.य.सव.य.दीवे.लूर्यवरा। इ.चदु.क.वंश.र्घर. র্মুল'কুর'দেইর'ম'ঈমম'দম'দারম'স্থন'ম'রম'সুম' र्थित्।



ब्रुगायर रुषारयमाय इ.यही यदे सहमा उस है। है। શ્રેઽ્યન'ર્સે ગ્રુવઃયઃ૬૮ઃફ્રેપ્વઃ૨ેઠાશ્રુદશ્ચાયઃર્સેનાશ્વાગ્રી: শ্লনমার্নি-শ্রি-মূন্দির-ক্রমমান্ত্রীমার্শ্রি-নের্বন্ধ্রমার্দির **ঀৢয়**৾৽য়ৢ৾৻ড়য়৽য়৽ৼঀ৾৽য়ৢৼয়৽ঢ়৾৽ঀ৾৾য়য়৽য়ৼ৽য়ৢঀৢয়৽ मदे मेत्र केत्र क्रुत क लेश मदे कश में शिक्ष मे नाम स्थापम न्तुशासुवानुः अर्डेटाकुः व्यन्तान्त्रम् कशार्वेशादने दे ৼঀ৽য়৾য়ৼয়ৣ৽য়ড়ৣ৽য়ৣ৾ৼ৽য়৽ঀ৽ড়য়য়৸য়য়ৢ৽য়ৼ৽য়ৼৼ৽৻ र्श्रेमा ह्या हिन्या केयान्या र् र्मेश है:वेर:वाइवा:वृ| सॅर:भुवश| र्गे:ब्रुश:र्हेवा: <u>ড়৵৻ঀ৾ঀ৾৾৾ড়৾৻ড়৻ড়৵৻ঀ৾ঀৠ৾৻য়৾ঀ৸৻ৼ৻ঢ়৻ৠ</u>৾৾৾ৼৄ৻ৼ৾ঢ়ৄ৾৾ৼ <u> देवाश्वास्त्रश्राण्ये कशः वीशः श्वाद्याः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वरं स्</u> बुचार्यरा सः क्रूर्यस्य स्वा स्वयः नावता यहिरावः

ज्ञानाव के नामा वाद्या

विवासिय। व्यन्तिया। ड्राज्या योश्याद्वेयाविवा र्गे खूबार्हेना नहेना या वृत्ये प्रदेना के दान प्रावृ नडशः मुँदः स्वार्धिन् सदरः न्वतः देते सुरः मुवः स्नन्यः ग्री-भुँद-ळग-५र्रेग-धेद-धर-चन्द्रा न्वतः पर द्वया या भु नया वेदा है। श्रेदाद्वर पदेंद भूनशन्दरकुषाद्वराष्ट्रायदे भूनशार्श्वणार्थे गुःश्वेद नभूत'यद्देत'क्रॅंश'क्तुय'र्वेद'र्नु'श्चेनश'त्रश'यू'नवद'नृत র্নি-শ্রি-ক্রুঅ-র্নান্ত্র-রাজ্য করি করি করে কর <u>त</u>ुर:नर:नहेद:र्सेग:ळश:दगद:वेग:ग्रूर:र्नेर:र्:र्: ळॅन्यान्येराम् वृत्रासक्ष्रिरान्यस्य ग्राम्यन्य हेना त्। गर्भरः वन्भा हः तुः वें सें रा स्मा तुः सें ग्रासः सेः <u> देवाशःवाबदायदेः श्र</u>ेंदाळशःश्रेःभ्वदःश्लवशःदेः दंशःदशः बेनशः हे व्यः दें न्यवे नक्तुः उंशः ध्रेवः यः देन्। बिरायर्जेगासराळेग्रान्रार्जेरासीळेवे क्रेंत्राळ्याया



मिवि इते मन् मिठेमा अर्द्धन्य धित स्वरः । कुः श्रुयः मन् ब्रुय:तु:५८:। धनाय:देनाय। दय:क्या र्वेय:केत: ৻য়৾৽য়ৢয়৽য়৾ঀৢয়৽য়য়৽য়ৢয়৽য়৾য়৽য়৾৽য়৾ঀয়৽ बळेश[.]भेटा नगेरावातुन्येन्छी:धुःवासुःर्येन्दिःसुः *ૹેઽ*૾ૡૢઌૹૼૹ૽ૼૼૡ૽૽૱૱ઌ૽૽ઌ૾૱૽૽ૢ૽ૺઌ૱ઌ૽૱ૢ૱૽ૢૺૹૣ૱ सम्वनान्दरायेनामानेमान्युरक्षेनामार्यिद्राया र्गेदर्वेदेनुद्र यर्वे श्वयाद्या क्रें नार्क्षया कुष्माया यर्वे श्वया कें য়ৣ৾৽য়৽৴ৼ৴ড়ৢ৽ঽয়৽৴ৼ৽৸ৢঀড়ৼ৽৴ৼ৽য়ৣ৾৽৻য়৽য়ৢ৽য়ৢ৽য়ৢৼৢ৴৽ <u> ब्रेट्स्बर्याण्चेयासुःचदेःश्चटायास्ट्रेटावर्रेग्यालेयायदेः</u> *સુ* એન સૂચ તુવે કુ બેંગ વદ્ય તાલે વ કેંબ સેંબ બેંન य:५८। ने:मबेद:सर्ने:सून:सून:सुन्य:ग्री:सु:मदे:र्वे८: नरः छरः सेवा ५८: कुः सेवा वा चेवा स्ववाया अयः कुतः र्श्रेन्थाक्ष्याः स्त्रिन्यम् स्त्राचन्। न्त्र्न्यम् स्त्रेन्यस्त्रे क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व १६६०

इ.य.रटा रेग्रेस्वर्याक्यार्ट्यक्रियंत्र्येया ર્શેનાશ્વાગ્રી સ્ટ્રેન્ડનું વર્લો ફ્રાયાર્સેશ ગામ સ્ટ્રીનાશ્વાગ્રી સુનાનાનુત્ यान्द्यान्दान्त्रान्याच्याच्याच्याच्यान्दा भ्रेन नर मेर्रेर ५५% में किन स्रा दनन हिम क्वें में प्रेर्पिन नुनमः सँग्रायदेंग्याक्यानेत्रः स्या धराक्षः सर्दे *ব*র-র্ব-ঐব-র্মম-গ্রী-ক্রব-বাব্র-অ-র্র্রুম-পূঅ-ব্র-রূ न् न्द्रयः ह्रः वेशः मदेः न्द्रयः संग्रशः मह्यः *नः* र्येन्ययः देन्य अर्थेन्यः द्वार्यः द्वार्यः स्थयः क्षेत्रः नाधुः हुर सुः हेना सेनासः ग्रीः श्चः श्चना सुरः नासुरा उदः वेना <u> २८.१ ल.मून चाउ.चाशेशःश्</u>रुता चानुतुःश्रेःश्रेच चै.२५. न्नारान्। यायमाञ्चासळसमासुःनाने प्राम्या র্মিলামান্ত্রীমানক্রুরামান্দা লাউদের্মীক্রমান্ত্রীমালাধ্য बुराग्री:श्वाञ्चनाद्दा। नाषु:बुराश्वादेनाप्ययाज्ञवायवे:श्वा बुगान्हेनसःगृतुःदर्भात्यान्दाः भ्रोबिरा



र्नेन् सेदे नुष्य र्श्वेष

श्चेर-र्नेद्र-श्चेर्नम्थ-देर्न्यमायह्नम्थ्यम्थान्त्रस्य दक्केन्त्र-तेर्न्यदेरस्यश्चास्य स्वाद्यस्य दिर्द्यस्य स्वतः नःनश्चेत्यन्तेर्वेरस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य दिर्द्यस्य स्वतः

क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

*५*२:गर्वेद्र:गशुअ:५८:अर्चे:५अद:शु:धेद:द:ध८:ऄॅ:ऄॅदे: নার্ম নন দে মেধ্রর দেই নাুম শ্রেনাম দ্রে র্রান র্টেদ দে यः बदः वः वर्षे यः क्रीं वः स्टूरयः दरः। वीयः यः क्रवाः सूरया नगदर्सेवातुः भ्रद्या सेनानीयान्यः भ्रद्या नर्सेवा *ৼ*ॱ৻ৼৢ৾৾৾য়ৢয়য়৽ৠৣ৽ৠৼয়৽ৠয়৸৻৻৻য়ৢয়৽য়ৢয়৽ৠ हिन के अन्त्रीम्यानस्य न विमायीत्। दे.लट.मूंश.मूंद्र.कंट्रश्चरी सूट्रक्र.ट्ट.ट्टर्टर्ट्र शै श्रेंत्रः कशः गरः विगाः धेतः तयरः द्धयः चवितः श्रेंतः यः त्रभा स्यात्रह्मायोरः क्रेंन्यान्या वेना क्रिक्षे क्रियायरः बराविवाचे रेरार्थेना ब्लासर्यवासासासम्बद्धी भूनराल र्से से सुन्या तुन्सेन धेतात भूवे वात तुरसे र्क्षेत्रप्रश्रम्थान्य व्याप्य स्थाने न ने निवेत से मा मी निष्ट सूर्य मिन स्वर मिन राजर



भेगा हे रेर भेर मध्य नार्टा सुकारेंदि इसादगुर पट इत्त्वानान्त्र्याचेत्रायाय्यास्यानानेत्रात्नचेयाने से्तर्या र्वेग्राय:वेन्। स्टायय:न्यय:नवय:स्टायद्यवी: देवारायार्वेदावारायायराञ्चराञ्चवार्वसान्चेदारायीत्। वर् वहँसमार्सेन्या ग्री भ्रम्यान्यम्य निर्देश र्वे देशक्षर म्याय दु विद्नार यश मार हुर दु र रहे द यार्चयाशुर्च हेर्स्यार्येन गुर्मासूर्वरासर्हेत्त्रः सु र्सेन-५८-वस्नन-सन्तम्नित् ५ने द्वारस्ट स्मान য়ৢ৾৾ॱয়ৢয়য়৽ঽয়৽ড়ৄৼ৾৽য়৻ঀৢয়ৢয়৽য়৽য়য়য়৽য়ঢ়৾য়৽ र्वेग्ययायाचेयायासुःसे यहेत्। ૹ૾ૺ[੶]એૠૠૢ૿ૢૹ૽ૹૡ૽ૺૠ૽૽ઌૹઌૹ૽૽ૼૼ૱૱ઌૢઌૢૹ૽ૹ<u>૽</u> <u>ฟูกลเลเลเส์เส้าสมลเริ่มเกเตุระชั้รเกเผลเรร</u> ब्रूटःगटःइबःइवःर्वेवःदटः। वळ्टावःवतुनःवरेनः ર્શેન્યાસાસું તું નાગઢયાસર્ને માત્રા તાલું વાયુ તાસું માત્ર जुनागाव के नागा। वाद्या

ষবাশবেষবা শ্বন্ধা



रेगा इया यश र्वे दाया देवा भी दो हो रामहेदा हरें आर्थे। दर्ने द्वा वी वें त्रिक्ष व्यवस्थ व्यवा सूत्र स्त्र स्त्र स् वनानीयार्केट्। श्रुटावन्ययायवनासूट्यायादेनायासे वर्त्तः नाहेशः उद्यार्थेन्। यर्जेन्यान्यः न्यः सूनराननेः त्रिया. इ.स.च्या वाषय. शुर २५८ क्रि. श्रुया अस्याया व्याप्त यर सेन्। सूनशानने चन्या शहि ने ते स्वीता मृतान वि । सामा यद्यायायदाः हेराहाय। क्याञ्चीया य्याञ्चीयावियारम् नविशः र्स्ने सामवि नर्से स्वा देवे स्वे र र र प्रमाय स्वार र য়ৢঌ৽য়ৣ৴৽৴ঢ়ঀ৽য়ৣ৾৽য়৾ঀ৸৽ড়ৼ৽৸য়ৢঀ৸৽৾ৼ৸৻৽য়ঀ৸৽ बिदे म्दान महिका है। स्ट्रेन का नुः विषा नर्वे का है। त्वनाः सम्बर्ग्धे सन्दे त्या मुना हे नाया गुरा हे मारा देना वी प्रवा म्राम्य म्राम्य प्रवासिक मिर्म मिर्म म्राम्य प्रवासिक मिर्म मिर्म मिर्म मिर्म मिर्म मिर्म मिर्म मिर्म क्रुंदे:र्डेना:श्लुन:नर:देना:श्लुन:नहेश:नरेन:नर:न्:न्: श्वनायमायदेव द्वामायदेव स्त्रीत हिमाया विषय स्त्राची स जुना । व की ना । । व । ६० (५

हं हें रा

दरः ठवा विद्यान्य उद्यान क्षेत्र क्



त्त्रव्यत्त्रस्य मान्यव्यव्यक्ष्यः वित्रस्य हिन्द्रस्य हिन्द्रस्य

दे.लट. भे स्वाप्त अपत्रिं र माश्रुवा ही उत्तर श्रु त्याव पारे हःनरः श्लरः अन्यः भूरः क्रुवा चित्रे चित्रः चित्रा द्वरा हः चः श्रेः र्शेशन्तेश्वानाविदायनेदान्दार्शेन्यस्य सेन्यन्याविश्वा मरासर्द हेर्। मुश्रुस मरासे सद्दे ह्या नहसारी हं विष्यव्यवस्य स्त्रीत्रस्य देश्येत् हिस्से स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर वशर्श्वे.ज्.मियातपु.सूर्ये.कु.शूलामियामी.लेश.क्षाह्रेर ज्ञरानिनाधिदाराद्दा युनायराष्ट्रीदरानीयावर्याः য়ৼয়৵৻ৼ৽ড়ৢ৾৾৾৴৻য়ৣ৾৻ড়ৣঢ়৻য়৾য়৾৴৻ড়৻ৼয়ৼ৻ড়ৢ৸৻ঀ यर गृतिग्रथात्र सेन् रेग्यथायने ते सेंग्रथर मेंन् नुसूर न:८८। १.४४।श्रॅट:नइंद:८८:बट:क्रुय:२२४:श्लेन४: *क्कु* र्वेद्राचराद्यायादर्वे राद्दारेषा ग्रावसाञ्चेयारे साम्रस क्रुक्तावक्रीक्ताविष्ट

यवे नक्टून रे आर्वेन रेन् न्य का कु खुवानु नर विदा हो अ र्शेर-रेशनविदाध्यापनामवदायाह्यनम्यानुःर्शेरः *ॾॖे*ॱदेदः*षह्*यःश्चेदःचें।ॱक्डेदःबेंदिःक्यःग्यदशःळेदःवेंपः प्रिक्वाशास्त्री हाक्नुगायम्बन्धस्ते हो हायम् वाह्यापा প্ৰামদ্বাদ্যমন্ত্ৰীৰ্বাশকেন্দ্ৰের্মানন্ত্ৰিনা *ढ़ॱ*हेदॱढ़र्देवॱयॱवेॱहॱयॱढ़ॺॺॱॻॖॆॺॱक़ॗॖॖॖॖॖॖॖॣॖय़ॱख़ॻॕॖॻऻॺॱ यदे नर्वे द यदे से ट द्वारा सुरा में न सुरा है । या है ना वा नग्रस्थायदे । तान्त्रम्य । स्वास्थायस्था स्वास्था स्वास्थायस्य ह र्डेन दशस्त्रीर य प्राप्त विद्यास्त्र स्त्र हो प्राप्ति हवे स्ट्रेट रुपर्वे वायनन मेट्यायट मेट्रान दे रुपर हवे *ૼ*ફ્રેઽઃ૬ઃગ્ર**ા**ત્રત્યા શેયા ક્ષ્યા ના નદા ફ્રિંગ્સ્ના ફિંગ્સે અર્દે ફ यर मान प्रते द्धेया ग्रीश क्युमाश मा ह र्हे मान्यश विमाश यायसम्याहे हासुनायदेन नजुराज्ञेन यार्थेन यार्थेन



वःहः हेन् ग्रीः क्रॅन्यः वर्षन्यः व्यवस्थितः वर्षन्यः वर्ष्णन्येन्यः वर्ष्णन्येन्यः वर्ष्णन्यः वर्षेत्रः वर्ते वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्यः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्यः वर

र्नेन् अदे नगम होंना

श्चेरपर्धे नः सेदे रेग्या ग्री नयस श्चें रपरे पीता देया नर्हेन्कुःन्गवःववदः। र्वेन्द्रिःनेग्रयःवानववःस्र्वेः द्यान्त्रं के स्पर्मा हिन के देशे प्रमा हे सार्थे र दिन क्रॅंश-५-र-तायानहेत्-रेशनवित-तें ५-क्षे-क्रॅंते-नश्रयाङ्केतिः *ব্*ন:ব্ন:ঠিশ:গ্রী:ঝ্ল:ব:ঠেন:ঐরিব:র্ন:ব্রি:বান: बिनान्तेन्:ग्रानःकेंशन्नः व्यवेषः नः के:बिना व्यनाः मनः र्वेनः नक्वेः अर्थेन् वायः स्वायः श्रीयः वर्दे द्वाचे वायः द्वा । क्षुरः यवरायाके पर्देवायी भी या या प्रवासे साथे दी <u></u> નેશ્વત્વર્સિન છે. લેંગ્_{ફુ}શ્ચાવના ફુર્સિન શે.સેન્શ્વરા છે. છે. સેંગ क्रुन्तावन नेन्त्रा वाक्ष

ૹ૽ૡૢઃ୩૬ૢઽઃકુઌાલેઃૡૹ૽ૼ૽૱ૠ૽ઌ૾૱ૢઌૻ૽૾ૹ૽ૼ૾ૡૹ૽ૹ૽૽ૢ૱ क्ष्यानम्दाराद्या देः अरायाञ्चेतुः च्रताक्षेत्रायायाः न्यवे:रेग्रयायाः श्रेटा हे:के:न। नेयारेग्।नग्रान। नर्वेनः <u> नश्र्वःश्चनःम। नार्चन्यः चुन्यः सेन्यः सेन्यः सेन्यः सेन्यः स</u> वान्वादार्चे व्यान्त्रा अञ्चवा श्रेत् स्रिवाश य.र्नामश्रमः इस्प्राक्ते नार्ना सर्ने नार्ने विस्पः विचा यः न्वायः वः स्र्वायः वासुन्यः व्यन्तः स्रायः स्रितः स्रितः नश्रसः र्श्वेन ग्राट त्यदः स्रीतः विष्टा साने । सूनः व्यवस्थाने । भ्रेनामायायहें अश्रामान्दान्नो नरार्श्वे नाते सें नाते श्रेते নমমার্শ্রুদ্বারী বামপ্রবার্থীর देः पर वेंद्र के देवा बादी केंबा पर दर्भवा बारी बारेंबा निरा ब्लासन्दर्भो नवे नवे सम्बद्धान्तरम् नवो क्तर-१८-४८-व्यक्ष-क्तर-४दे-१रेण्य-व्य-गुर्य-वि. डेटा। वयाक्रुवावयादटाक्रुट् देटावेटान्रुययायेययाळे[.]



यास्त्र न्याः क्षेत्र त्याः त्याः क्षेत्र त्याः त्याः क्षेत्र त्याः त्याः क्षेत्र त्याः त्य

र्श्व द्वं त्व का र्शे त्यु ट है का ना शुक्ष नी का का निका है। व्यक्ष मुन्य स्व का निका मुन्य स्व का निका

ज्ञानाव के नामा वाद्या

নুব:মন্নর:নূদ:ক্র্মা

व्यान्त्रः क्रांचित्रः व्यान्त्रः व्यान्तः व्यानः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यानः व्यान्तः व्यान्यः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्यः व्यान्यः व्यान्तः व्या

लर.शरशामुशामु नमूत्राया देता है। सामित्राया



महिरासुः विन्यायया सर्दे सिम्याया मयर हिरानी इसामावमासेना हेमानाकेतार्रे स्मानाग्री नसूतामाना ग्रथरःह्रेटःमी इस्याम्ब्यायन्त्रेट् हेटा देवै मेंट्रर्रा અવિશ્વાસઃસ્ટાસઃર્જેશઃસ**ે**વેદાસદાસ્ત્રુદ્દ-ફેવા:હવાશાર્બેદ્દા <u>৾</u>ঀॱ৻৻য়য়ৢৼ৽য়ৣয়৽৻ঀয়ৼ৽ঀৢয়৽৻ঢ়য়৽ৼয়য়৽ঢ়য়ৢঢ়৽য়৾৾ঽ৽ <u>बराक्षाङ्गनाञ्चार्वेनाविरामशुक्षाम्बर्धकार्वाङ्गनाञ्चाका</u> द्ययाजी.मी.पर्वीयामीर्यादेशस्यातास्यावीयाहेराता बेशन्ता नुसारवसामञ्जावते वृत्तर्मेव स्वत्य स्वत्य सेश <u> विःदूःनःरेत्रः केत्रःनबरः वे त्रशरेते स्वतः ग्रीः विःदूःनः न्याः</u> म्रीयामश्चीरायपुरम्बेर् क्षेत्रयात्मास्त्रीयातसुराम्या बेशपदेप्तस्त्रुनर्देगशपर्रेन्। नेशक्तर्वेष्ट्रंनर्देवरळेत नवर में है है त्युर न्यायर अदे में हूं न ग्राह है। र्वेगायाने प्रोत्रा ज्ञेना पाव के ना पाव दिए।

इस्रयायास्य विकासाने साम्यायायाया स्मान्यः देर:अपिक्ॱर्श्वेनःक्रेश·गशुक्षःविषःदर्देशशःसदेःर्हेनाः र्थे :केत् 'तै'र्दे 'तृ'त्र'र्श्च म्यूष्य 'नदे 'र्थे 'तृ'न 'सर'र्धेश' ক্লুঅইবি:নশ্বংদ্দেব্দিষার ব্রিঅ:ব্রাম্বার্ম ক্রি:ব:ক্লম্ম <u> पश्चुर डेटा वयम् राधुय ५ प्रुत र्सेट में श्वट रेटर</u> से चर्षियात्रासद्यः यात्रदः क्रिन् न्त्रः स्त्रीतः न्त्रीतः न्त्रीतः स्त्रीतः নার্ম র্মনাম শ্রীম মানন দের্লীর নামন মেইন রম শ্রুর इस्माने मिर्वा मुस्मा हैया हैया वार्मिन समा हैया ৻ঀঀৼ৵৻ৼৼ৴৻ড়৾৾৻৵য়৸৸৻ৼ৾৻ৼ৾ঀ৻ৠ৾৻ঀ৾ৡ৾৵৻৸ঀ৻য়ৄ৾৾৾৾৾ৼ৻ড়৾ঀ৻ मुःर्भूतःसदरःसद्यार्भःसुःस्याद्यःस्यान्यः ह्नेट्रायदे नसूर्वायायद्यायात्रात्रोत्रात्राहेशायश ह्नेट्रा सनगदसदी रूर खुन्य पदिंद रादी सें प्रेश्व मन्दर द्युना-५८। बुर-पेश-रच-एचुर-न्वस्था नातुनसः ह्व-हेत्



बरःश्वेरःमशुक्षःत्रकामक्रुरायाः बेरावेरा। महेरासदेः र्सेुग्रायाते । क्षें क्कुत् क्री अर्थे न प्रमें न केत्र केत्र के प्रमें महास्रया <u>য়ৢ</u>৽ৼয়য়৽য়ৄ৾৾ৼ৻ড়য়ৼয়৻ড়য়য়৽য়ৣ৽ড়ৢৼ৾৽য়য়৽য়ড়ৢৼ৽ ଌୖ୶୲୕ଵୣୠୄଊୖ୶ୡ୶୶୲୳ୄୖଵୡୄୖୠ୲ୣ୷୷୷ଵୄ୕୷ୄୖୢୠ सहर्म्यतः रेगमाया बेराबेटा । द्येरामा सदयः यद्याः *६८:* देव:दें के:५८। गु.५:क्रॅंश:५न८:श्रॅग्श:सर्क्रेग्: नीःश्रुत्यःभ्रुःनाशुक्ष। भ्रीतःसःनञ्जःनाहेना द्वेःसेनःसेन्स्।। त्राध्याकेरायाचेयाः सँग्रायानेरा सूर्वा केवारी यक्ता हा नकुत्। महेरः ब्रद्भारः भूदः हरः ज्ञम्यायः स्वयः धेदः वा व्यापरास्य व्युरानस्वापते र्स्नेवासी वा र्रेट क्वेंट महिषा प्राप्त वर्षे निर्देश मिन्स नन्गःक्षेरःन। व्यः केदः इसः भ्रेतः श्रॅग्रथः स्वादः ह्रेरः यदे:देर-खुन्नशन्दद्देत्रपाने⁻ह्यशन्यःह्नेरायानःवेशःशुः শ্ৰদাশ মে মিনা

जुनागव के नागावाक्ष्र

१ नगदन्त्रमः न

নশবংশব্যম্পানারী স্থ্রুর স্থানার রাজির বেনমান্ত্রীর্মা कुलानदेःनगदालकाषीःचोः दान्विनाः ग्रामानवनाः कुःसेनः *चर*-वाद्यस्य-द्वा-हु-र्वी-च-व्य-बेर-च-धेत्र-तेस-च-सूर्य वर्त्रेयार्थ्रेव प्रभागारा रें सळ रामाया दे से र्थेर मार्थ्य ૿ઌ૽૱ૢ૽ૺ*૽૽*ૣઌ૽૱ૹ૱૱૿ૢ૽ૺૹ૱ઌ૽૽ૺૹ<u>ૢ૽</u>૱૱ઌૢ૽ |नगवःस्वःसेवःळेवःगशेरःग्रेःसेदःवःवः।|वर्शेःवःगदः मेशरम्बरम् ग्रह्में स्पूर्य स्वार्मा वेश महारम् यासूराहें में हे या मुखानदे नगदा से सूर गांधुसा मु र्देवासासुकाराञ्चेकासुमानुकार्याः देसानु निष्का द्यान्यम् रायसानम् द्रायते मृत्रायसानम् म्प्रमानेराविता देवे रतासुम्मायहेव प्रते स्री केवा इस्रभावानगवान्यस्यस्यादेशस्यादेन्। वर्देराहे र्ने हे द्रयायग्वाप्ययायये प्रमुदायये प्राचित्रकारा

January Canting

५८। दर्जे अः ब्रें वः या कुषः नवेः यहुरः ग्वयः ग्रीयः यगवः यद्ययायदे श्रवास्त्रेया दे हैं याद्यास्य सा <u>ૹૄઽ੶૱૱ૢ૽ૺ</u>ૹ<u>ઌૻૹૺ૱૾ૢૢૢૢૢૢૺૺૢૹૹ૽૾ઽૢઌ૽ૹૢ૾૱૱ૢ૽</u>ૺ૱ૡૡ૱૱ૢૺ म्बेशतर विश्व सिर्लर वि. लेखर र जूबश की श्री रेट ल. भेद. ५. ५ र. क्रिश चुर नदे : भ्रवश धेद नर न्या गर् निविद्या है अर्था के केर्य सहित्य के किर्म स्था है র্বি'অন'শ্রম'রম'ন্বর্বীর'ন'ন'ন্ন'শ্বীন্ত'রুম'ন'র্মীদাম'ন' चक्रुर-य-५८। दब्रॅंब-कुल-चवे-दब्रुर-ज्वसादय-सुव-मन्दा धरावर्षे अवस्य द्वी मन्त्र सं में ना दे वस्त्र भ र.य.श्रुवाशायायक्षेट्र.यर.चगायावार्यश्रायाबुर.य.य. वेशमदे च:बूद्गी:इसम्बद्धाः स्ट्रा

३ यःशुःग

য়৽ৠৢ৽ৢৢৢৢৢ৽ঽ৽৻ৢৢৢৢ৾৽ৢৢৢৢয়ৢ৽ৢৢৢয়ৢ৽ৢয়ৢঢ়ৢ৽৽য়৻ঢ়ৢঢ়৽৽য়৻ঢ়ৢঢ়৽৽য়৻ঢ়ঢ়ৢ৽৽৽ঢ়ঢ়ঢ়

जुनागाव की नागावाद्धा

मुन्ना रान्गरासे सेरानेदे निर्देश्य दिया ह्य अःश्लुः श्लेदः त्युर्वा। दर्वे द्वा वी त्रस्य प्राप्त वी दसः मर्ने। हेर्ने हेरकर मेर बुगरा महरा धेरा। बेर नाशुरशःयः सूरः दिवंदः नर्गेदः सर्केना क्वायः र्वेशः दर्वेनाः क्षे[.]क्षॅ.ठूं.च.८्ट.क्ष्ट.क्ष्यं चूं.च। च.टे.क्षॅ.ठूं.च.क्षॅण्यः लयान्यदःसृत्वयान्यस्यान्यस्तिदः। हेयासुःयः <u> श्</u>चु-रक्केंशःन्यु-नहनःसश्यान्यस्थः स्रीटः क्केंशःन्दः नादः त्रना यःकवार्यस्य नहेत्रसेरः यदर देः स्नूदः चवार्य। देवरः विविद्यान्त्रीत्र सर्केना क्रुवा सेंदिः नेदाया नामदासूनामा स्रीः त्युरःग्रे:नश्रूत्पते:न्तु:नह्नेश:स:न्द:न्धव:नहे:न: ळेत[्]र्सशर्श्रेवाचर्तेन्। हे:नड्डनःश्लु:सळेन्:ग्री:नेन्पः दरविरक्त्रियायरायह्नि भ्रमायराक्ट्रियाहे।सिर्ट्यूय ्_रक्षाम्बर्भाग्री:देरायाम्बर्भाउत् ग्री:क्रुंपर्के पेंट्रें रेंग *_* નવવાયાસુ; વદે : ક્રેંસ સેન્: ગ્રે: નવન: નુ: વસ્ય: ફે: બેન્ન; ફ



युर्यस्य स्ट्रा ने स्ट्रिं न्यायन सुना स्टर्य कुर्य न्याय स्ट्रा ने स्ट्रिं न्या स्टर्य सुन्य स्ट्रिं ने स्ट्रिं ने स्टर्य स्ट्रिं ने स्ट्रिं

< नग्दन्त्रक्ट्र्न्प

वु त्रमावस्माना स्वास्त्रम्य स्वस्त्रम्य स्वस्त्य स्वस्त्रम्य स्वस्त्यस्य स्वस्त्यस्य स्वस्त्यस्य स्वस्त्यस्य स्वस्त्यस्य

जुनागाव की नागावाद्धा

दिहेत् नुरुप्तः देर-दृष्य्यार्थः चगवः चक्कुद् । छेर्थः दृदः । वृदः নালি.বঙুধ্বের্থা মানাপান্ত কুপানফুবি লাজ্লান নশ্ব ক্রুব্য ব্রন্থ ব্রুম নাধ্যুম মন্ত্রির নর ক্রিম ন ক্রুব্ वान्मस्यावासुन्। सनार्से मुप्तावस्य मुन्तावासना मु'नगपनमुद्देशचेर'वेर'| दे'नवे'ब'नगपनमुद्दे यधुःखेशःशुःग्राम्या न्वत्यप्रस्यक्षासे दः द्वासः र्से खुः हेते खुन्य स्थसः 'दत्तु'नुरःर्क्कुन'य'न'दहेन्।'हेद'अर्गेद'र्ये'न्दःश्रृन्।'सुर नग्रभी सन्दर्या महिसायसाद तुः में दानगदान कुन्नि न <mark>स्र्नाःस्टरःनगदःनक्तु</mark>न्। कुषःकंनःगुनःस्वःस्यःसःन्टरः म्रेट्रेर्यायाम्बर्धाययार्ड्रिम्रेट्रम् र्वेनक्षार्यस्थानम् । अयानम्बन्धिनः अविश्व महेनामानानिमालमाञ्चराधेना वरानाभूवा <u> च्व पो प्वे या न न प्रथम यो न मो मा से या है या है या है या है या स</u>



नगदनाद्यसम्बर्धस्य स्वत्याद्यो खुन्यस्य है। है:भूद त्। यःक्रेंबाचेद्वःदेरःज्ञापायम्। वःसरःवस्द्रवःयदेःसेः र्रे दी। ज्ञन्य सदे अळंद ज्ञैय न्यें नर ज्ञेत्। हेय खुर नु निष्ठ्रव मा पूर भिर हिंदाव न केव में या १३५ वदया १८१६ नगदान्यसामदे मित्र है निमा स्नासर न्यरासदे स्वया नक्ता वास्तान्य न्या वितान मात्ररःविरा। अवरःदेःमाहेशःतुरःनुःयहुमाःमवेःनभनः न्वायः भ्रमः स्थानम् स्थान्यः स्थान्य न्यान्य स्थान्य स्थान য়ৢঀয়৻য়ৼ৻য়ৼ৻য়য়৻ড়৻ৠয়৻ড়৻ঢ়৻ঢ়৾য়৻য়য়ৣঢ়৻৻ঢ়ঢ়য়৻ড়৻ न्वादःस्त्रान्तेशःशुः स्वावायाः स्रीयःशुः सेटःने वर्हेनः

क्रुन्याव केन्या। वाद्धा

यदेवे:दवर:वीअ:दवो:ख्वाअ:दर:दवो:ख्वाअ:य:बेअ: शुःनञ्चरःपःरेद्। क्रॅशाविदशःवादःलशःसक्रेदःपःनस्र्वः मवे भ्रेर नगद स्वामायर सावेश ग्राट वर्ने द्य नावदायारम् संस्थानियम् विकासियारम् न्तुः बृर्भरार्भे हे सामा बिया या बरायरा महे बार्थे वा श्री वर्षावहेव केव में न्या वीश वृत्से म ने सव्यक्ष र्से वा **ॲ**न्पः क्ष्र्रः हे 'सेद'र्से 'क्रेश' ग्राम् । यनुष्य नवे 'नश्रृद'य 'र्सेम वसेवानु वहिंदा ही रावु केरा वहे का या ही का खु रवु केरा ररःस्यायायः वियाग्यरः म्यायायः स्या निहेशाग्री निर्देशास्त्राम्या गुनारेसार्ग्वेदान्ना नी सर्दे र्याशः श्रुः नदा छिन् यर हेते म्युदः स्वाया पळन् १३व र्भूयःगशुयःग्रीयःयर्दे स्वायः तुरःवत्रेयःग्रीः नसूतःयः देव में के पदे नविव भ्रे मुदे न से स स शे शे या दर शेया January 1

नवेद'य'यदेर्दे॥

र्नेत्रर्भे।

दे·**अट.यट्य.यट्य.**क्य.यद्य.क्र्यंत्य.यं.वृत्य.व्य.यः नुसासहसारसाया गुरानदे नेंद्रास्द्रामिदारमा दे धुया द्र्र्, सीट स्टूर प्रिटिश स्तुट । य्योय ख्रीया योश श्रदशः क्रिशःग्रीः इसारस्रुता धोदाधारा स्वाराधिकारी नेशन्दरहुत्युवासदवनाविषाधिवायासात्रा र्वेदान्ती र्बेद्रायदराधेद्रा द्वेत्रासुर्विरावीत्रादेश्यद्वायोत्ररावरा के 'बेश' ५ 'खेरे' सदय देश मुं कंद क्वा श' प्रवे मात्र श' प्रदे धेदःपरःचन्द्रायःचक्केष्रभःहेःचेदःग्रीःधुषःज्ञुःदुःसरः वित्रभःसङ्गानीभासुःश्चेत्रःसरःसिःद्रभःषः तृत्रग्रभःविरः। नाशुर-दुर-नी-क्रॅंश-सुर-सर्हें न-ख़-सेनाश-नाशुर-स-हे-ह-৾য়ঀ৽ঀ৾৽য়ঢ়য়৽য়৽য়ৣ৽ৼ৽ৼ৽ৼ৾৽য়৽য়ৄয়৸ৼ৾ৼয়৽ড়ৼ৾ঀ৽ঀ৾৽ नुःर्स्चनः सरः नुः नुस्काने में निकार होय। में नायदरः ज्ञानाव के नामा वाद्या

नर्देशः र्वेद् : द्राह्यः र्वेद् । न्रह्मुरः र्वेद : श्रेन् । यहुरः र्वेद : श्रेन् : श्

क्रूंत्र मदे ने या सुर्वे ना या

<u>ढ़</u>ुःसर्वे ग्नार्र्यायाष्ट्रवा पदे प्रो निवेद स्ट राज्या वी प्रस्नुद य़ॱढ़ॸॣ॓ढ़ऀॱॺऒॖ॔ॱॴॸॱॾॺॱढ़ड़ॆढ़ॱॸढ़ॏॱय़ॱॺक़ॕॴॱॴ<u>ॿ</u>ॖॴ ઌૣૻૻૺૺૺૺ૾ૢ૽ૢઽૺૢઌઽૻઐૼૺૣૼૺૼૼૼૼૼૺૺૺૺૹ૽૽ૢ૽ૺૹ૽૾ૺઌ_૽ઌૢૼૡ૾ૺ૱ઌૡ૱ૹ૽૽ૺઌ૱ૢૼ ग्राज्ञ म्राज्ञ स्थ्रित से त्या से तुर्भे के स्था के ग्राया स्था सुन মরি র্নী ছিন উবা শ্লীক শ্বানশ্বস্মান নার বাবাক ভব শ্বীন र्भे अप्ते त्याञ्ची अप्ते दासाङ्के दासा स्थानिक स्वा ৡ৾৾ৡ৾ঀॱ৸৾ঀॱ৸৸৻ড়ৢৼ৾৽ৡ৾ঀ৾৽৸৻য়৾ঌ৸৻ঢ়ৢৼ৽ঀ৾৽৻৽য়ৢঌ৽ৼৢ *च*लुवारायित्रयिः श्रूटः चङ्क्ष्वः सः स्वरः चः नेरः न्येरः ঀঀৣয়৻ঢ়৾৻ঀ৾৾য়ৼ৾৻য়৾ঢ়য়৻য়৻য়ৼয়য়৻য়ৣয়৻ৼয়৻য়৻ঀৢয়৻য়৻ "बैशःभ्लुःॡःखेदासम्।" वाग्रसारानेःभ्लेयःखेदानुःवश्लमः



नम। मुलारी खु.र.पानमा सून पान्रे माना सहयाना *ॱ*य़ॱतुवेॱॸ्ॸॱग़ॱॾॕॸॱॺॢ॓ॱक़ॆढ़ॱॺढ़ॱॻऻॶॖॖॖॖॺॱॸ॒ॸॱॺळ॔ढ़ॱॺढ़ॱ नाशुअ:५;अर्के५:पदे:चगुर:पश्चे:क्वु:केद:र्ये:ग्रुअ:पशः <u>इ</u>८:क्षे:दे८:वर:वदेव:य:द्८:क्वेंश्रःक्षेण:व्य:य:द्८:| *ખઽ*ઃઽૢ૽૾ઽઽૹૢૹૹ૾૽ૢ૽ૢૢૼૢઌૡ૽૾૽ૹૄ૾ૢઌ૽ૹ૽ૼૡ૾ૺૹૢૹ૽ૹ૽ૼૺ૾ૹૢ૾ૢઌૢ૿ઌૢ૿ ठत्रप्तुषास्त्रेराङ्ग्रॅत्रपास्त्राचित्रप्तराधिर्देश त्यःभुःधोः देन् : बेरः वहरः वः विवः तुः रेवा <u>च</u>ेन् : यथः वेशः ৼ৽৽৽য়ৢঌ৽য়ৣ৽৾ঽ৾৾ৼ৽য়ৼ৽ড়ৼ৽৽৽ৼ৽য়য়৽য়৽য়৽য় हेना उदायानञ्जूर नशा श्रथ श्रे शु हेना उदा ग्रीय र्झेद *ম*রি:ব্রীঝ:শ্লু'दे'অর্ছিন:স্কম:ব্রম:শ্লীব'শ্রি:বুদ্র-মেইরি: म्रेक्टिंशाग्री नित्र दासर्वेदा

यःसःबर्। द्रसःयवेषःयक्षेषःयहेषःग्रीःश्रीकःक्षेषःर्यः यःस्वाधःदेरःश्र्ष्वःयदेःश्रीकःश्रुःयवेद्रसःग्रीःयेषःदरः वःसःबर्। द्रसःयवेषःग्रीःयश्रवःयःग्रीःश्रीकःकेषःद्राःगीः ज्ञानाव की नामा वाद्या

यु नुदे सू से ८ ५ ५ न में जुना य दें न

चुन्नश्राचितः स्वाया श्री स्वेतः स्वाया स्वया स्वाया स्वय



ने : प्यतः ने : ब्रुवे: र्के व्यानुका : स्वका : यह : विका | यह : मनामर्केन्द्रमायः भद्दा हे न इत हुँ या सदी न हूँ न या हे न गुरुग्'स'न्डस्य प्रते हेयासु प्रेति देया दे द्रा र्षेर्-श्री-रनाः श्रुर-विनायन्तायः यदे व्हर इर इर इर इर *बिना* तुः निर्देश प्रदेश मुक्ते अभिक्ष अभारत स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास र्देरः ळंरः सरः मर्देर् १ वळे हो राजविदार्थे रायः रहा। इस मवे सः र्रेषा मृष्टिमाळ दाय हिंदा स्वा स्वा 'য়ৼ৾৾৽ৼ৾ৼ৽ঀ৾৽য়৾৾ঀড়য়৽ঀ৾৽৻ঀড়৽য়ৢয়ৢয়ৢয়৽য়৾য়ৢয়৽য়৽ঢ়ৼ৽ৄ तुःकुरःन्गरःवःकुगःयःवेगःग्रदःक्षुेशःयःईशःवद्यव। विं महिशार्त्रे शार्त्र शार्त्र महिना मिशा बरा म्रेग्रायात्रयासुगासुः ५८। ग्रियायी स्टर् ५२ स्थित स्या हिंभाळर र ने हे द र युग्य गण्डी भासद प्रसासी र सुर द द भा हिस-तुःसँना यर नुसाने वसा स्नेना या दसा नार्देद । यहे । नाव्दरमाने अप्तह्र अप्तर्यास्त्र सार्वि नाहे अप्नादे हुने अ क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

<u> रसदान्तेराकुः, रदा नः करावार सम्वेदाकुरे स्थार्थयः</u> ૡૢઽૡ૽ૢૺ૱૱ૹ૽ૺૹ૽ઽ૽૽૽ઽ૽ૢ૱ઽૣૹૢઌૹૹ૽ૢૹૹ૱ૹૡૢૺ तार्वीरा अर्थतः अर्थाः वयात्रभाष्ठीरात्रपुरः श्रीत्रभाष्टरात्रवीरः स्वरायनाप्रशतुः हुराने निर्दराया हैया हैया है सामा नुवे:मोर्नेर:य:देग्।य:वर्गेश| वि:त्रशः र्स्नेव:सवे:नर्सेन्यः <u></u> द्याःषःसःद्याःसःवेयाःर्सेु्दःवे्दःतुःक्टरःविह्यःदशःवसः म्रेग्रायनम्याने स्टाहिसानु नदे नदासँग् मर्दिन पदे मानव सारे खारा पर पर्धे राहेश रिमाश मश्याचित्रा ग्रामा तम् स्वास्त्र स्व वया हिन् क्षेत्रासाय सम्मानसा विष्या है सामाना वार्ने त दर्रे देश दर्ने ग्रम् से ग्रहि ग्राम् से हिला য়৽৸ৼ৽ড়য়৽৾ঽয়৽ৼৼ৽৻য়৾৽য়৾ৼয়ৗৼৼয়য়৽ঽয়৽য়ৢঌ৽য়ৼ৽৻ बेशनम्पर्यते स्वाः श्रुरः धूरः वाद्यवः शः इस्रशः ग्रीशः रहः वी-बु-तु-बु-र्सेन्यर सु-दिविद-भ्रवयः द्वुद-र्से-द्द-स्रेन्स



प्रदःशियःनर्जे नर्गेत्।

 क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

चुःसरः निवे देवे स्ट्रेट केंद्र ने देवे विषयः निव्यत्ते स्ट्रेट केंद्र ने स्ट्रेट केंद्र ने स्ट्रेट केंद्र ने स्ट्रेट केंद्र के

<u>देःलरः श्रेुत्रः वहदः शॅदः श्रेः वेदः श्रृदः विदः वेद्यलः केतः</u> माडेमार्चिमा उदाविमा धोदाविदा। र्देश सेदी द्रमया पर्दे र য়ৢ৾৾:ঋবি৾'ননশ'ঝ'ন্ধীৰা'ধবি'য়ৄশ'শা'ঋঠীৰা'ন্মর'নন' यश्चित्रः स्प्रिन्यः न्या वर्षेत्रः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः नहेग्रा उदाधेदाबेटा र्थेट्रावर गे सेटासर वन छटा वर्षेर.रे.हें.शुर.रेंबर.येंबर.लूरी संवासर.रूर.शु. व्रेर. षिरः छरः सरः गाः श्रुसः दरः वादुरः सः श्रुदः सः ५१ ः श्रृवाः धेदः ने वे में न नु के त्वार्य का कर के न माना कर के न <u> ૱ૺૺ</u>૽ૺૺઌ૮.ઊૢૹ.૾ૢ૽ૢૺ૾ૹૢૻૢ૾ૡૢ૽ૺ૾ઌ૽૱ૹ૱ૹ૽૽૱ઌ૽૽૱૱

Je can lightigh

ব্দ:দৃ:ऍদ:য়े:য়ৢয়:য়য়৾:ৠৄ৾ব্ য়ঀৄ৾ঀঢ়ঀৗ য়ৢঢ়:ড়য়:য়ৼ: য়ঀঢ়:য়ৄ৾য়:ऍঢ়

ૹ૾ૺ[੶]૱ઽ૽ૹૺ૾ઌ૱ૺૡઽ૾૱ઌ૽ૢ૽૾૱૽ૢ૽ૡ૽ૺ૱ૹૺ૾ૹ૾ૢ૱ <u> ब</u>्चेत्रः ॲन्:य:न्दा ने:दे:देंग्यःय:त्यः त्यान्यः देवेः वरः षिरः नवे : ब्रह्म वे देवा : ब्रह्म : व्यवे : व नन्। विरासदेः क्वें न्दाक्षेत्र विरासवाळे न इराहरा नमान्दरानम्भमान्ने। ५.५८५५५मानुःयायरःर्झे ५८५ ब्रेलु हिर र्से न संस्था कें दे हैं महिर र्से य दर दे न दे दारित ৠৼ৻ঀৢ৾৽ঀৼ৽ৠৢ৾য়৽৻ৼ৻য়৸৽য়৻৽ৠ৽য়ৢড়য়৽ৠৢ৾৽ড়৾৾ঀ৽৻ঀৼ৽৻ নমন্দ্রীর মধি নমন্দ্রেম নেই নার্মি দামাদার্ব দ্র बुदार्सेटासाधिदासदे र्स्रेवासटानु सूटा ने सूर र्वेन रर ने विर विभाग में रवित्र की सर विदे

कः मुँचायान्यस्यानीयानुस्य स्थान्यस्य स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्यानः स्थानः स्थानः

ज्ञानाव की नामावाद्या

55.24

स्यार्थः अर्केन्य स्वित्राच्य स्वायः वित्र स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्वयः



र्रेवार्सेदे वित्रासु महिनायाया वर्देदे वर्तुत वित्यार्देना ब्रुंग्रथ:ग्रुदे:वॅ:ब्रट्स्कु:अर्क्के:केव्स्वे:प्यथ:ब्रुट:वर:ब्राग्य दळट:क्रुद:क्रु:से:र्नेना:यश| त्र:की:श्रेद:स:चश्रद:स: त्या। सर्वे नायु त्युनार्श्वेव से त्या। सर्वे नाये र ह नायु गर्नेग भेता। तु ते तुर में जा मारा भेता। सर्के श्रुत कुषार्सिदेशेटार्नि पित्। पारेटा उत्तासु पे सकेटा हु प्येत। कुःश्रेवःगत्गायदेःग्नेन्यःधेव। वेशयःध्रःत्रः <u> </u> न्यानः के त्युवान्दः कृत्वन्यायायश्चानः विकासिके র্ম্রবা:ভবাষ:গ্রী:শ্রম:পিবা:দ্:বন্দ্র ने : भर : र्थेन : नगर : धून : तुं ते : कें गुर्य : गुर्य : कुन : शेश्रश्चान्यतः देशासः हिंगा श्चीतः यदीनः वर्षे वरः विश्वेषाशः *ढ़ॺॱढ़ॾॕॺॱॸॖढ़॓ॱक़ॗॆॸॱॸॖॱॺॖॱॺॗ॓ज़ॺॱय़ॱॺॸॱय़ॕॺॱ*ॶख़ॱॺॱ नुद्रश्यम् होत् प्रविद र्थेत् सूर्वमा दे प्रविद प्रविपाम प क्रुक्तात्व क्रीक्तारावाद्धात

<u> इ</u>द:क्रुन:शेयश:द्मश:दुद:दग्गर:द्यग:र्रु:ईग्रथ:हे:ख्न इस्रभायार्सेयार्से प्रसम्भाउन् नुसाम्बेमा हु न्र्रोया देना मुश्रुद्यायाष्ट्रस्य प्रमा चुद्राकुरायेययाद्राते. यदवः हे : नर् ५ : ६ : से न अ : न ५ : ने अ : ग्रदः न र्डे अ : स्व यत्रायद्वे वर्त्रातुर्यायदे प्रवे वसूत्राय प्रा *য়ড়য়*ॱয়ेदॱয়ৢਜ਼ॱदबदॱয়ळॅबॱঢ়ৢदॱख़ৢਜ਼ॱঢ়ৢ৾৾ৼॱतुৼॱॸৢॱয়ৼ৾য়ॱ नर-श्रदशःमुशः हे :क्रॅशःग्री:विर्दर-व्यानर्झेरःनःव। स्वेदेः द्वरःर्यः वक्कुः च्चेदः च्चेद्यः क्रिंशः तुरः द्यारः या प्ययः शुः विवासियायदुःस्य क्षियास्य स्वास्त्र <u> ५८१ व सेवर्डा ने ग्रायाय के त्या में या शुक्री ५४वर</u> ড়ৢৢয়৻য়য়য়৻ৠৣৼয়৻য়য়৸য়৻য়ৣ৻য়৸ৼয়ৣ৻য়৾য়৸য়৾৽৻ঢ়য়৻য়৾৽ <u> इस्र अ.श. रीट. टेर्गर. यु. क्रू. जीवा अ.शी. रूप. क्रु. प्र अ.</u>



ब्रह्मासेन्द्रम्य संस्तित्र विवास्तुः सहन्द्रान्त्र विन् नुदरःग्रवदःवरुःध्ययः द्वःश्रेंग्रयःगश्रेंवः भ्रम्यश्रेंदः <u>য়ৢ৾৾৽য়</u>ঀ৾৽য়য়৾৾৽৻৸য়৾৽৸৻য়৻য়৻য়৾ঀৼ नवे र्सेवार्षेन्याया बन्। वन केंगान्म हेगानुन वे नाम विना त्य नुर न् नार त्यु द र्श्वेष अर्दे न् यु अ विश्व अ ना शुश्रः निराधितायराष्ट्राज्यान्याक्ष्या के वितानु निर्मायायाः सुन्दिः न्गरःदर्भेंद्रःसदेः केंशःनुरःदसम्बन्धःसःगुदःन्गदः र्ने अ'न्याद'धृद'दर्गेया'स'रेदे'कु'अळअअ'शु'याहेर' <u>नु:श्रुब्य:याञ्चेत्राक्षु:हे:देव:याञ्चेत्रःवानेत्र:श्रुन्य</u> र्श्रेमाश्रादे स्रुदाः चामाश्राके स्वेति शासा सही हुटः दुर्गानः व्यास्टा त्तुरः अर्केना नी 'तुरः दग्गरः दरा | तुरः दग्गरः माध्ययः दिशेषः र्शेन्यस्त्रेन्यस्य स्त्रेन् वेत्रान्यस्य नहेस्र हे वित्रः क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

*५र्मे|बर्स्स्रस्*वन् देख्यस्यस्युद्धस्यर्केन्।यो:५्राप्त्यस् ब्रुटः वरः वल्दः यः दृदः । दुदः दुग्रारः ग्राध्याः यद्वित्यः देः दुदः *त्रशर्नुर:नु:बु:च:व्यःसदे:सववःस:न्र-*चुद्गा र्वोदःचर्हेद्रःक्षेत्रःस्त्रवाश्वाश्वाश्वार्थःस्यरः <u> नृग्र-भ्री-प्रभ्रेत्रकार्यम् अभिक्ष्यः भ्री</u> न्वें रश्नें दायर न्वा हेवा यक्षें दा क्षेत्र प्रें ना वा दे: बेर् । वर्षे वार्गर वे यार्गर हें वायार्त्र । वसर नर्हें न सर सर्वें दारा निर्मे दे से दे सु हिन ने से दर् विवस्त्रम्भायायस्यान्त्रम् विक्राम्यान्यस्य त्ज्ञुनःसःसर्क्वेत्। त्यायासःस्रेन्:नृरःयीःश्च-न्जुन्सःस्रृतः र्थेशप्तशुरायेदार्येदशासुरायर्थेता वदानीमावानाहेरारी



र्थे अः स्वुत्यः सुत्रः स्वेत्य अः प्रदेश्ये स्वयः उदः ग्रीः र्देदः ग्री-र न.मध्या मा.मेर.मय.रचीयाया.क्रुताचाताया.चीर.चया कैं अप्रसम्भारत्र हेत् यहेया ही रूर निवासी दारा सकेंद्रा *য়৾ঀ*৾ঀ৸৾য়৾ড়৾৻ড়য়ৼয়৻৸য়য়ঢ়ৄৼ৻ড়য়৻য়ৄ৾য়৾য়৻ড়য়৻ড়৾৾৻ यक्र्या जना:बुद:वी:घय:ब्रॅ:|प:स्रे:ब्रे:यहेंद्र:घरा:घनरा: नेशःमहेशः इटः दुः दहुमाद्में श्रामः सर्वेदा हिट्सामदेः न्वर्यास्त्रः श्चः भ्रन् वस्याउन् विषा ग्रीया गर्दे वास्या द्याः रेवे सुँग्रथः यथः मुखः नवे सर्वे दः रेवः र् नव्य ષ્ટ્ર-દ્યુ-ખેત્રા ने[.]क्षर-तुर-नगर-वजुर-यदे-नर्गेश-य-अरा। वजाःर्यः केन संदे मनुदायमा इरान्गर यन महेगा सेराहा

२.चर्षेच्या धु.रट्यु, शुर्य-र्यट्टे त्र्या २८ स्त्रेट्ट यायक्के चुर्य-त्यत्रात्ताय्म् त्या २८ स्त्रेट्ट्ट्ट्रियर्स्ट्रेशा क्ट्र्यः यश्चित्रया द्याव्यत्यात्यस्त्रात्त्रयः न्यूर्या क्ट्र्यः क्रिय्यत्यात् इत्रात्त्रया १८ र्ट्यार-त्यदः च्रिया क्रिट्यः क्रुन्याव केन्या। वाद्धा

माशुस्रासदे र रे प्रेमा। ५ में दासके वा माशुस्र ५८ हा न नश्या। मूर.स.मूर.बंद.लंब.तंब.मक्र्या चबु.मश ळंट्यायाचतुः होत्यर्थे गया। सर्गेत्यर्थे प्यंताहता सर्शेत्य गुरु अहेश। वृष्यशावस्य गर्सु सर्वे न द्वीत हेशसर्वेद्गत्गुद्गत्वे प्रदाधिता। दुवाप्यस्यवीवाशक्तिः ळेथा। र्रः भूर नर्दर चंदे श्चार्य राष्ट्रेशा १४ ररः चिराशेश्वराम्बर्याद्वरार्श्वरा। वेवाक्रित्रञ्चर्या तुरःर्बेद्या डेर्याम्बुद्यायासूर्यस्र्वेमानीर्देयार्थेपदे <u>ૡ૱ૢૡૡ૽ૡ૽ૼ૱ૡ૱૱૱૱૱૱</u>

कें देर इस इग

क्रिकें देर व ने निरकें देर व च च कें देर व दे व



क्वें देर न क्षे दुवा य तु विरा दे प्यर दर में द्ववा के देर नःते र्थे्द के दिरे पुष्य ग्री इया न्या नने केदाळवा देश नुःनः न्वेतः देदः रुस्रभः न्वादः न । स्वेरः नर्वे स्वेरः नुसः सः षशग्रदः केश सहेश या विवा पिदाया देवे हे सिदा वार्देन उदा नहत्र हर नहेर्या अरम मुमक्ते प्राम्य सेर ॻॖऀॱॺऻऀड़ॕॳॱॸॆॱॸॿॎऀढ़ॱॺऻऄॺऻॴय़ॱय़ॸॱय़ॕॴॻॖऀढ़ॱॻॖऀॳॱ मञ्ज्ञनश्रामदेशम् सान्नामदेः भ्रुः मिन्स्स्यशः क्रुः नदेः भूनशः दरः ज्ञयः वेदः हगः हुः प्रके सेदः केदेः श्रूनः कुः प्रवनः मानेनार्थेन्यानेमाबेमानेमा निहेशामाबीके मेरामाबे र्वेदःवर्हेद्रः ज्ञवाः देः देवे : बद्दवशः शुः ब्रुट्टः वः वर्वे : बः दरः न्नरः र्वेन हे त्रके से दार्के पी दिस्य मुन न हे सामा **सॅ**-ब्रॅंट्रप्यःहे.चर्गव्यश्चेरःङ्ग्रेयःचक्क्चनःहे.चबुग्यः मवे सेवायावहेव मवे इस्र्येट क्रेक्से श्चार प्रतः श्चेवाया क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व १६६०

र्दरः धूरः दगरः बेदः यवेदः ग्रीः अद्दशः ग्रथः या श्रयः। श्रयः *વાષશ્ચાના ગામેદ્રા છે: છે: નુસાદ્દર છે: સન્યુવ્ય : છેદ્દશાસ*ન मुक्षायमुद्रायदे सुमायम् ५८१ मध्ये ५५१ से व्हेर त्रमाञ्चेत्रमित्रे मुद्रीम्यानु न्यूयमाने मुद्रीत्रमित स्र्मानी चलुन्यस्य नेद्री । नासुस्य सः क्षः के दिन हो देना पहें न दूर <u>ૹ</u>ૻ૽ૼઽૹ૽૱ૡ૽ૼઽૣૺૹૹૢ૱૽ૢ૽૱ૹૹૢ૽૾ૹૢઌ૽૽૽૽૾ૹૣઌ૽૽૽૽૾૽૽૽ૢૼ૱ न्गर-न्त्रीत्रशायदाः वादेवे विद्यास्याः वर्गाः वर्गाः नमुन्यून ग्रीकेंदे सून हु मुन्से कन्पर स्री मुदे हें र्श्चेन'वर्क्चे'नवे'महेद'र्'दनन'म'र्नेर'द्यु'य। विराळें' *रेरानाते* ह्यारतासे रायदे स्वेतन्त्रीतायने स्वयासे सर्श्वेत *ऀ*वेट:तु:चल्द्र|इ:न:चह्रद:ख:खव:म्|द्र:वें:वद्न:क्रुअ: मा प्रम्यास्यापित्रः श्रीयाः भ्रीतिरः पर्यो गुताः वीत्रः शेयानदे सकें ना मुन्या निरादिदे मेन समारेना



ষ্ট্রবংঘমনেত্রুমংসর ঐরিন্দর দেশ প্রমান কর वर्ने भून हे या माना या भी हा। खूर या मुल्के से दर या है। से मा यप्तद्देवप्याद्वरार्श्वेदादेशक्षुव्यादुः वरावेदावी श्चेवप्या दर्नः कवाशाग्रीः क्रिवाशासः सुशासः दर्नुः नरः दश्चीरः नः षश्चानु हिरहिर देगर से जिरु से सा है दें रे से जारा सूर-तुवे सहे अभीर सर्देन सर-नग्रना हेना नुसर-सेवे नार्द्धनाः क्रितः न्द्रास्य अञ्चेतः सन्दरम् स्या ग्रुक्तिन्यः नावतःष्यसः सेटः चः विनाः धें नः सः नेः नात्रसः नेरः सुदः सेटः र्भेर-वि:नदेवे:८८:५वर्ळे:न:नश्रुव:नश्रःके:दे८:इस:5ुग: वी'अ':ग्रुत्य'देवा'हु'नग्रदशर्यायेत्। जुवा'य'रे':र्वाश्राळें' *देरावावे द्राञ्चॅराळेव वेदिः च*तुम्बराम्बर्याद्याः समास्री दैरःवदेः सरः श्वरः र्बेट्स भी वाः र्षेट्र सः देर् दे दे न्वा सः दुः द्वत्रभ्वानाः मृत्वहुन् सिर्मासुः ह्वामानाः विवादिरः सिरः ज्ञानाव की नामा वाद्या

वित्रेत्रस्य स्वर्धः वित्राची स्वर्धः स्वरं स्व

सर्के न हे न मी न न मालुग प्रमुख रहेंया

सक्ट्रिन्न्यः अस्ति स्वास्त्र स्वास



त्रशःगर्डेन:नर्गेशस्त्रीतः। नेदेःह्रशःत्रेशःग्रवेतःभ्रथःनुः नडुगाः भ्रे: ङ ङेवे: इस्रामा उदानु : होना महस्रा अदादा होते: क्षेट्र-नी गानुगायायने गाया ध्यतः कर् त्या ह्युयार्थे । नेटा स्व ळन्देशस्य मुनवी होन्द्रीया श्रीमानीन से सेन *⋠*恕ॱक़ॗख़ॱॺळे॔॔ॸॱढ़ॆज़ॱॸ॔ॸॱॹॱॸॸॱॸॕॱॾॆॱॿॆॖॸॱॹॱॿॏॱॸऒॕॱ निर-तुर-द्यु-दर्निश-ध-स-स-इत्। देद-ळंद्-सर्केद-हेद-द्यीः ळे[.]कुर:य:पविषाय:हे:पर्दिर:ळेत्र:त्याः हे:सॅदे:चर:रसा **षराव तुश्राग् न्व वस्त है : ह्वेदे : यर हो नश्राय र हो न** न्कॅर्यायान्द्रा सर्देवात्यान्त्रन्त्रम्यस्यात्रान्त्रस्त्र त्रुमा से प्रमें सामा सुन्। दे से स्विदारी मानवा सा सक्तारेशायरात्तुमापर्वेशानेता देवे स्ट्रेटासरावर्तेता व्रक्तुं ग्रेनेर द्वाप्य द्वाप्य स्वाप्य न्त्रुद्यास्न्यायास्य स्त्रेन्यायास्य स्त्रीत्यास्य प्रमान्ता ૹ૾ૼૼૼૼઌઌ૾ૺઽ૽ઌ૽૽ૺ૽૽ૢૺ૽ૹૼૺ૾ઽઽ૽ૡ૽ૼઌ૽ઌ૽૽ૺ૾ૺૢ૽ૼઌૹઌ૽ૡ૽૽ૺ૱૽૽ૺૠૼૺ૱ ज्ञानाव के नामावाद्धा

द्वा न्या वर्षे व



विश्वासम्बद्धाः वार्ष्ट्र स्ट्रीयः विद्यास्त्र स्त्राचीलयः श्र क्रॅंशः श्रुॅंटः श्रुं: ५८: हो: इया वार्षेत्र: ५५,५५० व्यायमात्रीतः वर्तुतः इ.इ.ज्ञा भिय.धे.पार्ट्र, मुचे.प्रुचे.प्रचाया सरीय. <u> नु:न्ग्रनःश्चें ग्रथःश्चेंदःनवे:ख्वः</u> इस्रथःश्चे ग्राह्मार्थः <u> बू'र्ळेग्रय, ८८।</u> अळ्त्रय, अळ्त्रय, शु.श्रॅूद, त्यय, ५६५ न्यें वा इस वा महिता किंदा से दाव वा निवास महिता निवास महिता निवास महिता ब्रेग्यान्यस्य ग्राप्ट्रिस्य प्रहेंग्यान्य प्राप्त स्व सूळ न्मरर्भेटा दे प्यट मार्थे द्रम्य से द्रमूट नदे छेट नर्सळळ्यसः शुःतुः सः सेन्यः ग्रीसः सहेरः द्वसः श्लेरः समः र्देनाःसःळनाः मुसःसे । द्युदः नः मुद्दानाः । व्यदः र्स्रेनाः वेदः नुअःगन्त्रः स्रेटः त्र्यः यहुंग्यायः नुर्वे यः यः स्र्रः स्रवदः स्रेटः र्'अष्ट्र्रासदाम् मार्चित्रम् स्थानम् स्थानम् इस्रमः कें ना स्रमाद्युदान स्रमातु प्रति भागा स्रेदारेना जुनागाव की नागावाद्धा

*ज़ॖॱ*ॴॹॖ॔ॴॱॸॣॕॸॱड़ॖ॓ॱॺॖ॓ॸॱॻॖऀॱॺॗक़ॱॸक़ॗॱॹॱॸक़ॗॸऻॱॗॸ॓ढ़॓ॱॿॢ॓ॸॱ र्देर-बेर-दे:बेर-इस्थ-एक्टेन्य-स्ट्रेन्-र्नेश् ঀৗঀৼ৵৻ৼ৻ঀ৾ঀ৾৸৻ৼঀ৾৻৸৻ৠ৸৵৻ঀ৾য়৻য়ৼ৾৴৻ঀ৵৻ৼ৾য়৻ঢ়ৢ৾ঌ৻ <u> च.कैंट.जूर्यायाकैंट.कृ.यधी वृ.ल.टिवेट्य.योजली क्रूय.</u> व्हिर्-तुः न्वान् हिना वाना होना हेर-त्र पुरमावनु ড়ৢ৻ঀৢ৾ঀ৾৾৽য়ৼয়৽য়ৣয়৽য়ৣ৽ৼৼ৽য়য়ৢয়৽য়৾ঀয়য়ঢ়৽ঢ়ৼয়য়৽ क्षेत्र.चर्षियोत्रात्रीयात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रीयाः র্মিলাঝ'অ'নম'মজেমঝ'র্মঝ'য়ৣর'য়ৢ'ম৾র'জेর'র্ট্র)'ম। <u>ছিব'নম'ড়'ড়৾৾ড়'ড়৾ঢ়ৢঢ়৾য়'য়৾য়য়য়ৢয়৸ড়৾য়</u> न्त्रीं भारात्मना त्रेत्र की भून भार्ता न्यूत्र हे भी भारात्र হ্রিয়া

Januarian Januar

र्वेद्र-दुःद्रग्रदःखेलः व्रवास्य

धीवा:ळद:सवा:ळे:चर:वॅद्:दु:देवा:वाद्य:दर:हे:वॅ:हेश: क्रूंटरशुअःक्रूंटरप्रशादर्वेटरशेट्रर्शनः क्रेशः ৺য়ড়য়ৼঢ়ঀ৾ঀ৾ঀ৸য়ৡ৾ৼয়য়৻য়৾ৼ৻ঢ়য়য়৻ড়য়৻য়৾ৼ৻য়৻ <u> वियानु मानदेश स्राप्तर स्वृत्य विना यस इस्त मार्ने से हिस</u> ब्रि[.]ख्नेपा.क्ष.क्रेट.क्र्य.वीटाय.क्षत्रमासीया.वीय.हेयाहा र्धेर-८८-इन्विंग इन्मर्वेट-र्थेम्थ-र्थूट-रेम्थ-८५-थ्रेव-धेवःमः*भेशः र्क्षेत्रः चुरः वाश्ववा विवा*यो। वर्षेताः ग्रहानुस्रम् सेमानवा त्रवा विवासित सुहान हार वा व्यम <u>ᠵ</u>ॱतुर^ॱवेषाॱरेशॱबूॱळॅषाशॱॻॖैॱरेॱबॅशप्तकुदॱऄ॔ॸॱय़ॱॸ॓ॱ *न्नाःवःनादवः ह्*यः रेनाः यः नयः ळंदः रेनाः नीयः नहनाः न्धन्-वर्ष्णुन्देशः हेवायः चुन्नः वी कुन्यवरः र्यूनः श्रुनः देवाबादे :क्रॅं :क्रेबास् :ब्रॅंदे :हॅ :क्रवावाबर :ब्रंदे :तुवासु : नायर नश्चुद नुयाय निवादित स्वाद्य निवासी हैया

जुनागाव की नागावाद्धा

*ब*ॱग्ववराङ्काने क्वें त्यें में खू सूर्य क्वा ग्री सूव पु स्टा सेवे : *૱ૺૹૠ૽ૼૹૻૹઌ૽૽ૼ૱ઌ૽ૼૡ*૾ૡૻૺઽૹઌૢઌૢ૱૱૱૱૽ૺ૱ न्यरःवयरः अविगः हुः शुनः यः सेन्। नेः मविनः मेन् श्रीः *द*हेस'नर्डेदे'सम्।हत्य'सर सें रें निवे हें र हस मी में र र्रेयापुः प्रसः पेर्पः प्रदेश्यकेरा मेरिः महत्र स्था हरा। श्चेतुःसर्वे विनापद्देसःमञ्जनसःसमानुनःसः वितःससः न्ध्याञ्चन। ने व्हरान रारे दे वेन रेग्या ग्रारावह्या क्चेर-वी-भे-रेग्रथ-र्थेद-र्थेद-पावद-इस्थय-८८-५५-५ ৻ঀৣৼ৻য়য়ৼ৾৽য়৾৽ৼ৾৽ড়ৼ৾য়ৼয়ৢয়৽য়৾য়৽য়য়৽য়৾য়ৢ৽ इवान्तरायदरार्देदा<u>नी</u> कार्देरान्ने रामे रामे के स्वीता की

दे दे में विकास के त्राम्य के त्राम के त्र



इयाञ्चाळें नायात्रमायायायात्रम् र्वेदाग्री भीयाया उत् *ঀৡ*ॱয়ৡ৵৽৶ৢ৽ৢ৻ৼড়৾৾৻ৼ৾ঀৢ৾য়৽ঀ৽য়৽৻ঀ৾য়৽য়য়৽ঀ৾ঢ়য়৽ বইটি:য়ৄ৾ৢ৾৾৾৴য়ৣ৴য়ৣ৾৽ৼ৾য়৽য়ৢ৽৻ড়৾ৢঢ়৽ঢ়য়৴৽ঢ়য়৸৽ *ষু*ॱऄॕॴॺॱॻॖऀॱॺऻॿॖॺऻॺॱढ़ॺॕॖॺॱॿॖ॓ॸॱऄॺॱय़ॱढ़ऻऀॺॕॸॱऄ॔ॸॱय़ॱ र्शेगामा नादपःस्रार्शे दसःचेन्-नु-प्रदेशःना विष्णाः उत्पा दरार्षेदायाद्वीदाध्वायरार्थेयाविवायम्बद्धात्राचिदा राष्ट्रम् स्केटिस्ट्रियाक्ष्याक्ष्यक्षास्याम् *ঀৢঌ৽*ৼঀঌ৽ৢঀ৽৽৻৻য়ঌ৽ঽয়৽য়ৢঌ৽য়৽য়ৼ৽৻ৼ৽য়ৢ৽৻ৢঢ়ৼ वी.स्रेचाय.इ.जूचाय.कुचा.सेचया क्य.इ.टर.चलि.चटी र्शे :यन्। श्रेन्थः न्यायाः अतः सुतः सुतः सः सुतः वितः। देः बद्धंदशः वें न् नु नु गानः खें वा नवें नवे वा न स्वा धर न् न यर्गे र्द्ध्याय पर सेत्।

मे प्याः स्वान्यः सं न्याद्याः वर्षेत्रः यात्रः स्वान्यः स्

क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

*য়ৢ*ঀ৽ঀৢঀ৽য়ৢ৾৾ৼ৽য়ৼ৽য়৾৽৾ৼৢঀ৾৽ৠৢৢৢৢ৸য়৻য়ৢ৽য়ৢ৾ৼ৽৻ৼ৽য়য়ৢঀ৽ नवे र्श्वेया हुरानाया क्रेत्र हुरा हे रे दर्शेया द्रग्रेर र्थेया नर्चे नदे अर्वे जर्द स्वाय सर न्या हे सूर नर्चे अर्वे क्ष्यायासदे भूरायराक् क्यायायायायायाया ৾য়য়৽য়ড়য়৽য়৸৽ৼড়৸৽য়৽য়৽য়৸য়৸ড়৸৸য়৸ড়৽৸ नरःब्रःपशःरें अर्केनाः हुनःब्रन्य। क्वेंदार्रा ह्वययः <u> इर अेर स विवादर्के वा वया गयर भ्रुव न्त्र गर र्</u>वार য়ৢ৾ঌ৽য়ৢয়ৢৼঌ৽য়৽ড়ৢৼ৽য়ৢয়৽য়ৼৄ৾ৼ৽য়ঌ৽ৼয়ৼ৽ড়৾৽৽য়ৢ৾৽ क्कुंकःबाबकेरातुः दराबहेरा। हैं दिग्रस्थें ग्रथा ग्रवहा *ॺ्रे*ॱनर्<u>चे र्श्रेणश्रस्य मुत्रवा पुष्टा अप्तराता वेषा नर्चे ।</u> न्त्रीयावेयानगवन्त्रीयान्दावन्त्रीया श्रीटायवदार्चेन् <u> तःष्ट्ररः सेन् पान्ररान्यान्यान्या व्य</u>्वानाक्षेत्रः *ॸ*ॣढ़ॹॣ॔ढ़ढ़ॹॹॸॾॹॗॸॹॹढ़ॱढ़॓ढ़ॹॗढ़ॹढ़ॹढ़ॾ



क्टे[:]बेशनार्द्भग्रम् म्यूर्यस्य स्थान ग्रदःक्तुःनबदःद्व-दृद्याःभ्रेषायायायायेयादयादग्रदः ऍवःग्रथरःश्रुदःग्रुशःईग्।'८्रःके'वःदेग्रथःह्यःयः नरः ज्ञानाभा देशः दः वेदः दुः दन्नारः धियः व्हुदः वदेः दुशः वे नडव में पर्यास्ट्रिं स्वर्ध स्वर्ध है से स्नन्य धेव पर्रा <u> न्यारः ऍत्यः यः यः यः वर्षः न्यारः त्रः त्रेः त्रीः इस्य यः धेता</u> <u>র্বি-দেশম-দেম-ঐরি-ইল্বশ-রেদ্র-রম্ব-রেদ্র-ঐন-স্রম</u> म्. इपु. लय. कूप. ने में प्राप्त कार्या क्री. न्ग्रन्र केंद्रे रेग्र्य हे र्वेग्र्यर वेन्र्र्र *ऄॴॸऻॾॕॴॸऻढ़॓ॱॾॣॕॸॱ*क़ॴॸॕॸॱड़ॆॱक़ॕॱॸॱढ़ॏॴॱऄढ़ऻ श्चेरप्रहेनाहेन ग्री ग्राप्तर्रे भागरानेना धेन तदरा अदे ફેંવાનાવાનફેત્રાત્ત્રાસ્યાસાસાવશાસું સાધું સાસુત્રા म्वेशस्य प्रविदःश्रीम् शहे सेम्बर्श सर्वे पर्केश हेन क्रुन्याव केन्या। वाद्धा

ॱश्रम्। यनुकार्क्षेटास्नरः हेते: भ्रम्मनकार्केन: नग्नरः नरः स्केः नर्जे अर्गे द्धंग्रायान्य स्थाने वात्रावित । प्यानिता स्थानिता ৼঀ৾৽ঽঀ৾৾৽য়ৣ৾৽ঀৢয়৽য়ৢ৽ঀ৾৾য়৾৽য়ৢয়৽য়৾ঀৢয়৽ঀৼৼ৾৾৻ড়য়৽ ख़ॖज़ॱय़ढ़॓ॱॸ॒ॴॸॱॲख़ॱॼॼॖॼॱॷॖॱॸ॔ॸॱढ़ॸॕॣख़ॱॸॼॼढ़ऻ॓॔॔॔ॺॱय़ॱ मिन्नेशःमार्थरः सुदामादरः ईमि श्रेष्यमः नदः इसम्प्रसः য়ৢ৾৾ॱऄ॔ॱहेतेॱয়ৄঌ৽ळৼॱऄ॔ॻऻঌ৽ॻঢ়৽ळৼ৽য়৾য়৾৾য়৴ঌ৽ र्षेद्रायाचेत्रा बर्देरादार्वेद्राद्रग्रायाची विवासाद्रया है। द्रा देवसायद्वानाचान्द्राञ्चान्त्रुम्मान्त्रेसाधेदाचेदा। दग्नदार्धेवा दे क्वें न्वूर नवे दुश भूनश है न इंदर्श वर्त्त अंदर दश ब्रि:रव:नर:क्री:बॅ:र्रे:हेश:नक्रुदे:दर:धेदा नर:हर: য়ৢঀয়৻ঀ৾৻ৼয়৻ঀয়৻ঀ৾ঀ৻য়ৣ৽ৠৢ৽ৠঀয়৻ঀ৾য়৻৴৸ৼ৻ড়৾৻য়৻ नर्जे र्से वा विता के लिया। विस्तान के स्तानिक स्तानिक स्तानिक स्तानिक स्तानिक स्तानिक स्तानिक स्तानिक स्तानिक इयान् उटान्स्पेन्यास्त्रीत्राम्ययाकम्यापेन्दि॥

January 1

क्षुर:नवेन्

શ્<u>રુ</u>ેત્ર-વર્ત્ત-વર્ત્સન્તરે સિંત-તુ-એત્ત-સે-તૃત-સુ-વેરિ-વત્ત-શુે-*ক্কুর* অবিदे:ऍ : দ্রুর : ইল্ র : ক্রুর : অ : র : অ : র : র तर्यायोदायात्रे तुरायर्षेटार्येद्या विदेशहेतार्थेटाव्यक्त व्यानी र्येत त्राप्य प्राप्त वर्षा की र्येत प्राप्त वर्षा *बुज्ञशहे* :क्रेंत्र :सें-इन्स्य :सें-इन्स्य :सें-इन्स्य :सें-इन्स्य :सें-इन्स्य :सें-इन्स्य :सें-इन्स्य :सें-इन्स र्बेन्। इन्यम् उत्रादने हेन्। न्यो क्वेन्य प्यायान्य स्व डेटा दर्ने महरक्ष्या धरान्ने क्रिंटान्मा अवतामहिका श्चर्यायदे पर्येद् र्श्वेययाया श्चेद्रायदे र्देव दु प्येदाया बिटानुनामदे सम्यामहिकाने। दे महिकाया से महेदामरा न्तुः अदेः त्यसः तसम् भाषासः त्यमः नक्तुः त्यः नहेतः न्वे अः द्ध्यः वाशुरुषः सः वृरः यवाश्वे हः। <u>ब्रिअप्यये (यार्थे सप्तरासु मुज्य अवता ग्री क्र</u>िस् सें सप्ये हें स क्रुन्याव केन्या। वाक्ष

<u>রম্বান্তুমঝঝিরারাঝঝার্শ্বিদ্যুদ্রীদ্রাঝান্তিদারম</u> उत्र-तृ-शुर्र-प्राधेत्र-प्रमा यदेवे त्रदात्रमा श्री प्रयोदाना <u> વલેવ.રે.જ્ઞુરજાર્ક્સેર.સ.સ્ત્રુર.ગુ.બુજાર્ક્સેર.ગ્રેર</u> ऍत्रान्त्रा क्री अपन्यानायमः जुद्दे ख्रुव्यायान्ना ने प्राचित्र व्देवे दराद्या वयाया वेंद्या ह्यें दारा चित्र तु हें या ग्री.चर्ने.कुर.जूरम.मी.श्रुर.क्षेत्राचार्टाःवत्राक्षेत्र.श्रुरः सक्रमायदे स्थान् तकरारे स्थान स्थान स्थान चडराष्ट्रवादर्गेर्यायायायायायाया देवे कुः वे खुवायादर *इ*श्रामित्रेश्राणिदासान्दा। क्षनात्राकेपद्येताकुराम्श्रुसा र्षेन्यायमाळे नाते सुयामान हतमाई हे नन्तर्छे <u> बे</u>दुःढुरःर्देवेःदब्रशःळदःळॅंद्रःसःद्दःवरुषःह्युग्रयः য়৾ঽ৾৽ঢ়৽য়ড়৾য়য়৽য়ৣ৽য়ঢ়<u>৾</u>৽য়৾ঢ়৽য়৾ঢ়৽য়৽ঢ়৾ঢ়য়৽ ૹ૽૾ૢૺઃઽૢ૱<u>ઽૢ૱</u>ૹ૽૽ૹૻ૽ૡૢૡ૽૽૾૽ૣૼ૾ઽૢઽ૽ૹ૽ૢૺૼ૱૱ૹૢઽ૽ઌ૽ૼઽૢ૱૱



विद्यान्यः व्याचित्रः विद्यान्यः विद्यान्यः

त्रुट्ट नहेट नहेट ने ने निष्ठिक छै न महेट व्याप्त निष्ठे न स्त्रे न स्त्रे

ज्ञानाव के नामावाका

दह्याम्बुम्या

<u>৻৻৴য়৻৸য়ৣয়৻৸ঢ়ৣয়৾ঀ৾৻ড়৶৸৻৻৴য়ৢঀ৾য়ৣ৸ঀ৾৾৾ঀ৸য়</u> नह्रुव⁻वे शे भे के शे शे हिन्दू वा वी शे वा वशा भे दारे शासे दा ર્વેન_િક્કુત્ય ગફતઃફ્રિ'નફ્ક્ત-રેંદિ'નું અર્સુ બે અપ્ય ક્કત્ ક્રી સે नदुःगहेशःबेशःचदेः दरःगशेश धेरःवेशःवृःनः वेरः नशायहेशायदेः भू नानहेशायदेः से कुशार्ये ना सूरः धेदःहे। श्रॅटःनडदःग्रे:श्लनशःश्चःनदेःनरःग्लेगशः यदे^ॱनश्रृद्यायः देदार्थे के त्यदे हिन् ग्री:र्श्वेत्या नर्ज्ज्वा याया ৼ৾য়৻ঀ৾য়৻য়য়৻য়ৄ৾৾ঀ৴ৼ৻ৡ৾ঀ৻য়ৣ৾৽য়য়৻ঀয়ৣ৾ঀ৻ঀৼ৻ড়ঀ৾৻ড়ড়৻ ৗ৾ঀ৾৽য়ৼ৽ড়৾য়৽য়ৼয়৽য়ৢয়৽ৼৼ৽য়ৼ৽য়য়য়৽ড়৽ৼয়৽ **৳৾ঌ৽য়ৣ৾৴৾য়ঀয়৽ঢ়ৣ৽য়ৣ৽৸ৡৢৢৢৢৢঢ়৸৾৾য়৾ৼঢ়য়৽৸য়য়ৢঢ়৽৸ৼ৽য়৽** बुषःग्रदः। अःरेग्रयःग्वदःदरःग्वदःग्रेःवेशःग्रदयः जेवाशकः जेवः श्वदा क्वयः देशः चयः देः द्राः। क्वः दवा वेः



विभाने। नामान्यान्यस्य अक्षयान्तिमान्यान्यान्यान्य नवुग्रभामते र्सेटानड्दा स्रुसामें ते स्रुप्तह्द केंश कुषाटा तरास्तरा महिनायम्। तराममु सम्मार्गियाः <u> वि.पर्येयो.यो.यो.६८.पिट.२.पर्थेयोश.श्री.योजूला.यपु.यो.</u> र्से : स्ट:क्रेट्:ग्री: स्वमा:भ्रु:र्सेम्थ:म्यम: नु: नवेट्य:सर: सःवत्। से देनसः नव्यः में देना नविदः ह्ये दरा हैं स *ૹુ*.ઌ૽ૣૢૼ૽ઽ૽ઌૢઌ૽૽ૢૺ૾ઽઌ૽૱ૹઽ૽૾૾ૢઽઽઌઌ૽૽૾૽૽૾૽ૹ૾ૼ૱ૹૢ૽ઌૡ૽૽ <u>ર્શ્વે</u>ન્ડ:વહેવ:ગ્રી:નુંશ-ફ્રિંગ:હ:લ:શૅન્ચ:મંત્રેન:ગ્રી: श्चेुकाराप्तरा। सुदासेदामात्रुमाकामत्रदारायमायावीमात्रा रमः चित्रात्रमः भुष्ये देशा द्वारा द्वारा हि रया ही रु *ૹુ*.ૡુઃબઽઃફૅઃઽ઼વેઃએઽ઼૱ૹ૾૽૱ઽ૱૽૽ૡ૱ૺૹ૽૽૾ૢ૽૾ઌૄૹૢૼઌૄ૽૽ઌઌૢૻ૽ षिर.चर्षेरमाहे। चित्रमास.क्रूमारह्मर.ची.म्नू.बीर.री. *ૹ*દશપાનદાનમું ગ્રૈતનિત્રાહ્યાં સંવાય ગ્રેપ્સિં મુંશ ळं न्यून न्या या या या या या विताने ने हे या वितान न क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल



ત્રવું સું.તા.તનવા સુંતરા શ્રુવ તન્ય ગ્રેઅ સું હેય ગ્રાન્ડ *ब्रे*। देवे:क्नु:सळंत्र:पर:स:यद्य:पठिपा:पु:पश:स:पीत् यर श्रुव श्रु हा केंद्रे से ग्राय हिन में कि दे से ग्राय विनःसॅर-नहुरसामदे हे सान्दा मानवायर है व हे व इ.कुरेर्यायायञ्चयात्राच्या लटायाय्याच्या द्रात्यवरः भ्रु नहूर् ग्राटः चर्ने द्रायः देवे ग्रा बुद्रायः स्वायः दनुषाचेरार्थेष्वशामुः मुरुषाविष्यापायाया वर्षुप्रयापा *ઌ૾૱૱૱*ૠૢૢૻૺ૱ૢૢ૱ઌૡ૱ૡ૱*ૢ*૱૱૱૽ૺૹૼ૱ઌ૽ૺ૱ૢ बरारें।। दे.लरार्वेदावरातुग्ववेदशासवात्रुग्वह्रवात्री ৾য়ঀ৻য়ৼ৾৻য়ৢঀ৸৻ৼ৻ৡ৾৻য়৾৻য়ৼ৻য়৾৻ঢ়ৢ৻ড়৾য়৻য়ৣড়৻ৠৣৢঀ৻ सुना-हु-नबुन्।शःमुर्शेयानदेःर्श्वेदःनडदःयनःखुर्यः <u> ब्री-ब्रूट-पङ्कर-पटः। पश्रस-लश्चरे-प्रवेदिः हे-ते-व्रुट-कुन-</u> *५*२.ग्रे.२्४।शु.चुरावदेःश्चवादन्यात्ययात्र्यतासदेःहेवःश्च ज्ञानाव के नामा वाद्या

निर्दे निर्देश मुस्रका निर्मा निर्मेष सामित्र मित्र <u> स्तर्भाषाः भ्रोत्राक्षेत्रः क्षेत्रः स्वापः स्वितः स्वापः स्वितः स्वापः स्वितः स्वापः स्वितः स्वापः स्वापः स</u>्व यर है। न्याय खं स्रमार्य दे स्थान ने स्थित वा ने सामर न <u> नतुनाश शुःनार्शेत्यः नदेः सहस्रः सेनः हैं 'नें 'केतः' रेंदेः सुनाः</u> नर्जे मुन्न साहे के दार्थे नार्के प्यक्ति र द्वार्य । सर्दे भ्राप्त भी त्रव्या ग्रम्भारा श्चीर र तामा माना गाव र नाय श्वास स्वर्ध र श्ची स्यान्वें त्। रु सूर श्रेर वेष्य गर्दे द श्रे सु न हुद से ग्र नज्ञरात्राज्ञरमा ग्रीमा स्री त्याराय दे । स्री न मा प्रीमा स्रीमा स्रीमा स्रीमा स्रीमा स्रीमा स्रीमा स्रीमा स् विदेशः ग्राम्साम् किंग्सेन्से स्वाका ग्रीः बुदार्से मास्या धिदः सदिः देवाःग्वदःहेःखेवाशःशुःचहदःर्धेदःयरः**ह्व**ंश्वदःशुःवदः मीया ग्राम्स वर्षेत्र तुरसे नुमाने नि



श्चु-गु-नर्जे-सूरम्।

र्राडमार्चेर्स्रारेम्रायदिर्स्सर्केत्र्तर्केशार्रारेम् मालुदःगी माने सः अर्हे दः ठेषा धोदः सदे । प्रसः श्रुदः र्थे दः য়৻ৣঀ৺৻য়ৢ৻৴য়ৄ৻ঽ৻৻৻য়য়৻৻য়ঀ৾৻ঽ৻৻য়ৣ৻য়৾৻৻ঀৼ৻৻য়ৼ৻ क्षे[.]देग्रुअ:ग्वद्यःय:दें:ग्वेद्यःक्षे:दर्ग्यःयवे:येग्रुअ:कः ড়৾৾৴৻ঀৢ৻ড়ৣয়৻ঀৢৼয়৻ড়ৢয়ৢয়য়৻য়য়৻য়য়য়য়য় सःवर्। वर्त्ते स्वराने सः वात्रास्य स्वराचन्त्र <u>चे</u>द्राञ्चन। क्रुःबळ्दादेरामहेदायदेराञ्चानुःस्ट्रस र्भूर-र्रेन:उंग्रान्हेंन्ति। न्दःमें:श्रु:गुवे:श्रुम:य:रेग्रा बर-तुःर्षेद्रायायमाञ्चानुदेशक्तुर-देशायदेशञ्चनायादे। वरःमीःश्चुःगुःश्चःत्यः यहेग्रयः यःश्वेः यः नदः। र्ह्यू रः सुः छेरः ૹૢૢૺ૱੶ઌ૽૽ઽૺ_{ૢૢૢૼૹૄૢ}ૢ૽ૢ૽ઌૢૻૻઌ૽૽૱ઌૣ૱ઌઌ૽૽ૢ૽૱૱ઌ र्बेर-प्रनुषाना अर्देषा शेर-बिट-हे-प्रह्माय प्रेंद-दट-ध्रुव न। क्रु.श्र.नभःश्रूभःस्रव्यन्त्रत्देन्।सरःदशुरःनःने।न्ना जुनागाव की नागावाद्धा

धेवाऱेवायःश्रेवायःदञ्जःवःवःस्क्रेवाःहुःवयदःद्गा देः वर्हेनायान्या नाम्याङ्गेरायास्य नवाश्चेनायाम्या ૽૽ૢૢઽ[੶]ਸ਼੶ਸ਼੶ਫ਼ੵਫ਼੶<u>੶</u>ฃਫ਼੶ਜ਼ੑਫ਼੶ਸ਼ਸ਼੶ਫ਼ੵਫ਼੶ਖ਼੶ਫ਼ੑਗ਼੶ੑੑੑੑੵਗ਼ੑੑੑੑੑਸ਼੶ਖ਼ਫ਼੶ਖ਼ੑਸ਼੶ यर्ह्रभासाम्रजासदे त्राचे ज्ञासाम् । यहे भारते । त्राचे । बुरःश्रह्मेग्रयः सः सः द्वार्यः स्वरा व्यवसः सः स्वरः । श्चुना हु : ज्ञना या सदे : सर्देना दना से : श्चु : न् । उद : दे : द्यु या **लेगायत्रे नायास्यास्य यदे नादरा स्वाराण्डे श्रुग्तु** दे·वाशुदःर्यःवार्देशःक्वेःवःश्लेःक्वेवाशःवशःकेदःर्यःद्वाः दम्री नायानबरानान्या नानुसार्थे श्रुमान्यार्मे स्थूमा रेगामान्त्रें मुनामरानभा सर्देरानसूमाना स्रुगीते क्रु.क:न्रेर्भाते श्रुवान्वासम्बन्धाः वेराञ्चासम्बन्धाः व्यावीवाः देशस्य ५ ५ ५ वर्षे सः स्था । विदेशसः श्चानी वर्षे ।



सर्वे निरामका से मेराया विषेता सहितायका से मुरामा भ्रे। रेट मुट र् देवेट त्यवा मुल्देव वरे वाला वर्षेवा ક્રેન્સ્ટ્રિન્ન્ન્વાફેશક્સાનાવવાનવે.સન્દ્રોશવા यिष्ठेशःयार्देवाःवा शुक्षः क्षेत्रः विष्याकाः नदः शुक्षः <u></u>ড়৾৽ঀ৾৾ৡঀ৾৽৸ড়৽৾৾ঀৢ৾৾য়৽৸ড়৾ঀ৸৽য়ৢয়৽৸য়৾৽৸ৼ৽ঀয়৽ ळेब'८८। ज्ञानन:ब्रेश'एब्रे'नर'ज्ञाश कुट'र्-बुश'हे हेट' नुःदर् नःद्रःदनुरःनःदर् नःदेशःश्चुःगुदेः मुनःर्वेग्रसः नक्ष्मान्याप्यानार्येन्याहेमाळार्श्वेसमञ्जीदासहेसाळा नवन् क्रेनान्त्रेशप्दन्ने क्रेंसिक्सप्तर्गर्वेन्यप्तरा ह्युस রীঝনেরী:ক্টান্টিঝার্ক্টব্-ব্রানার্মিলাঝ-মনের-*ॸ*ॴॱॺॊॱॿॎॺॱक़ॗॖढ़ॱॾॆॱॸॿॆॎढ़ॱख़ॴॱऄढ़ॱॸॖॱॸॾॢॸॱक़ॖॗॖॺॱढ़ॱऄॱ में के कुर रेग्र प्यार्थे दर्शे मुन मार्ड अया बर् ह्या मु न्रज्ञान्त्री स्वर् रेग् ग्रम् र्मेर प्रेय प्रमानी क्रुक्ताव क्रीक्तावाक (म

बे^ॱबॱनरॱदेश| देशदॱदःर्हेंशन्वें देग्'यदेॱळभ्श *৾*ঢ়৽৾ড়য়৽য়য়ৢয়য়৽৻ঽয়৽ৼঢ়ৼঢ়৾৽৻ঽয়৽য়ৣঢ়৽য়ৢ৽ড়৾৽য়ৢঢ়৽ঢ়৾৽ **श्चै**.चीतु.^{क्कि}.क.रटाचर्च्च.केटश्राधिरासराक्ष्यातरे.रची.ला *ॸ्*रॅंशऍ॔ॸ्ॱचनेत्रॱवळॅलॱग्रेॱङ्गॅ,'त्रशःन्रॅशःशुःवहुणःदॅशः यरःवित्रः तुः रेवायः श्री। धितः त्रवरः देरः वीः नुयः वर्देरः ॷॴ^ॴॖॷॖॴॱॷॱऄॕॎॴॴॸॣॸॱढ़ॸॖॴॱय़ऄॱक़ॖॆक़ॱऄॖॴॱऄॱऒ दर्ने इनमार्भेगमाया द्रगदारवा केर से द्रारा वामा र्बेन्। र्नेन् धेन् अळव केन् न्य स्व सदे धेना ना हुना अ ૡેનૄૹૠ૽ૼૡ૽ૺનૄૡ૱૽૽૱ૡૹૄૢૣ૱ૢૹ૱૱૽૽ૼૹઌ૽૽૾ૺૹૄૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૱ૢ૽ૺૡ૽૽ૺ न्ना यश्र भ्रमाश्चिमामान्न नुस्रेन सम्पर्देन द्या

क्रुव नहेव नशरीयाया

यर पहेना हेन केर पट्टी क्रिंत होन स्वापन हो पर्टी न



ळ्यारेषायार्थेषायानवयानवतेः भ्रीतान्ता इत्रादेश यःर्भेग्रयम्हरःचदेःरेग्रयःर्सुर्यःयरःद्वरः। क्षेःर्सेः र्शे निवस सुर्य में अपनिया निवस निवस निवस निवस निनेरः के कुरः श्रेनिश्रासुयः क्षेप्तर्गे द्राया के यहा निवेश्वेना दशः ईतः भ्रेटः हो दः श्रेषः पटः। धुषः शुः श्रेरः श्रेरः प्रवरः श्रेः <u> রমার্শ্রু বৃষ্ণ রম্ম বামার্শ্রী, রব, রাবদে, বর্ম বামার্শর রমার্শ, র</u> देवारायाः अर्ळें दादाक्षे देवारायावदाद्वायाः सूरायन् रा र्शे विनः सेन्या अस्त्रीत् होत् होत् होत् स्मित् सेन्। सेन्यत्र र्नेन्यः क्रेंन्यो स्वायाम्बद्धाः यदर सेन्यवे न्सेम्यः नश्रयाच्याच्याचा हो शास्त्र । श्रवास्त्र न्या स्वर ढ़ऻज़ॱॸॖज़ॺॱॸढ़ॱक़ॗॗढ़ॱॾॺॱॺऻॆड़ॕॱॸॕढ़ऀॱॼॺॱॻॖऀॱॸॾढ़ॱ द्युःवेनाःकृतःनाहतःवर्ळेः नवेःविन्।वःद्यवः वनशःसेनः नर:बश्राम्ब्रेत्रची:र्षेत्

क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व हिल्ल

देशास्त्रभावात्वर्थास्याद्वरास्यावेशः स्वाक्षः स्वावक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वावक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वावकः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वावकः स्वाक्षः स्वाक्षः स्वावकः स्वावक

इस्रायात्ते श्री त्रायात्त्र त्रायात्र स्वर्था स्वर्थे स्वर्था स्वर्थे स्वर्था स्वर्थे स्वर्थ



इसामार्सेन सूरमाते से से से से दिन्याय से याना सहत मुद्रायामविम्बारायदे मुकायमः मुद्राद्वा हः दरळदा दि या व्युन्तातुर्यायाः ग्रीः श्ववायाः त्रुनः श्रुनः त्र्यान हेया *ড়ড়*৾ঀৗৢॱঽ৾ঀৗ৾৾৵৻৶ৼ৻ড়ড়য়৻ঽ৸৻য়ৄ৾৾৾৾৴৻ঀ৾৾৵৻ঽ৾৻ दश्चेम धरादाळवाश्ची रेम्बराद्या दे निविदार्वे प्राप्ती या विराधिः भूचायाज्ञी कामुवाया पहूसमा छु छ मिर दरःश्चम्यायार्ष्ययाते। वसार्श्वेष्टा चुर्याद्वयदः दश्चम दः नुराधुवार्स्धेवार्यायम् इसायान्दासुरायाना रासेवार्या नश्रेशःत्रान्तृरः चुतेः रेग्रायः त्रुरः नतितः र्गेस्रयः श्रेयः *षदः क्रेश्रः क्रेरः दूरः खेँद्र।* श्चम्यः त्वेश्वः यः इत्रः यरः हिः नक्क श्रुर नहेश नक्क राय देर कुलिया दे र र र र वी त्रिंशत्र्र्द्रियायावीयाश्रायदे ह्याळ इ ळें याश्रायश्रेश कुः विन्याके प्रवेरावा सराहरा द्वराया गारा हुन *য়৾ঀ*য়৽য়ৢৢ৴৻ৢয়৽য়ৢঀয়৽য়ৢ৽৳৾ঀয়৽ঀড়৽য়ৣ৾৴৻ঢ়ৢ৾ৢৢৢঢ়ৢ৻ৼ৽ क्रुन्याव केन्या। वाद्धा

<u> ५८। मान्द्राधरमान्यः स्थायरम् महेदाद्यायर्थे ।</u> इस:ब्रुण:ग्रस:दहस:ब्रुण:दे:चेबेद:इस:स:दर:सहस: नार्षेत्रःक्ष्रुं र नुत्रासदे सुर रुवा बेत्रा मुनासदे रेनात्रा ग्रुरः सरः सें वर्ते : श्रुं वा व्यादा न्या स्थाना द्वा <u> सक्षानु हा कदा सदा उदंश ह्यू ग्राम्य स्वर्धी सदसास ह्या ।</u> <u>ર્શ્વેત્યઃર્બેના નેત્રઃત્રફેતુઃર્તેનું ર્જ્વેત્યાવાનાશુર્લાની સ્ટ્રીને પોતુ</u> र्दे चिंगा गोश्रास्त्रस्य स्मान्याय वित्रीत् । सान्य सम्मान्या स्मान्य शुः शे नश्रेव शानव पर म् विमा ग्राट से दा म्बर्पायम्बर् धेदायास्य प्रमाचित्राधेदाया सर्केदार्देदाचंसा नभूदा दग्विः क्रें वियायया ग्रुयायदे या दे स्यर हि वेयाया ग्रु रम्भार्यास्य विष्यान्य मार्थे स्वर्थान्य स्वर्याच स्वर्थान्य स्वर्याच स्वर्या



क्षार्यक्ष्यास्त्रम् स्वाक्ष्याच्याः स्वाक्ष्याः स्वाक्ष्याः स्वाक्ष्याः स्वाक्ष्याः स्वाक्ष्याः स्वाक्ष्याः स्वाक्ष्याः स्वाक्ष्यः स्वाविक्षः स्वाविक्यः स्वाविक्षः स्वाविक्षः

त्रमः शुद्धान्ते देश्याः विवाद्यमः द्यान्ते विद्यात् विवाद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यम विद्याद्यमः श्रीयाद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यम विद्याद्याद्यमः विद्याद्याद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्याद्यमः विद्याद्यमः विद्याद्याद्यमः विद्याद्यम क्रुक्तावक्रीक्तारावाक्ष्र

यःश्वाशःस्त्रं स्वाशः स्वाशः स्वाशः स्वाशः स्वाशः स्वाशः स्वरः स्वाशः स्वरः स

देशन् स्थान क्षेत्र न्य क्षेत



विवाग्यराधेवा देरायहेवार्श्वेयादर्येवाळेवार्यायङ्गायनुरा নার্থাট্রী:কুমান্নমার্থান্ধার্থ্য, প্রেমাক্তমান্যা *ঀ*য়ৼয়য়ৢয়৽য়ৼৼ৽য়য়ৢয়৽য়৾য়য়৸৽ঢ়ৢয়৽য়৾য়ৢ৾য়৽য়৾য়ৼয়৽ न्ना वना सेन् पो भी साग्री नन्न हेन हो ताग्री साम ह्मन स <u> ઌ૾ૺઽઃ૪ઃવાશુસઃૡૢ૽ઃૹ૽ૼવા૱૾૽ઌ૽૽ૺ૾ૹૢઌ૱૱ૢ૽૱૽૱૽૱</u> मवे क्विन्य प्रवित्त क्विक्व मङ्ग्रीत क्वि प्रत्य । की प्रयास वियात्रमायत्वयान। वर्तुरार्त्वायार्त्रेरामायदेवार्द्धया र्शेन्थान् उत्तर्भात्रात्रा श्रुवायावनायावमुन् ग्रीःश्रुवा अर्केर[.]दर वर्ष अर्केर देवाब द्वीं त बे गुत व हिन ऍन्:मर्भा नुसःनेरःसरःळॅंद्रःग्री:सर्ळेन्:सःसे:दत्तुत्यः नः बेन् रहेशः श्चार्केन ने नित्र त्यम्य मिन् श्चे र्र्केन्यः शुक्दाह्याम्यात्यात् गुरार्षेत् साम्भूरार्ह्मेशानेत् से न्कॅश्स्त्री वर्नराने सूरारे हूँ न्ड्रा वन लुना वे सेते. र्वे न्यायर न क्षेत्र भूयय में र्वे से सर ५८ ह्वाय न मुन्

ज्ञेन्याव क्रीन्याव १६० (५

र्वेर-तु-त्र-पाधुर-तुरः। हे-क्कु-र्येग्य-नग्र-वेय-सदे-रे-र्के'सर-प्रश्नातुषाय-५८। ५५वाचेर-केव्याय-सरातीः <u> न्यानः क्षत्रः चेन्यः न्यानः विन्योः स्वतः स्रान्यः । न्यानः स्वतः स्रान्यः । न्यानः स्वतः स्रान्यः । न्यानः</u> *ૹુ*ઃક્ષેં અફેંદેઃ ઋુ વાફે અ ત્યાનુ ત્રાનુ ના કુ તા કુ ના કુ તા કુ ત यर य तर्देश अ र्यम्यामान्य हे सँगा सुवा व्यवस्थित बुनायाचेनयायदुनायादुयार्थेदार्थेनायायार्थयादुया करार्थेरावादग्रामा कुराने दार्थेवा व्याप्तादा वार्थेवा र्यूद्रान्यदायदा अर्थे के स्मित्र स्त्रान्य स्त्रान्य स्त्रान्य स्त्रान्य स्त्रान्य स्त्रान्य स्त्रान्य स्त्रा য়৻ড়৻ৼ৸ৼ৻ড়ৢ৾৾৾য়ৢয়৻ঢ়৾৻য়য়৻ৠ৻য়ৢৼ৻ৼৢ৻ড়৾য়৻ৼৢয়৻ नःस्वरःकृतःस्वर्नः र्वेन्यः वर्नेद्या ने वर्तवे र्वेन्छे क्रिंग-५८:वहेना-हेद-निहेश-कर-नेद-श्रुॅ-१निहेट-न-वः ५२.मुश.वुर.चदे.सर.चु.रे.सॅदश.मुद.क.दरे.५ण. রুদ:র্ঝ:ঽয়:৸য়:য়য়:য়য়:য়ৢয়:৸য়৾৽ঢ়ঢ়:৸য়য়:ঢ়ঢ়৽ क्तुयाश्चेनाञ्चा नर्ज्ञा अर्केनामवे खुः श्चेनाश्चेनाश



नर्जे भूत गुःर्ते यापदे यर्के न ह्या ग्रे ज्ञान न्या ग्रिन ग्रुन नवे द्ध्यापर। वह्यायर्षे व ह्यायर्षे र हायाया के व र्ये या <u>केन्'यहंग्रयायात्रराचेते'ख़्'ख़्त्रकें'यझ्य'केत्'र्येदे'नुया</u> ૹૹ૾ૼ*ૼ*ૢૹ૽ૢ૾ૺૠૢૼૹઌૻૹૢ૽ૺ૽ૄ૽૾ૺૹ૽ૼઽૢૹઌ૽૽૱ૹ૽૽ૢ૽૱ૹ૽૽ૺઌૺૺૹ मुलानु नम् नायने दे ते भूनका न्रा मुलान्नर भुः झेरा चीश्रियामानर्येदात्रयमान्तुः यळे यायदे स्त्रूदाः सुरायत्या नुसर्भामान्नेटानु स्वास्त्रेतायस केतास्ति स्थाने नवेत्र-नर्ज्ञायायाया वियान्यायुः नर्जेयार्येषायायायरः क्तुवःग्रीःरे:बॅंग्पेंद्रायावीरायहरूपवर्शे श्रुवाददेवे यापा इयासूरायमाग्राराहे येगमासुप्तहरासे। में रेरार्वेर <u>इ:र्राचेतेळेश वर्षे खूर पह्यान्यरम् गुवावीयायः</u> नर्डे अ'सदे रें न् कुल र्सेंट नडं द सुसरें दे हस वर सें र *ঀৼ*৸ৠৄ৾য়৸৸ঽ৾য়৸ড়য়৸ঽঀ৸৻ৠ৸ৼ৾ঀ৸৸ঽ৻৸ৡ৸৸

ज्ञानाव के नामा वाद्या

चन्ना चित्रभानः भ्रीत्त्वी स्थान्त्र म्यान्त्र म्यान्त्र स्थान्य स्था

देशन्दः ही देन नित्र वित्र नित्र हिंदा नित्र नित्य नित्र नित्र नित्र नित्र नित्र नित्र नि

January 1

श्चिमा:मी

ह्युनान्ते विभागायदे दे ह्युन्तु नर्जे ने न्त्री त्या कर्षे ने <u> होॱञ्चमा'स'विमामो'सेर'धेद'य| दे'धरञ्जमश'ग्रीःक</u>ुंकः ५.२८.च वर.वे.भूर.चे.पविट.श्च.बुर.चर्रावचा.चा ५. डर:बदादारमाश्री:बह्दि:बेराई:श्री:बर्गाममा श्रुमाम: क्तुं.च बर.रवं.सवं.संवे.श्वेच|अ।विश्वशःसहेव.ल.रमः।व.श्व. दिह्न परे भुगमा है। दे पर में भुगमा है। ঀৢয়ৢয়৻য়ঢ়য়৻ঀৢ৾৻য়য়ৢয়৻য়৻য়৻য়য়ৼ৻ঀৼ৻য়ৢৼ৻য়য়ৄঢ়য়য়৻ मदे भ्रुम्य ब्हुर सर हुय है। शे र्शेन्य सँग्य हिर यर उदारु वर्षे वाया शे हे निरहे सेवायाया छी हिर दवेग्राचेर्चिं ग्रीमिर्देरस्य क्रमस्य स्थित्य देश्चानु नर्वे श्चन्या अर्केना तुः नवर नमः नभनः या दे निवेतः ૾ફેનઃસઃષ્ટ્રમ:ર્સ્ટ્રેનઃસેન્ડાનાને સેવાનું હ્વાના વાયાનાનાન श्रॅन्यश्रयत्, नम्पर्ना नम्पर्ने त्यवदावहेदाई। ज्ञानाव की नामा वाद्या

पि.भर्छे.भैय। श्रेट्या

र्वेद्-श्चे-देन्-श्चेन्-श्चेत



कुल में प्रसासदय मन्त्रा सेन् सम् महेता सुल मुा सत् ढ़ॖ॔ज़ॱज़ॸॱढ़ॿॖ॓ॺॱॴॸॖॖॴॱऄ॔ॴॴॹॖॸॱॿॸॖॱॸऀॸॱॸॖॖऄ॔ॸॱक़ॗॆज़ॱ स्रवत्तियात्वातःर्त्याशुःस्तरतः विवाने वा *न्ना शुक्षः से त्यान्* वित्रः से न्यूनः सेन्यन्त्रेया धोत् देशक्षाभूनशादे द्वार्षु वेदारी हैं नशासन्तर सुना वियाः स्टाइन स्टे विस्थायाने नियाः से न्यान स्टे বিশান্ত্র জুঁর শ্রী বস সমামী জ্বান্তর প্রত্তর বস ক্রিন্ শারী वर् हुर द्या दे व्यार्क्के मात्रे के के कि कर के कि कि ब्रेन् मदे र्श्वेष नवर विवादर विवादर विवास <u>देर:भ्रमश्रारःळॅश.वर्देद:मब्वेद:मवे:न्सरशःम्बेदे:|मः</u> र्सुंग्रयान्दरहे नदे र्हेन चटा धर्मा क्रिस्नेगा या क्षे स्वर्हे न्ययः नरः माशुक्षः शुः धोदः तुरः ररः यः मादरः देवः मारः ૡ૽ૺૼਗ਼੶ਜ਼ੵੑਫ਼੶ਫ਼ਫ਼ਜ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਜ਼૽ૢੑ੶ਖ਼ੑਜ਼੶ॸੑਖ਼ੑਫ਼੶ਫ਼ੑਸ਼੶ਜ਼ੵਜ਼੶ਖ਼੶ षालुकाने इताने दानी केंग कर हैं ता केंग मिले केंग नि कुन्। १० की न्यारिक (१

ळॅट्रा टे.ज.ळॅट्य.च्चयय.शु.चॅट्-झेटे.ट्या:क्रुट्र.ज. " वि यकुः" वेशः वेरः ग्रीदः पेर्नः परः मृत्या अरः स्वरः नः त्यादःर्जुयाग्री: " ग्रुट्: " ग्रहः ब्रह्म | वायळु: मुनायावतः सवः द्धंतः ताः क्रेंदः सः ते या शुः दर्भेदः सः दर्भ । सः सद्धंदेः दर्भानुरास्त्र इस्रायाः" वातुः वः" वेरावाद्र स्त्रा ग्री:र्केंद्र-देंद्रात्यः " ग्राबुः" बेरा ૹ૾ૺ[੶]ૹૄૺ૾ૻઌૄૻઽ૽ૡ૽૾ઌૢૻ૾ઌ૽૿ૹ૾ૹૻૹૻ૽ઌૹૻ૽ઌ૽ૺ૱ઌ য়ড়৽য়ৢয়৽য়য়৾য়য়য়৻য়ৢ৾ৼ৽য়৽য়য়৻ড়ৢয়৽য়য়৽য়ঢ়য়য়৽য়ঢ় न्देशसाम्बर्गः " ह्रेना" हेशः तुःनः र्खेना कन्या <u>बूः</u>ळॅग्रयाद्यादयादी कुःसळॅः सँग्रयाद्येरानर्गेदा ने। *हें* न् चेन न्वे प्ये स्वेन व्यक्त के निवास का का का कि मन्द्रम् अदः " श्रृष्णः" डेशान्जः र्ग्रेट्नः ग्रीः इत्याक्षेत्रः र्शेन्यायान्याम् वासानेवे केन्नु मुन्देर्यायने न्रायने <u> नर्जे अः बे अः अहुनः भ्रें बः ग्रे अः म्या अने । इस ग्री मार्थे अः श्री स्थानी स्थानी स्थानी स्थानी स्थानी स</u>



र्ग्येन् निष्ठियायात्रा यात्रुत्त्वार्ग्येन् से निष्ठिया <u>ॼॱ</u>ॸॱॸॆॣॸॱख़ॕॕॗढ़ॱख़ॹॕॗढ़॓ॱक़ॱक़ॖॗ॓ढ़ॱढ़ॺॱॴॸॱढ़ॱॺॢॺऻॱॿ॓ॸॱक़ॖॗ॓ढ़ॱ लूरी क्रूर.यनर.यदु.जम्माधरमाक्षे.य.रश्चामायमा *ૹેઽ*ઃૢૡઽઽ૽૽ૢૢૢૢૢ૽ૹૻૹ૽ૻઽ૽ઌૻૻઽ૽ૠૢ૾ૺૡ૽૽ઌ૿૽ૢ૽૽૽ૢૼૢૼ૽ૹ૽૽ૹ૽૽૱૽ૹૢ૽૱ महिशःसुमिश्चर्याम् निर्मः किश्च क्षानिश्चरम्। देवैः र्वेनात्मः" हेनात्मः" बेर्यामार्ग्वेन्यास्य स्वेनायाद्वेनयम् ग्रेन्स्यावतःग्रेः से स्टानवितः इतः वितः क्वां वित्राप्यस्यायः <u> देॱ୴ᠵॱॺऻॿॖॱय़ॱॺऻढ़ॆॳॱढ़ॆॱऄॗ॔॔ॻऻॳॱॸॆॳॱऄॸॱय़ॱढ़ॊॺऻॱऄढ़ॱ</u> न्कॅ्रासासासन्। मृत्यास्टार्स्यम्याग्रीम्ब्र्ट्रायायाह्यस सम्मानः र्सेन् सामनः रे प्येतः द्वीं मारा दे दि केमापारम्म য়ৢ৽য়য়ৼয়ৢ৾য়৽৻ঀ৾য়৽ঢ়ৢ৽য়৻ৡয়৽৻ড়য়৸য়য়৽য়য়ৼ৽ '3૮:લેવા'વીયાર્સેવાયાલેવ'51યા'ફે.વાલવ'ર્સેવાયાત્વાસયા |मःश्चन:यनुषाःव| क्रींन:पानेशःमात्तुःमवेःमात्तुःयःश्चेःहतः जुनागाव की नागावाद्धा

नरःग्रह्मः नार्वे स्टाययदः क्यें दान्चे दार्के गायादरः। दानुहा *पा*त्रु न गासुसामा विषा न र साहे । स्वास्त्र स्वास्त्रे न र्वेज्ञानात्रुप्तः के अप्तुत्रः वेदान्त्रस्य अप्तान्त्रस्य स्वान्त्रः स्वान्त्रस्य स्वान्त्रस्य स्वान्त्रस्य न्वें यः क्षेत्रः येत्। न्दें यः नावे क्षेत्रः देतः न्यन् स्मनयः हिमासमित्रेयाग्रीयः "हिमाहेनः" देयासित्रमास्या निरायक्षाविनातार्ग्वेर्पायम्बर्द्धनाग्वेर्ग्वेर्प्डादीन् ग्रेअ:र्नेत्रप्रज्ञयः इस्रयः रे:रे:चलेत्राग्र्यु:वर्ग्यन्परः हेर्यः *વા*લે ત્રયાવા રાજે શાયે વાયા છે શાક માના કર્યા કરો હો કો છે. જો માના કામ કરા કરા કરા કરા કરા કરા કરા કરા કરા ક *૽૿ૢ૽*૱ૹ૽૽ૢૼૢૼૺૠૠૡૼૡૢૼૡૼ૽૽ૢ૿ૹ૽૽૱૽૽ૢ૽ૺ૱ૺઌ૽૽ૣૼૹ૽ૹ૽૽૱ૺૺૺૺૺૺૺૺ য়ৢ৾৴৾ঽ৾৾৾৴য়৾ৼয়৻৸য়ৢ৻৸৸ৼৠ৸য়৻৸৻য়য়৾৻ न्यदायाये नक्षानराये शुः विषाणिदादवरा। ये हे क्विंकुः ळेत्रॱसॅदिः र्वे गागा तुः यतुमा सुना सामन् विगा धीना ना कुः तरः *ढ़*र्च्चे र नशःसरशःसदे से कुसः कुरः विना धेदः दः धरः ना तुः नरः भ्रमः वर्षेनः वर्षेनः र्श्वेषः वर्षेनः वर्षेनः वर्षेनः वर्षेनः वर्षेनः वर्षेनः वर्षेनः वर्षेनः वर्षेनः वर्षे



क्रुंदायः " पातुःराञ्चना उदाक्री यानहरादा स्र्नाञ्चना उदाग्रीयापरार्हेग्यायायेताः" डेयानर्हेत्र्स्यार्पेतास <u>ॱॾॣॸॱड़ॸॱॸॸॆक़ॱॻॖऀॱॻऻॿॖॱॸॱॿऀॻॱऄक़ॱक़ॕॱॸॖॻॱ</u> ग्रम्पर्वात्र्याम् वर्षेत् दे स्वेति मानु माने मानु स्वास्त्रीम *न्दःवर्ह्सेवाः* केवः संग्वेनः न्वीयः यायाः अन् ग्रानु न्य स्कुत्र द्वार्य प्रानु स्वि की स्वार्य स्वर्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार स्वार्य स्वार स्वार्य स अञ्चर्भाक्षे। वेदःग्री:वि:द्वेदः " ग्रीदःग्राद्वःविदःग्रीदःवः त्रुना" डेस:स:सूर:मातु:स:इसस:र्स्रेन्।स:माडेना:सत्रुत: ळग्रभःग्रीःर्षेत्। ग्वत्यः परः भ्रेष्याः यतः रहेतः यरः र्हेतः मिवि के देगाय हुट द र्हें गय सद द्वा ही मद रें हिस्स ह्यें राज्य त्याय रे रहा। स्वारम् राध्या से से से से से सु *न्--न्वें*द्विःसदेःस्विद्वे स्वान्ते स्वान्ते स्वान्ते स्वान्ते स्वान्ते स्वान्ते स्वान्ते स्वान्ते स्वान्ते स ज्ञानाव के नामावाक (म

यान्तिन्ति स्त्राचित्र स्त्रिक्ष स्

र्भे त्युर्ग्य वेश्व

त्र्नायाम्बर्धिः इवः स्त्रः त्राम् स्त्रः त्राम स्त्रः स्त्रः त्राम स्त्रः स्त्रः स्त्रः त्राम स्त्रः स्त्रः स्त्रः त्राम स्त्रः स



ब्रूटाळेंद्र। वरुट्राधेदा। क्रुॅंग्दर्गुट्रार्थेग्रायनुवाववरा ॱ८८:वर्डे :घनशःग्रे:यम्'येदःष८:८-१४देःचरःवर्डे:२ेम् यावयःसः स्थयः ग्रीयः सूवः सूवः क्रुवः वहेवः दरः यानाः येत् ग्रीका स्रेट त्वा स्ट्रायका का कटा विटायार क्राका ग्री સુંયાય.શે.યસુંેેેે.લેંચ.સ.વૈંદ.ભૂરી ટું.તાર.હીદ.સૂયોય. यः र्र्भु त्रतुरः श्री रे र्र्भे गिर्हरः वनसः दे श्रु न सूयः नदे रहे चवनान्दा वह्यसहोत्त्वरायम् श्रुस्तहोत् बरासहेः हि.च क्रिया द्वेट लेख गारा सहेद द्वेर ब्रह्म है रहे स्था ह्या अ.ग्रेन्-भ्रेव-वरुषाधीवन्या वीन्-वी-ने-इस्रय-वर्नुयः श्विराध्य रेरानकृरानराञ्चार्ते । देशानुसा श्वि कुवार् हुनागड्र छे अपदे र्ने अप्याधित वञ्जवानदे <u> चे</u>.चब्नाऱ्यायाद्वेन्यात्वेचार्यात्रयाद्वयाद्वया <u> दे.ज.वे.क्</u>र्म.क.च.ज.ज.झेंब.बट.बट.चजे.*चट.च.*ट..। देर:श्चेत्र:कु:द्वा:डंब:च<u>ब</u>्चेश:द्वा:दुग्द:ऍव:दु:वहुव: क्रुक्तात्व क्रीक्तारावाद्धात

हे[.]चन्।ळन्।याचबुराचदेःशेन्।यार्देराहेश| दृदशासा <u>अ</u>र.लट.के.टेट.लकेश.टड्रेश.ट्योग.घे.ट्यूश.स.लुरी दे द्रशावना ने ना उसाया नृद्रशासु न सुन है सासु न वतुरर्देरान्चे र पर्वे अप्यादरायने या वीरानी प्रवरायना देरावरातु जुराहे वाराञ्चार्वे उद्याळवारा हेरा। राखुवा त्तुनायः हे : इट : बट्ट विद्याः दर्वे याः याः क्री : श्रुन : वे : इट : वर : समेतु हुर वी हे पेंदर न उस न्ये म महिम पेंदर म विया <u> नडुना स्रे| ५ग्रीयानिहेयामदे सळ्सयाद्यासून पया</u> द्यास्र नर्ययान्त्रीयायान्ता क्री क्री क्राया क्रिया उँभायमेरानु नडुमा हे भामाबी तथा सहे ना चुरा ही भा भु देश वेश मदे श्रेट रु. दवे दर्गे श मधी गया श्रेट वनुस्रमान्याचेनार्सेनार्सेनात्रमान्त्रीत्रान्ता हुनः



यदः श्रुवः धेवः यसः यभा वाववः धरः श्रुः वतु सः श्रेः वेवाः ने हेन नायान हुन सर इनाया मते हुन नरा सम्हें होना यदःभ्रेन् त्र्रातुराव तुराके नवया यराव श्वान्य सेंराना ८८.क्रिज.यदु.४८.२.२२वीयात्र.४४४४४४१। योर.स्र.जुवायः र्भे सार्यम् अपना में मुक्ता मुक्तान्य विदाञ्चन ग्रेअपनराक्षात्रान्गराञ्चरार्भेराक्षेप्तवीक्ष्मेंत्रारा हेप्स्र वश्याकनावानगरञ्चरावराष्ठिःहरावदेः श्रुवाधेवा <u>बदःकें गें ना ग्रुना क्षात क्षेत्र भेदा छ्टा वा वह या ग्री क्षेत्र</u> धेव'स्या न्नो'म्बर'यावय'संदे'यन्द्व'द्य'यद'स्या'न्र वर्त्रेष:रर:रर:वी:र्श्वेर:र्केर:रर:वश्चवत्रवावाय:सर नहना क्षेत्रु द्वाद्वा क्षेत्र स्वानाय केर्दे । ર્ક્કુે.ૡત્વન.તા.વોએન.*ને*ટિતા.નેન.વોબવ.તા.ક્રીન.બું.વો.ક્રીન. य-श्वाली ग्रान् करागु.धेराधी सक्कु.र्संसासक्कु.र्संसा क्रुक्तात्व क्रीक्तात्व १६६०

ते_{'की'}सर्ळेंदे'कु'कु'वेपा'धेदातु'न'क्सस्य'ळ'सहस्य'प'८८। नावत्राधराञ्चरायास्याचीयात्रीय्यायदे केट्रार्झेनायदेः हि.य.क.स्रह्मात्म। <u>स्रा</u>ब्दान्यस्य मुक्तास्य स्वाप्ति धेरः श्वेषायवरार्वे हेशायगुराउंशा श्वार्वेशायादरा निवे त्यानाञ्च न्दार्के व न्दाया न्द्रियान्दानिव स्विना षाब्दाळेरागारावश्रेशासाञ्चरात्रशानराञ्चादरावा द्रानुरायानुमारमायम् वर्षमा दे स्ट्राम्मसादमामाध्रमा *ॸ*ॖॺॱॸॸॖॸॱय़य़ॆॱॸक़ॗढ़ॱॹ॔य़ॱॻॖऀॺॱॻऻॺ॓ॸॱऄॣ॔ॻऻॱॿॗॸॱढ़ॱ वेग्रायरविरा देः धराग्रेर वेंग्रेर र् त्यवास्तरे ५ सू स्रेभ नदा उसानस्वासरे स्रेट र् नववा <u>ই</u>ঝ| অবা'বাঅঝ'শ্ৰীঝ'ত্তুম'র্রঅ'বর্ত্তম'বর্ম'র্বিবা'র্ম্ম' मिडेग'रु'दश्चर'दर्शे'न'धेद्या दे'कु'र्बेर्'डेग'गे'विर' য়৾য়ৼ৾৽ড়ৢয়৽ৠৢঽয়৽য়ৢ৽ড়৾য়৽য়ৢৼ৽য়য়৽য়ৣয়৽য়ৼয়৽



यसःस्वानः मित्रः स्वानः स्व स्वानः स्वानः